डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल, 28.04.2025 से 14.05.2025 वर्ष-42 अंक-25 मूल्य ₹10.00

संक्षिप्त खबर

एग्जिट पोल तथा परिणाम का प्रकाशन 1 जून तक प्रतिबंधित

भोपाल, लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6.30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। मतदान समाप्त होने के 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ओपिनियन पोल या अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

विशेष पुलिस अधिकारी किये जा सकेंगे नियुक्त

भोपाल, लोकसभा निर्वाचन सम्पन्न करवाने के लिये प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं अतिथि शिक्षकों को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) के रूप में नियुक्त किया जा सकेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश को 28 मार्च को इस की स्वीकृति दे दी गई है। यह स्वीकृति सिर्फ इसी लोकसभा निर्वाचन के लिये दी गई है।

वाहन रैली के माध्यम से मतदान के लिये किया जागरूक

भोपाल, मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से भोपाल में मतदाता जागरूकता वाहन रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने आगामी 7 मई को भोपाल लोकसभा सीट के लिए होने वाले मतदान में प्रदेश के सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि खुद मतदान करें और परिवार, आस-पड़ोस के नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने कहा है कि पुलिस अधिकारी मतदान से पहले और मतदान के दिन सुरक्षा व्यवस्था की विशेष तैयारियां सुनिश्चित करें। मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त बल उपलब्ध रहे। जिससे मतदान में किसी भी प्रकार का व्यवधान न हो।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

चुनाव आयोग द्वारा गलत सूचनाओं के प्रसार से बचने "Myth vs Reality Register" पोर्टल लॉन्च

विश्वसनीय और प्रमाणित चुनाव जानकारी के लिए 'वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म' शुरू

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में गलत सूचनाओं के प्रसार से निपटने और चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के लिए, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा लोकसभा निर्वाचन के लिये "Myth vs Reality Register" लॉन्च किया गया है। इसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और श्री सुखबीर सिंह संधू द्वारा निर्वाचन सदन, नई दिल्ली में लॉन्च किया गया। "Myth vs Reality Register" भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट (https://mythvsreality.cci.gov.in/) पर उपलब्ध है। रजिस्टर के तथ्यात्मक मैट्रिक्स को नियमित रूप से अपडेट किया जाएगा। इसकी शुरुआत चुनावी प्रक्रिया को गलत सूचनाओं से बचाने के लिए ईसीआई द्वारा किये जा रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

गलत सूचनाओं का निराकरण जरूरी

चुनावी अखंडता के लिए धन, बाहुबल और आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के साथ-साथ विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिये गलत सूचनाओं का त्वरित प्रतिकार करना बेहद जरूरी है। विश्व स्तर पर कई लोकतंत्रों में गलत सूचना और झूठी कहानियों के प्रसार की बढ़ती चिंता के साथ, ईसीआई की यह अभिनव और सक्रिय पहल यह सुनिश्चित करने का एक विशेष प्रयास है कि मतदाताओं को पूरी चुनावी प्रक्रिया के दौरान सटीक और सत्यापित जानकारियां समय रहते ही मिल सकें। निर्वाचन आयोग के पोर्टल में चुनाव अवधि के दौरान प्रसारित भ्रामक समाचारों, मिथकों और झूठ का प्रतिकार करने के लिए तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध रहेगी। इससे तथ्यों को प्रसारित कराने में मदद मिलेगी। इसे उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप में डिजाइन किया गया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप कार्यशाला को किया संबोधित

पाठकों तक सही जानकारी पहुंचाना मीडिया का दायित्व

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए

भोपाल, मीडिया निर्वाचन संबंधी तथ्यात्मक एवं सही जानकारी पाठकों तक पहुंचाएं। आयोग का प्रयास है कि मीडिया को निर्वाचन संबंधी सभी अद्यतन जानकारियां दी जाएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रशासन अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय मीडिया वर्कशॉप में कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में मीडिया की अहम भूमिका है। श्री राजन ने कहा कि सभी मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इस कार्य में मीडिया का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। मतदाता जागरूकता अभियान में मीडिया भी सहभागिता करे। उन्होंने कहा कि वे लगातार मीडिया के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनकी शंकाओं का समाधान किया जा सके और पाठकों तक सही जानकारियां पहुंचें।

पत्रकारों को पोस्टल बैलेट की सुविधा

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्राधिकार पत्रधारक पत्रकारों को पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पत्रकार मतदान के दिन कवरेज में व्यस्त होने पर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 85 वर्ष से अधिक उम्र और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को उनकी इच्छा पर उन्हें घर से वोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पत्रकार, आयोग की आंख और कान

संयुक्त निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री ने कहा कि पत्रकार, आयोग की आंख और कान हैं। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से आयोग को ऐसी जानकारियां मिल जाती हैं, जो कई बार प्रशासन की नजरों में नहीं आ पाती हैं। श्री खत्री ने कहा कि एमसीएमसी कमेटी के अनुमोदन के बाद ही राजनैतिक विज्ञापन जारी किये जाएं। विज्ञापन समाचार के रूप में नहीं देना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से नेशनल मीडिया अवॉर्ड के लिये नामांकन दर्ज करने का भी आग्रह किया। वर्कशॉप में नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर प्रोफेसर पी.एन. सनेसर और डॉ. वाय.पी. सिंह ने सी-विजिल एप, केवाईसी, एमसीएमसी, पेड न्यूज, मीडिया एथिक्स और मतदान एवं मतगणना के दिन मीडिया कवरेज सहित विभिन्न चुनावी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सी-विजिल में 1473 शिकायतों का निराकरण

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि 16 मार्च से आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। एक अप्रैल तक प्रदेश के सभी जिलों से इस एप के माध्यम से कुल 1473 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। श्री राजन ने बताया कि मुख्य रूप से सागर जिले में 165, ग्वालियर में 128, उज्जैन में 111, खरगोन में 70, शहडोल में 69, सीहोर में 60, रीवा में 59, धार में 57, भोपाल में 53, निवाड़ी में 51, रायसेन में 44 और राजगढ़ में 41 शिकायतों के साथ अन्य जिलों में भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं। श्री राजन ने प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं।

भोपाल जिले के मतदानकर्मियों के लिए दो सत्रों में हुआ प्रशिक्षण

भोपाल, लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिये भोपाल जिले की सभी विधानसभाओं के मतदानकर्मियों के लिए एक साथ दो-दो सत्रों में प्रशिक्षण शुरू हुआ। यह 5 अप्रैल तक संबंधित जनपद पंचायत के नियत स्थल पर दो-दो सत्रों में संचालित होगा। भोपाल जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋतुराज सिंह ने प्रशिक्षण में शामिल प्रशिक्षणार्थियों को चुनाव प्रक्रियाओं की बारीकियों को समझने का निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक बिन्दु के संबंध में लिखित निर्देश जारी किए गए हैं, जिसका अध्ययन कर शत-प्रतिशत पालन कराना है, किन्हीं भी परिस्थितियों में हमारी प्रतिष्ठा प्रभावित ना हो, इसका पूरा ध्यान रखना आवश्यक है।

इस तरह दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षणार्थियों को मतदान दल के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, पोलिंग एजेंटों की नियुक्ति, मतदान केंद्र की कार्यवाही, पूर्व की तैयारी एवं मॉक पोल, मॉक पोल का क्रम, मॉक पोल में मशीनों का परिवर्तन एवं इसके पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान, मतदान केन्द्र में प्रवेश के लिये अनुमति धारक व्यक्ति, मतदाताओं का प्रवेश, मतदान केंद्र और आस-पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन आदि जानकारी दी गई।

सभी विभाग चुनाव संबंधित व्यवस्थाएं समय-सीमा में करें - श्री अनुपम राजन

भोपाल, सभी विभाग चुनाव से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करें। सभी विभागों में चुनाव संबंधी तैयारियों के लिये नियुक्त नोडल अधिकारी इन व्यवस्थाओं की सतत मॉनीटरिंग करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने विभिन्न विभागों के चुनाव से संबंधित व्यवस्थाओं की तैयारियों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये। उन्होंने गृह विभाग द्वारा किये कार्यों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि चुनाव ड्यूटी में किसी सुरक्षा कर्मी की दुर्घटना होने पर उसके खाते में अतिशीघ्र प्रावधानित राशि पहुँचनी चाहिए। पुलिस डिप्लायमेंट प्लान शीघ्र तैयार करें। कानून व्यवस्था की दैनिक रिपोर्ट भेजें। मतदान एवं मतगणना दिवस पर शराब की बिक्री पर प्रतिबंध सुनिश्चित करें। अन्य प्रदेशों के करीब मध्यप्रदेश के पड़ोसी जिलों में भी मतदान एवं मतगणना के दिन शराब की बिक्री पर प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिये जरूरी कदम उठाएं।

सवैतनिक अवकाश मिलना चाहिए

श्री राजन ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में स्थापित मतदान केन्द्रों में अनिवार्य सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। दिव्यांग मतदाताओं के लिये व्हील-चेयर की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। खासतौर से सुरक्षा एजेंसियों के वाहनों को ईंधन के लिये दूर नहीं जाना पड़े। मतदान के दिनों में सभी निजी संस्थानों में भी श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश मिलना चाहिए।

एयर एंबुलेंस जबलपुर और हेलीकॉप्टर बालाघाट में

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि बालाघाट, मंडला एवं डिंडोरी जिले में चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों, सुरक्षाबलों को गंभीर बीमारी या दुर्घटना होने पर अस्पताल ले जाने के लिये एयर एंबुलेंस और हेलीकॉप्टर की सुविधा उपलब्ध होगी। जबलपुर में एयर एंबुलेंस और बालाघाट में हेलीकॉप्टर उपलब्ध होगा।

हर मतदान केन्द्र में करें पेयजल की व्यवस्था

सभी मतदान केन्द्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मतदान और मतगणना के दिन निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो। निर्वाचन फार्म एवं पुस्तकों का मुद्रण समय-सीमा में किया जाए। लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग मतदान केन्द्रों तक के पहुंच मार्ग की मरम्मत आदि का कार्य समय-सीमा में कराएं।

30 मार्च

कंबोडिया में फंसे 250 भारतीयों को वापस लाया गया

● कंबोडिया से रोज़गार के नाम पर अवैध साइबर क्राइम में फंसे भारतीयों को वापस

लाया जा रहा है। भारत कंबोडिया के अधिकारियों के साथ सहयोग करके 250 भारतीयों को बचाकर वापस ले आया है। इनमें से 75 भारतीय 3 महीने में बचाए गए हैं। सरकार ने यह भी बताया कि कंबोडिया में रह रहे भारतीयों को साइबर फ्रॉड के प्रति सचेत भी किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कंबोडियाई अधिकारियों के साथ मिलकर इन अवैध साइबर गतिविधियों के पीछे जिम्मेदार लोगों की खोज कर रहे हैं। केन्द्र सरकार ने बताया कि कंबोडिया में भारतीय दूतावास में ऐसे भारतीय नागरिक जिनसे साइबर फ्रॉड कराया जा रहा है, उनकी शिकायतों पर कार्यवाही की जी रही है।

● नीदरलैंड्स के शहर एडे में एक नाइट क्लब में एक नकाबपोश व्यक्ति ने कुछ लोगों को बंदी बना लिया था। कुछ घंटों के बाद ही आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अभी तक इस घटना का किसी आतंकवादी मकसद से जुड़े होने के कोई संकेत नहीं हैं।

● बीस वर्ष पहले 29 मार्च, 2004 को आयरलैंड ने सार्वजनिक जगहों पर धूम्रपान बैन कर दिया था, जिससे आयरलैंड में सिगरेट पीने वालों का प्रतिशत 41 प्रतिशत से गिरकर 9 प्रतिशत हो गया है। बैन के बाद के पहले दशक में धूम्रपान से होने वाली मृत्युदर में गिरावट देखी गई। बैन से बड़ी संख्या में लोगों की धूम्रपान की आदत स्थाई तरीके से छूट गई। उल्लेखनीय है कि आयरलैंड धूम्रपान पर बैन लगाने वाला दुनिया का पहला देश था। अब दुनिया के 70 देशों में धूम्रपान पर किसी न किसी तरह का बैन लगा हुआ है।

31 मार्च

भारत लाए जाएंगे 9 समुद्री लुटेरे

● सोमालिया के 9 समुद्री लुटेरों को भारतीय नौसेना कानूनी कार्यवाही के लिए

भारत लाएगी। इन पर कार्यवाही समुद्री डकैती रोधी अधिनियम, 2022 के तहत होगी। नौसेना के कथन अनुसार विशेषज्ञ टीमों ने इन समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया। दरअसल इन लुटेरों को सागर में ईरानी मछली पकड़ने वाली नौका अल-कंबर के अपहरण करने के लिए कानूनी कार्यवाही के लिए भारत लाया जा रहा है। इस नौका के क्रू में 23 पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल थे।

● ऑस्ट्रेलिया में हुई शोध के अनुसार, सफेद छतों वाले घर कम गर्म होते हैं। गहरे रंगों की तुलना में हल्के रंगों की छतों वाले घरों का तापमान 1 डिग्री सेल्सियस से कम होता है। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर सेबास्टियान फॉश कहते हैं कि सिडनी शहर में गहरे रंग की छत से बिजली का खर्च 38 प्रतिशत बढ़ जाता है। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद में इस शोध पर पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है, जिसमें 3 हजार से अधिक घरों की छतों को सफेद रंग किया गया है। देखा गया कि ऐसा करने पर 50 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी अंदर के तापमान में कमी आई, जिससे घर के अंदर रह रहे लोगों को राहत महसूस हुई। इसी तरह गुजरात के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोध में सामने आया कि मॉडरूफ यानी लकड़ी और गत्तों की छत वाले घरों का तापमान कंक्रीट की छतों वाले घर से 4 डिग्री सेल्सियस कम होता है।

● केरल मैरिटाइम बोर्ड के अनुसार केरल और खाड़ी के 6 देशों के बीच समुद्री जहाज पैसेंजर सेवा अगले 6 महीनों में शुरू हो सकती है। बोर्ड के चेयरमैन एन.एस. पिल्लई के अनुसार जहाज का सफर हवाई जहाज के किराए का लगभग एक तिहाई होगा और हर यात्री अपने साथ 75 किलो लगेज निःशुल्क ले जा सकेंगे। अब तक 6 बड़ी कंपनियों ने इस मार्ग पर जहाज चलाने के लिए मसौदा भेजा है। 22 अप्रैल तक इन मसौदों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

1 अप्रैल

ऑक्सफोर्ड शहर में हिन्दू मंदिर खुला

● ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड शहर में हिन्दुओं की आस्था का प्रतीक एक मात्र मंदिर को

समारोह पूर्वक दर्शनार्थ खोल दिया गया है। सिटी काउंसिल के नेता सुसान ब्राउन ने मंदिर भवन की चाबी ऑक्सफोर्ड हिन्दू मंदिर एवं सामुदायिक केन्द्र परियोजना संचालकों को सौंपकर इसकी विधिवत शुरुआत की। मंदिर बनाने वाली संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर पियान गोपाल ने कहा कि ऑक्सफोर्ड में 7 हजार से अधिक हिन्दुओं को इस दिन का इंतजार था, जो अब पूरा हुआ।

● स्वीडन में किए गए शोध के अनुसार बच्चों में पाये जाने वाले मोटापे से उन्हें ब्रेन की बीमारी का खतरा हो सकता है। जानकारी के अनुसार मोटे बच्चे मल्टीपल स्केलेरोसिस का जल्दी ही यानी कि कम उम्र में ही शिकार हो सकते हैं। यह एक ऐसी बीमारी है, जो रीढ़ और ब्रेन से जुड़ी है। इसके आगे चलकर बच्चों को लकवे की शिकायत भी हो सकती है। स्टॉकहोम के कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट की शोध टीम के यह निष्कर्ष मई 24 में वेनिस में मोटापे पर होने वाली यूरोपियन कांग्रेस में जारी किए जाएंगे। शोधकर्ताओं लेखकों-एमिलिया हैगमैन और एसोसिएटेड प्रोफेसर क्लाउड मार्कस के अनुसार बचपन में मोटापे के प्रभावों में से एक यह है कि यह निम्न श्रेणी की पुरानी सूजन के कारण बनता है।

● दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में हर सार्वजनिक भवन और घरों को सौर ऊर्जा से संचालित करने की योजना चलाई जा रही है। सोलर सिटी सोल प्रोजेक्ट एशिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को बिजली उत्पादन के लिए कोयला, गैस और परमाणु पर निर्भरता से युक्त करने के कार्यक्रम का हिस्सा है। दक्षिण कोरिया का लक्ष्य 2040 तक अपनी 45 प्रतिशत बिजली सौर ऊर्जा से उत्पन्न करना है। ज्ञात रहे कि एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया में सौर ऊर्जा से 2020 में 14,575 मेगावॉट बिजली बनाई गई।

2 अप्रैल

एक वाहन, एक फास्टैग देशभर में लागू

● भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) का एक वाहन एक फास्टैग

नियम एक अप्रैल से लागू हो गया। इसके अंतर्गत जिन लोगों के पास कई वाहनों के लिए एक फास्टैग या एक वाहन के लिए कई फास्टैग हैं वह उनका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। यह पहल एनएचएआई (NHAI) ने इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम की एफिशिएंसी बढ़ाने और टोल प्लाजा पर बेहतर आवाजाही के लिए शुरू की है। बता दें कि फास्टैग एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन टैग (RFID) है, जो गाड़ी के विंडस्क्रीन पर लगाया जाता है, जो आपके बैंक अकाउंट या आपके वॉलेट से जुड़ा रहता है। इसके द्वारा जब भी गाड़ी टोल प्लाजा क्रॉस करती है तो एक स्कैनर के जरिए फास्टैग अकाउंट से भुगतान हो जाता है और आपको वहां रूककर या कैश के रूप में टोल टैक्स नहीं भरना पड़ता है।

● अमेरिका के स्टार्टअप ह्यूम एआई ने एक शोध में यह पाया है कि एआई (AI) मनुष्यों की आवाज सुनकर उनकी 53 भावनाएं समझ सकता है। वह यह भी बता सकता है कि कोई व्यक्ति कितना खुश या गुस्से में हैं। दरअसल ह्यूम एआई ने पांच देशों के 16 हजार लोगों पर शोध करके एआई को आवाज में बदलाव के जरिए उनकी भावनाएं पहचानने की ट्रेनिंग दी। इसके परिणामस्वरूप यह एआई उपकरण सिर्फ आवाज से 53 तरह की भावनाओं को पहचानने लगा।

● ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को प्रस्तावित बेघर कानून को लेकर अपनी ही कंजर्वेटिव पार्टी में विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यह कानून बेघर होने को अपराध की श्रेणी में लाएगा और पुलिस को सड़कों पर सोने वालों पर कार्यवाही करने का अधिकार प्रदान करेगा। इसमें यह प्रावधान भी है कि इंग्लैंड और वेल्स में सड़कों पर सोने वालों पर 2,500 पाउंड तक का जुर्माना या जेल भेजा जा सकता है।

3 अप्रैल

फिनलैंड में छात्र ने स्कूल में की गोलीबारी

● फिनलैंड में 12 वर्षीय छात्र ने वियरतोला स्कूल में गोलीबारी की, जिससे कि एक

छात्र की मौत हो गई एवं दो छात्र घायल हो गए। घटना के वक्त छात्रों ने खुद को अंधेरे क्लास रूप में बंद कर लिया था। पुलिस ने फायरिंग करने वाले बच्चे को हिरासत में ले लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी में इस्तेमाल की गई लाइसेंसी हैंडगन आरोपी बच्चे के रिश्तेदार की है। फायरिंग के कारण का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया।

● तुर्किये में इस्तांबुल के एक मशहूर क्लब में आग लगने से 29 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर हैं। हादसे के समय नाइट क्लब रिनोवेशन कार्य के लिए बंद था। ज्यादातर मृतक मजदूर थे। यह क्लब एक 16 मंजिला बिल्डिंग के भू-तल पर स्थित है। आग को जब तक बुझाया तब तक आग तीसरी मंजिल तक पहुंच गई थी। पुलिस ने क्लब के मैनेजरों समेत कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

● पत्रिका पीएलओएस में छपे एक शोध से सामने आया है कि टेनिस-बैडमिंटन जैसे आउटडोर खेल के सफल खिलाड़ियों की आंख एक आम आदमी की तुलना में हर सेकंड 25 इमेज ज्यादा देख पाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि ऐसे लोगों की आंखों का रिजोल्यूशन एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में ज्यादा होता है। इस क्षमता से खिलाड़ियों को ऐसी स्थितियों में जहां दृश्य तेजी से बदलते हैं। जैसे इधर से उधर तेजी से जाती हुई गेंद को तुरंत देखने में मदद मिलती है। इस शोध के निष्कर्ष को आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज की शोधकर्ता क्लिंटन हार्लिम ने अपने साथियों के समूह के साथ प्रतिपादित किया है।

4 अप्रैल

सरकार ने लॉन्च किया माय सीजीएचएस ऐप

● स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव अपूर्व चंद्रा ने आईफोन ऑपरेटिंग सिस्टम आइओएस के लिए माय सीजीएचएस ऐप को लॉन्च किया। इस ऐप को केन्द्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य योजना (CGHS) के लाभार्थियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड, सूचना और संसाधनों तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। यह ऐप राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (NIC) हिमाचल प्रदेश और एनआइसी स्वास्थ्य टीम की तकनीकी टीमों द्वारा बनाया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐप लाभार्थियों को उनकी उंगलियों पर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचायेगा।

● ताइवान में 25 वर्ष के इतिहास में सबसे शक्तिशाली भूकंप आने से 9 लोगों की मृत्यु हो गई और 900 से भी अधिक लोग घायल

हो गए। 50 लोग लापता हैं और 77 लोग चट्टानी सुरंगों व इमारतों में फंसे हुए हैं। इस भूकंप की तीव्रता 7.4 रियेक्टर थी। इस भूकंप के 15 मिनट बाद जापान के तटों पर 30 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी आई। भारतीय प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में संवेदना जताते हुए लिखा कि भारत इस विपत्ति की घड़ी में ताइवान के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

● अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके प्रतिद्वंदी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आसानी से चार और राज्यों में अपनी पार्टियों के प्राइमरी चुनाव जीत लिए हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी ने 22 अप्रैल को न्यूयॉर्क, कनेक्टिकट, रोड आइलैंड और विस्कॉन्सिन में प्राइमरी चुनाव आयोजित किए थे, जिनमें ट्रंप ने 75 प्रतिशत से अधिक और बाइडेन ने 80 प्रतिशत वोट हासिल किए। इससे नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में फिर से दोनों के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना लग रही है।

5 अप्रैल

एनडीए और नौसेना अकादमी परीक्षा के अंतिम परिणाम जारी

● संघ लोक सेवा आयोग ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और नौसेना अकादमी

परीक्षा (द्वितीय) के अंतिम परिणामों की घोषणा कर दी है। इसमें 699 उम्मीदवारों को योग्यता सूची में शामिल किया गया है। आयोग ने इसके लिए लिखित परीक्षा 3 सितम्बर, 2023 को करायी थी। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के परिणाम के आधार पर एनडीए के 152वें पाठ्यक्रम और भारतीय नौसेना अकादमी के पाठ्यम के लिए 699 उम्मीदवारों की योग्यता क्रम में सूची जारी कर दी गई है।

● सूडान सरकार ने देश में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तीन चैनल अल अरबिया, अल हदथ और स्काई न्यूज अरबिया का संचालन बंद कर दिया है। स्थानीय समाचार एजेंसी 'एसयूएनए' के अनुसार सूडान के संस्कृति एवं सूचना मंत्री ग्राहम अब्देल ने तीनों चैनलों को बंद करने के आदेश दिए हैं। जानाकारी के अनुसार यह तीनों चैनल आवश्यक व्यावसायिकता और पारदर्शिता प्रदर्शित करने और लाइसेंस नवीनीकृत करने में विफल रहे हैं। ज्ञात रहे कि तीनों प्रसारक यूएई में स्थित हैं, जिसमें स्काई न्यूज अरेबिया अबू धाबी में तथा अल अरेबिया और अल हदथ दुबई में स्थित हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 41, अंक 15 08.04.2024 से 14.04.2024
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - संदीप यादव
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

भारत में चुनाव का महत्व और महापर्व में महिलाओं की भूमिका

स्वामी विवेकानन्द का मानना है, 'किसी भी राष्ट्र की प्रगति वहां की महिलाओं की स्थिति पर निर्भर करती है।' अगर महिलाएं सशक्त और आत्मविश्वासी होंगी तो निश्चित ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा। वर्तमान में महिलाओं का सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक और आर्थिक व्यवस्था में योगदान बढ़ा है। इसी का परिणाम है कि देश की महिलाएं कला, संस्कृति, राजनीति, व्यवसाय तथा रोज़गार के क्षेत्र में नये आयाम गढ़ रही हैं। लोकसभा के इस महापर्व में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। चुनाव में महिलाओं की जागरूकता बढ़े, इसके लिए चुनाव आयोग लगातार प्रयासरत है। आयोग के प्रयासों के परिणाम भी अब दिखाई देने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार मतदान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 76.03 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। महिलाएं एक बार फिर 19 अप्रैल से प्रदेश में शुरू हो रहे लोकसभा चुनाव में मतदान को लेकर उत्साहित हैं। इस बार चुनाव में लगभग दो करोड़ 73 लाख से अधिक महिला मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगी।

भारतीय लोकतंत्र की नींव को सशक्त करने में प्रत्येक नागरिक ने अपना योगदान दिया है। भारतीय गणतंत्र विविध भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विशिष्टताओं को एकाकार कर निर्मित हुआ है। प्रत्येक भारतीय नागरिक अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्माता, संरक्षक और पोषक है। हम सभी भारतीय अपने लोकतंत्र के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी हैं। इसके निर्माण की प्रक्रिया में हमें अपने ही बीच से अपने प्रतिनिधि, अपने नेता को चुनकर अपने तंत्र को संचालित करने के लिये लाना होता है। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। अपने दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जब हम अपने विवेकपूर्ण सामर्थ्य से निर्णय लेते हैं, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के निर्माण जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के निर्वहन में भी हमें अपने विवेक के आधार पर निर्णय लेना चाहिये। हमारा मत हमारे लोकतंत्र की नींव में ईंट की तरह है और इस ईंट की मजबूती पर लोकतंत्र के भवन की मजबूती निर्भर करती है। इसीलिये हमारा मत विवेकपूर्ण होना चाहिये। विवेकपूर्ण मतदान और एथिकल वोटिंग हमारी पहली और बुनियादी जरूरत है।

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि हमारा विवेकपूर्ण मत अभिव्यक्त न होकर मतदान के रूप में सुनिश्चित भी होना चाहिये। तभी लोकतंत्र निर्माण में हमारी भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। मत एक अधिकार है, एक ताकत है, एक आवाज है, लेकिन अभिव्यक्ति के अभाव में वह सार्थक नहीं हो सकता है। मत के अधिकार की जब कार्यरूप में परिणति होगी, अभिव्यक्ति होगी, तभी वह उपयोगी बन पायेगा। अतः स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में, मत की अभिव्यक्ति सार्थक रूप में हो, यह आवश्यक है। लोकतंत्र में हर एक मत मायने रखता है। लोकतंत्र के लिये हर मतदाता को मतदान की जिम्मेदारी अवश्य निभानी चाहिए।

भारत के चुनाव में मतदान का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। आम चुनावों में बढ़ता मतदान प्रतिशत इस बात की ओर भी संकेत करता है कि देश की चुनाव प्रणाली तथा निर्वाचन प्रक्रिया में जनमानस का भरोसा है। लोगों में यह विश्वास स्थापित हो सका है कि चुनाव के दौरान मतदान की प्रक्रिया स्वच्छ और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो रही है। यह विश्वास ही मतदाता संख्या में वृद्धि और वोटर बनने के प्रति आकर्षण का प्रमुख आधार है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार प्रत्येक 6 में से एक बच्चा हो रहा साइबर बुलिंग का शिकार

दुनियाभर में टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ ही कई खतरे भी बढ़े हैं। पिछले दिनों विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार चौंकाने वाली जानकारी सामने आयी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑनलाइन दुनिया में साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ रहा है। यह खतरा सबसे ज्यादा बच्चों में है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि बच्चे सबसे ज्यादा साइबर बुलिंग के शिकार हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार हर 6 में से 1 बच्चा साइबर बुलिंग का शिकार होता है। साइबर बुलिंग पर हुई इस रिपोर्ट के अनुसार, 11 से 15 साल की उम्र के लगभग 16 प्रतिशत बच्चों ने 2022 में साइबर बुलिंग का अनुभव किया। डब्ल्यूएचओ के अनुसार बच्चों में साइबर बुलिंग की शुरुआत कोविड-19 के समय से शुरू हुई। इस दौरान बच्चों को गैजेट मिले, उनका स्क्रीन टाइम बढ़ा और बच्चे वर्चुअल दुनिया का हिस्सा बन गये। यही नहीं कोविड के दौरान शिक्षा जैसे ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हुई तभी से साइबर बुलिंग के खतरे बढ़ने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक साइबर बुलिंग टेक्नोलॉजी की मदद से होती है। यह तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को परेशान करने, धमकाने, शर्मिंदा करने या निशाना बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करता है। इसके लिए स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, टैबलेट और गेमिंग सिस्टम का सहारा लिया जाता है। डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट निर्देशित किया है कि अगर बच्चा कोई पर्सनल जानकारी पोस्ट करता है, फोटो या वीडियो का उपयोग करता है जिसका नुकसान दूसरे व्यक्ति हो रहा है इसका मतलब है कि वह बच्चा साइबर बुलिंग का शिकार हो रहा है। यह एक बड़ी समस्या है। अतः इससे सावधान रहने और बचने के उपाय पर विचार किया जाना चाहिए।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

नव-संवत्सर विशेष

गुड़ी पड़वा : संसार की सबसे प्राचीन काल गणना है नवसंवत्सर

भारत में नये वर्ष का आरंभ गुड़ी पड़वा से होता है। यह तिथि चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा है। भारतीय काल गणना में नया वर्ष इसी तिथि से आरंभ होता है। इसे नवसंवत्सर कहते हैं। भारतीय परंपरा में दो प्रमुख काल गणना संवत् हैं। एक युगाब्द और दूसरा विक्रम संवत्। अधिक प्रचलन में विक्रम संवत् है।

नवसंवत्सर अर्थात नये संवत् वर्ष का प्रथम दिन है। इस चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से विक्रम संवत् 2081 और युगाब्द 5126 आरंभ हो रहा है। इस संवत्सर का आरंभिक नाम 'पिंगल' होगा। वर्षभर यह 'कालयुक्त' नाम से जाना जायेगा। वर्ष का राजा मंगल और मंत्री का दायित्व शनि के पास रहेगा। काल गणना को संसार के अन्य देशों में कैलेण्डर कहते हैं। लेकिन भारत में इसे पंचांग कहा जाता है। यहां कुछ प्रश्न उठना स्वाभाविक हैं। पहला तो यही कि युगाब्द क्या है और विक्रम संवत् क्या है? दूसरा यह कि दोनों में लगभग तीन हजार वर्ष का अंतर है फिर इनके आरंभ की तिथि एक ही क्यों है? और तीसरा इसके राजा या मंत्री के रूप में ग्रहों के नाम क्यों आते हैं। इन प्रश्नों के उत्तर आश्चर्यजनक हैं और स्वाभिमान से गर्वोन्नत करने वाले हैं। इसका कारण यह है कि भारतीय काल गणना वैज्ञानिक अनुसंधान पर आधारित है। अर्थात हजारों वर्ष पहले भारतीय मनीषियों ने अंतरिक्ष और ग्रह नक्षत्रों की गति और उनका प्राणी के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन कर लिया था। आने वाली पीढ़ियां इसका ध्यान रखकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकें इस चिंतन ने काल गणना को यह स्वरूप दिया।

सबसे पहले इन दोनों काल गणनाओं का आरंभ देखें। युगाब्द संवत् का आरंभ महाभारत युद्ध के बाद सम्राट युधिष्ठिर के राज्याभिषेक से हुआ था और विक्रम संवत् का आरंभ महाराज विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि से। इस वर्ष ये दोनों संवत् 9 अप्रैल, 2024 से आरंभ हो रहे हैं। भारतीय नववर्ष को भारत के अलग-अलग प्रांतों और क्षेत्रों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। कहीं 'चेती चांद' कहीं 'गुड़ी पड़वा' कहीं 'युगादि', कहीं 'उगादी' कहीं 'पड़वो' कहीं 'नवरेह' तो मणिपुर में सजिबु नोंगमा पानबा नाम से जाना जाता है। भारतीय काल गणना पत्रक को पंचांग कहते हैं। इसके 'पंचांग' नाम से ही स्पष्ट है कि 'पांच-अंग'। भारतीय कैलेण्डर यानी पंचांग में ये पांच अवयव हैं 'माह' 'दिन' 'तिथि' 'नक्षत्र' और 'योग'। पंचांग में पांच तत्वों की जानकारी मिलती है। जबकि पाश्चात्य ग्रेगोरियन कैलेण्डर से केवल तीन बातों की ही जानकारी मिलती है। 'दिन' 'दिनांक' और 'माह'। भारतीय काल गणना का आधार सूर्य और चंद्रमा सहित सभी ग्रहों और नक्षत्रों का भी आकलन होता है। गति केवल ग्रहों की ही नहीं नक्षत्रों की भी होती है। इसलिये प्रत्येक माह का नाम नक्षत्र के नाम से मेल खाता है और उसी अनुरूप माह की शुरुआत होती है। जैसे चैत्र मास का आरंभ चित्रा नक्षत्र से, वैशाख माह विशाखा नक्षत्र से, ज्येष्ठ माह ज्येष्ठा नक्षत्र से आरंभ होता है। इसी प्रकार वर्ष के सभी बारह माहों का आरंभ उनके नाम के अनुरूप नक्षत्र के नाम से होता है। नक्षत्र की कालावधि से ही माह की तिथियां निर्धारित होती हैं। जिस प्रकार माहों के नाम और माह आरंभ होने के पीछे अंतरिक्ष के अनुसंधान और ग्रहों की गति का आधार है उसी प्रकार इसके आरंभ की तिथि भी वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर निर्धारित की गई है। यह माना जाता है कि इसी तिथि से 'समय' का आरंभ हुआ था। अंतरिक्ष में ग्रहों की गति के आकलन में आधुनिक विज्ञान के अनुसंधान और वैदिक वर्णन में आश्चर्यजनक समानता है। यदि कहा जाये कि आज भी वैदिक विवरण विज्ञान से एक कदम आगे हैं। ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के अनुसार पहले केवल अंधकार था। समय न था। अंधकार से ही प्रकाश का आरंभ हुआ और इसके साथ समय का शुभारंभ। जिस क्षण समय का आरंभ हुआ, उस तिथि का ही नाम चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा है। यहां ध्यान देने की बात यह है कि वर्ष आरंभ की यह तिथि माह की आरंभिक तिथि नहीं है। यह चैत्र माह के पन्द्रह दिन बीत जाने के बाद की तिथि है। प्रत्येक माह के पहले पन्द्रह दिन कृष्ण पक्ष के होते हैं। कृष्ण पक्ष यानी अंधकार से भरी रात्रि के दिन। समय का आरंभ अंधकार के समापन से हुआ। इसलिये वर्ष का आरंभ कृष्ण पक्ष के समापन से आरंभ होने वाले शुक्ल पक्ष से होता है। शुक्ल पक्ष अर्थात चन्द्रमा के प्रकाश की रात्रि। यह प्रकाश एक एक घड़ी बढ़ता है और पूर्णिमा को चन्द्रमा पूर्ण होता है। यही जीवन का संदेश है। अंधकार से उद्गम और प्रकाश की धवलता की यात्रा। व्यक्ति एक-एक कदम आगे बढ़कर अपने जीवन को प्रकाशमान बनाकर पूर्णता की ओर पहुंचे। भारतीय कालगणना की एक दूसरी विशेषता भी है। इस गणना को वर्ष की कुल छह ऋतुओं में बांटा गया। वर्ष का आरंभ ग्रीष्म ऋतु से और समापन बसंत ऋतु से होता है। ऋतुओं का यह निर्धारण भी प्रकृति के परिवर्तन से हुआ है। जिस प्रकार पतझड़ के बाद नई कोपलों का अंकुरण होता है, उसी प्रकार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष के बाद धरती की आंतरिक क्रियाओं में परिवर्तन आता है। इसलिए धरती को इन दिनों में खाली छोड़कर वर्षा ऋतु में नयी फसल की तैयारी होती है।

जिस प्रकार वर्ष के आरंभ और ऋतु के आरंभ की तिथि का निर्धारण अंतरिक्ष के ग्रहों और नक्षत्रों की गणना एवं गति के आधार पर किया गया है, उसी प्रकार इसके नामकरण का आधार भी भाषा विज्ञान का अनुसंधान है। भारत की मूल भाषा संस्कृत है। संस्कृत की शब्द रचना स्वर, व्यंजन और धातु के आधार पर होती है। यह शब्द तीन धातुओं की संधि है। एक 'सम्' 'वत्' और 'सर'। 'वत्' धातु में 'सम्' उपसर्ग है और 'सर' प्रत्यय। इन्हें मिलाकर संवत्सर शब्द बनता है। इसका आशय समय का वह क्षण जो आरंभ से समापन तक की यात्रा निर्धारित करता है। इसीलिए महाभारत युद्ध के बाद महाराज युधिष्ठिर ने इस तिथि की प्रतीक्षा की थी। विभिन्न अनुसंधान में महाभारत युद्ध की दो तिथियां अनुमानित हैं। एक अश्विन यनि सितम्बर और दूसरी अगहन यानी नवम्बर माह। किन्तु महाराज युधिष्ठिर ने समय की प्रतीक्षा की और चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को राज्याभिषेक आयोजन रखा और यहीं से युगाब्द आरंभ हुआ। ठीक इसी प्रकार इसके लगभग तीन हजार वर्ष बाद शकों से भारत की मुक्ति के बाद महाराज विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ था। इसलिये युगाब्द की भांति विक्रम संवत् आरंभ भी इसी तिथि से हुआ था।

पंचांग की काल गणना पर आधुनिक विज्ञान ने भी बहुत अनुसंधान किये। आधुनिक विज्ञान भी भारतीय काल गणना की सटीकता देखकर हतप्रभ है। इसमें सूर्य, चन्द्रमा सहित सभी ग्रहों और पृथ्वी की गति ही नहीं, इस गति से पृथ्वी पर पड़ने वाले प्रभाव का भी आकलन होता है। भारतीय ज्योतिष का आधार भी यही काल गणना है। यह भारतीय मनीषियों के अनुसंधान और निष्कर्ष की पराकाष्ठा है कि इस आकलन से पंचांग में सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण की जो तिथि, समय और दिन का विवरण दिया जाता है, आधुनिक विज्ञान की प्रयोग शालाएं भी सूर्यग्रहण और चन्द्रग्रहण का वही समय और दिन घोषित करती हैं। कोई कल्पना कर सकता है उस फार्मूले या सूत्र की जिसकी गणना करके ग्रहण की तिथि और समय का पता चलता है।

यह भारतीय काल गणना की विशेषता है कि समय की गति का यह आकलन पंचांग में तो होता ही है, प्रकाश की गति और दिशा का अध्ययन पत्थरों पर भी उकेर दिया गया। सैकड़ों साल पहले पत्थरों पर उकेरी गयी इस विधा के अवशेष जयपुर, उज्जैन और दिल्ली जैसे नगरों में मिल जाते हैं। दिल्ली का जंतर-मंतर या उज्जैन की वेधशाला काल गणना का पंचांग ही तो है।

यदि यह कहा जाये कि यूरोप का कैलेण्डर भारतीय काल गणना के निष्कर्ष से तैयार हुआ तो संभवतः सत्य ही होगा। इसका कारण यूरोपीय कैलेण्डर में अनेक परिवर्तन होना है। यूरोपीय कैलेण्डर पहले दस माह का होता था। उसमें दिनों की संख्या भी अलग थी। यूरोप का वर्तमान ग्रेगोरियन कैलेण्डर सोलहवीं शताब्दी में तैयार हुआ है। इन दिनों तक यूरोपीय जनों का भारत आना-जाना आरंभ हो गया था। कैलेण्डर में सुधार किये और ईसा के जीवनकाल के समय का आकलन करके पूर्व समय से लागू किया गया। इसके अतिरिक्त ग्रेगोरियन कैलेण्डर में उपयोग किये जाने वाले शब्दों को देखें तो आश्चर्यजनक रूप से भारतीय पंचांग के नामों से मेल खाते हैं। 'कैलेण्डर' शब्द भी 'कालगणना' से तोड़कर बनाया गया लगता है। कैलेण्डर शब्द में 'क' 'ल' 'ण्' उच्चारण में 'क' 'के' हो गया। दूसरा शब्द पंचांग का 'होरा' है। जिस चौबीस घंटे की अवधि में पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। उसे 'अहोरात्र' कहते हैं। इसके अंतर्गत एक घंटे की समय अवधि को होरा कहते हैं। इस होरा शब्द से ही ऑवर्स शब्द बना लगता है। जो एक घंटे के लिए प्रयुक्त होता है। यदि ऑवर शब्द की स्पेलिंग लिखें और होरा शब्द को रोमन में लिखकर उससे मिलायें तो यह बात आसानी से समझ आ सकती है।

अब नवसंवत्सर के आरंभ की तिथि गुड़ी पड़वा और इसके साथ आरंभ होने वाले नवरात्र की दिनचर्या देखें। भारतीय परंपरा में तीज त्योहार के उत्सव और मनोरंजन के लिये नहीं होते, अपितु ये परंपराएं जीवन को उन्नत करने के लिये निर्धारित की गई हैं। गुड़ी पड़वा पर सूर्योदय के पूर्व उठना, सूर्योदय तक बहते हुए पानी में स्नान करना और उषाकाल में उदित होते सूर्य को नमस्कार करना तथा नीम की गोली खाकर दिन की शुरुआत होती है। नीम एन्टी बायोटिक होता है। यह पूरी प्रक्रिया इम्युनिटी बढ़ाती है। जो रोग से लड़ने में सहायक होती है। भारत में रोगों का उपचार तो होता ही है साथ ही ऐसी दिनचर्या पर जोर दिया जाता है कि बीमारी आये ही नहीं। इसलिए इसके लिये 'आरोग्य' शब्द का उपयोग होता है।

अतएव यह प्रत्येक भारतीय का संकल्प होना चाहिए कि हम अपनी गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप अपना जीवन वृत्त बनायें। यह मार्ग स्वयं को सक्षम बनाने का है और यही समय विश्व में भारत की साख बनाने का। यदि यह संकल्प नवसंवत्सर के दिन लेते हैं तो इससे जीवन तो सार्थक होगा ही। साथ ही भारत पुनः उस गौरव को प्राप्त कर सकेगा जो इतिहास में कभी रहा है।

रमेश शर्मा

(लेखक- वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

आदर्श आचार संहिता के संबंध में पूछे जाने वाले प्रश्न

भारत निर्वाचन आयोग ने देश में लोकसभा चुनाव और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव आयोजित करने की घोषणा की है, इस घोषणा के साथ देशभर में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। केन्द्र और राज्यों की सरकारों, राजनीतिक दलों, चुनाव प्रत्याशियों, सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को आदर्श आचार संहिता का पालन करना अनिवार्य है, ऐसे में लोगों के मन में जिज्ञासा रहती है कि आदर्श आचार संहिता क्या है, इसके प्रावधान क्या हैं और इसका पलान कैसे किया जाए। भारत निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता के परिपालन के संबंध में कुछ एफ.ए.क्यू (अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) जारी किए हैं, जिसके संपादित अंश ''रोज़गार और निर्माण'' में प्रकाशित किए जा रहे हैं। पिछले अंक में पूछे गए प्रश्नों से निरंतर ...

प्रश्न - क्या कोई मंत्री या कोई अन्य अधिकारी किसी भी रूप में किसी भी वित्तीय अनुदान की घोषणा कर सकता है या परियोजनाओं या किसी भी प्रकार की योजनाओं का शिलान्यास आदि कर सकता है?

उत्तर: नहीं मंत्री और अन्य अधिकारी किसी भी रूप में किसी भी वित्तीय अनुदान की घोषणा नहीं करेंगे या उसके वादे नहीं करेंगे; अथवा (सिविल सेवकों को छोड़कर) किसी भी प्रकार की परियोजनाओं अथवा योजनाओं की आधारशिला नहीं रखेंगे; अथवा सड़कों के निर्माण, पेयजल सुविधाओं के प्रावधान आदि या सरकार, जनकल्याणकारी योजनाओं आदि में कोई तदर्थ नियुक्ति करने का कोई वादा नहीं करेंगे। ऐसे मामले में, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी बिना किसी राजनीतिक व्यक्ति को शामिल किए, आधारशिला आदि रख सकते हैं।

प्रश्न - किसी विशेष योजना के लिए एक बजट का प्रावधान किया गया है या योजना को पहले मंजूरी दी गई है। क्या ऐसी योजना की घोषणा की जा सकती है या इसका उद्घाटन किया जा सकता है?

उत्तर: नहीं, ऐसी योजना का उद्घाटन/घोषणा निर्वाचन अवधि के दौरान निषिद्ध है।

प्रश्न - क्या चल रही लाभार्थी योजना को जारी रखा जा सकता है?

उत्तर: आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सरकारी एजेंसियों द्वारा निर्वाचन आयोग को संदर्भित किए बिना निम्नलिखित प्रकार के विद्यमान कार्य जारी रखे जा सकते हैं:

(क) ऐसी कार्य-परियोजनाएं जो सभी आवश्यक स्वीकृतियां लेकर वास्तव में शुरू हो गई हैं;

(ख) ऐसी लाभार्थी-परियोजनाएं, जो आदर्श आचार संहिता के लागू होने से पहले, विशिष्ट लाभार्थियों की नाम से पहचान कर ली गई है;

(ग) मनरेगा के पंजीकृत लाभार्थियों को मौजूदा परियोजनाओं में शामिल किया जा सकता है। मनरेगा के तहत नई परियोजनाएं जो अधिनियम के प्रावधानों के तहत अनिवार्य हो सकती हैं, केवल तभी प्रारंभ की जा सकती हैं जब ये पहले से पंजीकृत लाभार्थियों के लिए हों और परियोजना पहले से ही अनुमोदित और स्वीकृत सूचीबद्ध हो, जिसके लिए धन भी पहले से ही निर्धारित किया जा चुका हो।

आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले, निम्नलिखित सभी नए कार्य (चाहे लाभार्थी हो या कार्य उन्मुख), निम्नलिखित सभी शर्तों को पूरा करते हों, आयोग को सूचना देते हुए कार्यान्वित किये जा सकते हैं-

(क) पूरी धनराशि आवंटित हो गई हो

(ख) प्रशासनिक, तकनीकी और वित्तीय अनुमोदन प्राप्त कर लिए गए हों

(ग) निविदा मंगाई गई है, मूल्यांकन और स्वीकरण हो चुका हो।

(घ) किसी निश्चित समय सीमा के भीतर काम शुरू करने और समाप्त करने के लिए संविदात्मक दायित्व तय हो चुका हो और यह काम पूरा होने में विफल रहने पर ठेकेदार पर जुर्माना लगाने का दायित्व है।

(ङ) और इस तरह के मामलों में उपरोक्त शर्तों में से कोई भी पूरी नहीं होने की स्थिति में, आयोग की पूर्व स्वीकृति मांगी जाएगी और प्राप्त की जाएगी।

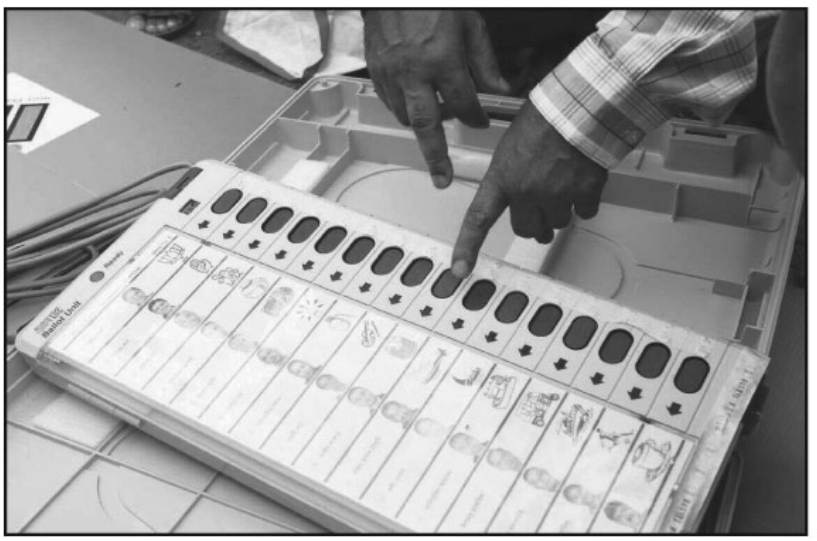

प्रश्न - क्या संपन्न हो चुके कार्य के लिए भुगतान करने पर कोई प्रतिबन्ध है?

उत्तर: आचार संहिता के दौरान सम्बंधित अधिकारियों की पूरी संतुष्टि के शर्त पर संपन्न हो चुके कार्य का भुगतान करने पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

प्रश्न - जब कल्याणकारी उपायों की घोषणा करने के लिए प्रतिबंध हो तो सरकार कैसे आपातकालीन स्थितियों या अप्रत्याशित आपदाओं को पूरा कर सकती है?

उत्तर: आपात स्थिति या अप्रत्याशित आपदाओं से निपटने के लिए, जैसे सूखा, बाढ़, महामारी, अन्य प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित लोगों को राहत प्रदान करना, या वृद्धों एवं दुर्बल वर्ग के लिए कल्याणकारी उपाय आदि, निर्वाचन आयोग से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद सरकार ऐसा कर सकती है। इस दौरान सभी दिखावे के कार्यों तथा प्रदर्शनों से बचा जाना चाहिए। ऐसी कोई धारणा सृजित नहीं की जाएगी या बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी कि इस तरह के कल्याणकारी उपाय या राहत और पुनर्वास कार्य, किसी भी उद्देश्य के साथ पदासीन सरकार द्वारा किए जा रहे हैं।

प्रश्न - क्या सरकारों द्वारा आंशिक या पूर्ण रूप से वित्तपोषित, वित्तीय संस्थान किसी भी व्यक्ति, कंपनी, फर्म इत्यादि के लिए अग्रिम ऋण को बट्टे-खाते में डाल सकते हैं?

उत्तर: नहीं, आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से सरकारों द्वारा वित्त पोषित वित्तीय संस्थान, किसी व्यक्ति, कंपनी या फर्म इत्यादि के पक्ष में प्रदान किए गए ऋण अग्रिम को बट्टे-खाते में नहीं डालेंगे। इसके अलावा, ऐसे संस्थानों की वित्तीय सीमा को उन्हें ऋण प्रदान करते या बढ़ाते समय, लाभार्थियों को ऋण जारी करके बढ़ाया नहीं जाना चाहिए।

प्रश्न - क्या शराब के मामले, तेंदू पत्ते और ऐसे अन्य मामलों से संबंधित निविदाओं, नीलामी आदि पर कार्रवाई की जा सकती है?

उत्तर: नहीं ऐसे मामलों की प्रक्रिया को संबंधित क्षेत्रों और सरकार में निर्वाचन प्रक्रिया के पूरा होने तक स्थगित किया जाना चाहिए। जहां अपरिहार्य रूप से ऐसा करना आवश्यक है, वहां अंतरिम व्यवस्था कर सकते हैं।

प्रश्न - क्या राजस्व संग्रह की समीक्षा करने और वार्षिक बजट का मसौदा तैयार करने आदि के लिए नगर निगम, नगर पंचायत, नगर क्षेत्र समिति आदि की बैठक बुलाई जा सकती है?

उत्तर: हाँ, बशर्ते कि इस तरह की बैठकों में केवल दिन-प्रतिदिन के प्रशासन से संबंधित नियमित प्रकृति के मामलों को उठाया जाए, न कि इसकी नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित मामलों को।

प्रश्न - क्या राजनीतिक पदाधिकारी "सद्भावना दिवस" समारोह में भाग ले सकते हैं जो पूरे देश में मनाया जाता है?

उत्तर: केंद्रीय मंत्री/मुख्यमंत्री/राज्यों में मंत्री और अन्य राजनीतिक पदाधिकारी "सद्भावना दिवस" के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले समारोह में इस शर्त के साथ भाग ले सकते हैं कि उनके भाषणों का "विषय" केवल लोगों के बीच सौहार्द को बढ़ावा देने तक ही सीमित रहना चाहिए, और कोई राजनीतिक भाषण नहीं दिया जाना चाहिए। किसी मंत्री के नाम पर जारी किया जाने वाला संदेश, यदि कोई हो, तो इसे केवल राष्ट्रीय एकीकरण के विषय तक ही सीमित होना चाहिए और इसमें संबंधित मंत्री की कोई तस्वीर नहीं होनी चाहिए।

प्रश्न - क्या शहीदों की शहादत मनाने के लिए राज्य स्तर पर समारोह का आयोजन किया जा सकता है जिसकी अध्यक्षता/मुख्यमंत्री/मंत्री कर सकते हैं?

उत्तर: हाँ, बशर्ते कि मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के भाषण शहीदों की शहादत और उनकी प्रशंसा करने तक सीमित रहें। सत्तारूढ़ दल अथवा सरकार की उपलब्धियों के बारे में कोई राजनीतिक भाषण या उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए।

प्रश्न - क्या स्वतंत्रता दिवस/गणतंत्र दिवस समारोह के संबंध में सांस्कृतिक समारोह आयोजित किए जा सकते हैं और क्या राजनीतिक पदाधिकारी इसमें शामिल हो सकते हैं?

उत्तर: हां, राज्यों में केंद्रीय मंत्री/मुख्यमंत्री/मंत्री और अन्य राजनीतिक पदाधिकारी कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। हालांकि, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सत्तारूढ़ दल की उपलब्धियों को उजागर करने वाला कोई राजनीतिक भाषण नहीं दिया जाए।

प्रश्न - क्या सरकारी स्वामित्व वाली बसों के टिकट के पीछे सरकारी विज्ञापन मुद्रित किए जा सकते हैं?

उत्तर: नहीं, निर्वाचन अवधि के दौरान टिकट के पीछे सरकारी विज्ञापन मुद्रित नहीं किए जाएं।

प्रश्न - क्या गेहूं और अन्य कृषि उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया जा सकता है?

उत्तर: निर्वाचन आयोग को इस मामले में संदर्भ दिया जाएगा।

प्रश्न - क्या राज्य सरकार निर्वाचन आयोग से सीधे किसी प्रस्ताव के संबंध में स्पष्टीकरण, मंजूरी, अनुमोदन प्राप्त कर सकती है?

उत्तर: नहीं, निर्वाचन आयोग से राज्य सरकार का कोई भी प्रस्ताव स्पष्टीकरण/मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त करने के लिए केवल मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से किया जाना चाहिए, जो इस मामले में अपनी सिफारिश कर सकता है और नहीं भी कर सकता है।

निर्वाचन चुनाव अभियान

प्रश्न - निर्वाचन प्रचार करते समय राजनीतिक दलों/अभ्यर्थियों के लिए मुख्य दिशानिर्देश क्या हैं?

उत्तर: निर्वाचन प्रचार के दौरान, कोई भी दल या अभ्यर्थी ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो मौजूदा मतभेदों को बढ़ा सकती है, या आपसी घृणा पैदा कर सकती है, या विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच धार्मिक या भाषाई तनाव पैदा कर सकती है। इसके अलावा, जब अन्य राजनैतिक दलों की आलोचना की जाये, तो वह उनकी नीतियों और कार्यक्रम, पूर्व रिकार्ड और कार्य तक ही सीमित होनी चाहिये। यह भी आवश्यक है कि व्यक्तिगत जीवन के ऐसे सभी पहलुओं की आलोचना नहीं की जानी चाहिये, जिनका संबंध अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के सार्वजनिक क्रियाकलाप से न हो। अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं के बारे में कोई ऐसी आलोचना नहीं की जानी चाहिये, जो ऐसे आरोपों पर जिनकी सत्यता स्थापित न हुई हो या जो तोड़-मरोड़कर कही गई बातों पर आधारित हों।

प्रश्न - क्या निर्वाचन प्रचार के लिए धार्मिक स्थानों का उपयोग करने पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा या अन्य पूजा के स्थानों जैसे धार्मिक स्थानों को निर्वाचन प्रचार के लिए मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, वोट हासिल करने के लिए जातिगत या सांप्रदायिक भावनाओं संबंधी कोई

अपील नहीं की जाएगी।

प्रश्न - क्या कोई अभ्यर्थी जुलूस के साथ नामांकन दाखिल करने के लिए रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय जा सकता है?

उत्तर: नहीं, रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय के 100 मीटर की परिधि में आने वाले वाहनों की अधिकतम संख्या 3 तक सीमित कर दी गई है, और रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में प्रवेश करने की अनुमति देने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 5 तक सीमित कर दी गई है (अभ्यर्थी सहित)।

प्रश्न - रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नामांकन की जांच करते समय कितने व्यक्तियों को अनुमति दी जाती है?

उत्तर: अभ्यर्थी, उसका निर्वाचन अभिकर्ता, एक प्रस्तावक और एक अन्य व्यक्ति (जो एक वकील हो सकता है) अभ्यर्थी द्वारा लिखित रूप में अधिकृत है, लेकिन कोई अन्य व्यक्ति, रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नामांकन की जांच के लिए निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं हो सकते हैं।

प्रश्न - क्या राजनीतिक पदाधिकारियों/मंत्रियों/अभ्यर्थियों द्वारा वाहनों के उपयोग के संबंध में कोई दिशा निर्देश हैं, जिन्हें राज्य द्वारा सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है?

उत्तर: हां, सुरक्षा प्रदान किए गए व्यक्तियों के संबंध में, विशेष व्यक्ति के लिए राज्य के स्वामित्व वाले एक बुलेट प्रूफ वाहन का उपयोग करने की अनुमति उन सभी मामलों में दी जाएगी, जहां खुफिया अधिकारियों सहित सुरक्षा एजेंसियों द्वारा इस तरह के उपयोग के लिए निर्धारित किया है। जब तक विशेष रूप से सुरक्षा अधिकारियों द्वारा ऐसा निर्धारित नहीं किया गया हो, तब तक स्टैंड-बाय के नाम पर कई कारों के उपयोग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे बुलेट प्रूफ वाहनों के उपयोग की लागत, जहां बुलेट प्रूफ वाहनों का उपयोग निर्दिष्ट किया गया है, उस विशेष व्यक्ति द्वारा वहन किया जाएगा। पायलट, एस्कॉर्ट्स सहित काफिले के साथ वाहनों की संख्या सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार ही होगी, और किसी भी परिस्थिति में उनसे अधिक नहीं होगी। ऐसे सभी वाहनों के उपयोग की लागत, चाहे वे सरकारी हों या किराए के वाहन, राज्य सरकार द्वारा इनका व्यय वहन किया जाएगा। हालांकि प्रधानमंत्री पर यह प्रतिबंध लागू नहीं क्योंकि उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं को सरकार की ब्लू बुक द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

प्रश्न - क्या निर्वाचन कार्य के उद्देश्य से वाहनों को चलाने के लिए कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: निर्वाचन प्रचार के उद्देश्य से अभ्यर्थी किसी भी संख्या में वाहनों (दो-पहिया वाहनों सहित सभी मशीनीकृत/मोटर चालित वाहन) का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन उन्हें ऐसे वाहनों को चलाने के लिए रिटर्निंग अधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी, और रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी किए गए परमिट को मूल में (फोटो कॉपी नहीं) वाहन के विंडस्क्रीन पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। परमिट में वाहन की संख्या और अभ्यर्थी के नाम को उल्लिखित करना होगा, जिसके पक्ष में यह जारी किया गया है।

प्रश्न - क्या एक वाहन जिसके लिए एक अभ्यर्थी के नाम पर निर्वाचन प्रचार के लिए अनुमति ली गई है, क्या किसी अन्य अभ्यर्थी द्वारा निर्वाचन प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है?

उत्तर: नहीं, किसी अन्य अभ्यर्थी द्वारा निर्वाचन अभियान के लिए इस तरह के वाहन का उपयोग करने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 171 एच के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्रश्न - क्या किसी वाहन का उपयोग जिला निर्वाचन अधिकारी/रिटर्निंग अधिकारी से अनुमति प्राप्त किए बिना निर्वाचन कार्य के उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है?

उत्तर: नहीं, इस तरह के वाहन को अभ्यर्थी द्वारा प्रचार करने के लिए अनधिकृत माना जाएगा और भारतीय दंड संहिता के अध्याय-IX क के अनुसार यह दंडात्मक प्रावधानों को आकृष्ट कर सकता है और इसलिए

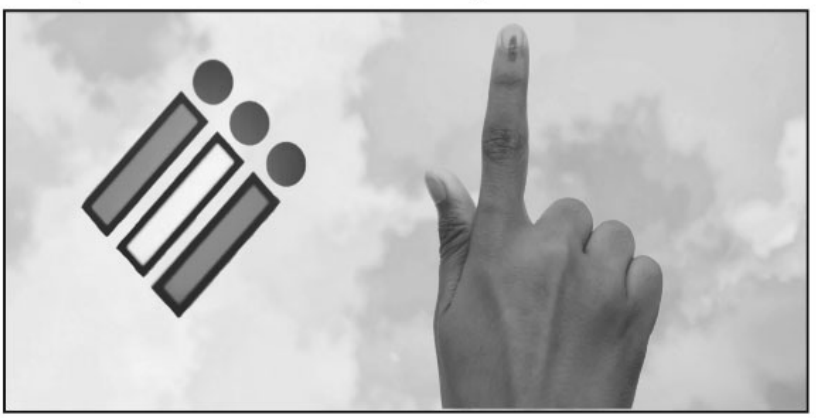

इसे तुरंत प्रचार से बाहर रखा जाएगा और आगे के प्रचार के लिए इसका उपयोग नहीं किया जाएगा।

प्रश्न - क्या राजनीतिक अभियानों और रैलियों के लिए शिक्षण संस्थानों और उनके मैदानों (चाहे सरकारी सहायता प्राप्त, निजी या सरकारी) के उपयोग पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: आयोग ने स्कूल और कॉलेज के मैदान को (पंजाब और हरियाणा के राज्यों को छोड़कर जहां पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय से प्रतिबंध निषेध है) राजनीतिक उपयोग के लिए अनुमति निम्न शर्तों के साथ दी जाएगी।

- स्कूल और कॉलेज की शैक्षणिक कार्यानुसूची किसी भी परिस्थिति में बाधित न हो।
- स्कूल/कॉलेज प्रबंधन को इस उद्देश्य के लिए कोई आपत्ति नहीं है और इस तरह के अभियान के लिए स्कूल/कॉलेज प्रबंधन के साथ-साथ उप मंडल अधिकारी से भी पूर्व अनुमति प्राप्त की जाती है।
- इस तरह की अनुमति पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाती है और किसी भी राजनीतिक दल को उन मैदानों के इस्तेमाल पर एकाधिकार करने की अनुमति नहीं है।
- इस तरह के किसी भी परिसर/मैदान के उपयोग को प्रतिबंधित करने का न्यायालय का कोई भी आदेश/निर्देश नहीं है।
- आयोग द्वारा राजनीतिक बैठकों के लिए स्कूल/कॉलेज के मैदान के आवंटन में किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से देखा जाएगा। इस संबंध में जवाबदेही उप-मंडल अधिकारी के पास है, और
- राजनीतिक दल और अभ्यर्थी और प्रचारक यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखेंगे कि उपरोक्त मानदंडों का उल्लंघन न हो।
- इस तरह के मैदानों/स्थानों का उपयोग प्रचार के उद्देश्य के लिए किया जाता है, तो इसे बिना किसी क्षति के या क्षति के लिए अपेक्षित क्षतिपूर्ति के साथ, यदि कोई हो, संबंधित प्राधिकरण को वापस किया जाना चाहिए। राजनीतिक दल संबंधित स्कूल/कॉलेज प्राधिकरण को प्रचार का मैदान वापस देते समय, इसके उपयोग के लिए ऐसे किसी मुआवजे यदि कोई हो, के भुगतान के लिए भी जिम्मेदार होंगे।

प्रश्न - क्या अभियान के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों में बाहरी फिटिंग/संशोधन की अनुमति है?

उत्तर: लाउडस्पीकर की फिटिंग सहित वाहनों का बाहरी तौर पर रूप-परिवर्तन मोटर वाहन अधिनियम/नियमों के प्रावधानों और वहाँ प्रचलित किसी अन्य स्थानीय अधिनियम/नियम के अधीन होगा। संशोधन किए गए और विशेष अभियान वाले वाहन, जैसे वीडियो रथ आदि का उपयोग मोटर वाहन अधिनियम के तहत सक्षम अधिकारियों से अपेक्षित अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही किया जा सकता है।

प्रश्न - क्या रेस्ट हाउस, डाक बंगले या अन्य सरकारी आवास का चुनाव कार्यालय के रूप में उपयोग पर कोई प्रतिबंध है या निर्वाचन प्रचार के उद्देश्य से कोई सार्वजनिक बैठक आयोजित करना?

उत्तर: हां, विश्रामगृह, डाक बंगले या अन्य सरकारी आवासों को सत्तारूढ़ दल या इसके अभ्यर्थियों द्वारा एकाधिकार नहीं किया जाएगा, और ऐसे आवास को अन्य दलों और अभ्यर्थियों द्वारा उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन किसी भी दल या अभ्यर्थी को इसे प्रचार कार्यालय के रूप में उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इसके अलावा, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि -

(i) कोई भी अधिकारी सर्किट हाउस, डाक बंगले का उपयोग प्रचार कार्यालय स्थापित करने के लिए नहीं कर सकता है क्योंकि सर्किट हाउस/डाक बंगले केवल ऐसे पदाधिकारियों के पारगमन के दौरान अस्थायी ठहराव (बोर्डिंग और ठहरने) के लिए हैं,

(ii) सरकारी स्वामित्व वाले अतिथि गृह आदि के परिसर के अंदर राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा आकस्मिक बैठक की अनुमति नहीं है, और इसके किसी भी उल्लंघन को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा,

(iii) केवल उस व्यक्ति के वाहन को, जिसे अतिथि गृह में आवास आवंटित किया गया है, और जो दो अन्य वाहनों से अधिक नहीं है, यदि उस व्यक्ति द्वारा इनका उपयोग किया जाता है, तो उन्हें अतिथि गृह के परिसर के अंदर अनुमति दी जाएगी।

(iv) किसी भी एक व्यक्ति को 48 घंटे से अधिक कमरे उपलब्ध नहीं होने चाहिए।

(v) किसी विशेष क्षेत्र में मतदान के आरंभ होने से 48 घंटे पहले तथा मतदान अथवा फिर से मतदान पूरा होने तक, ऐसे आवंटन पर रोक रहेगी।

प्रश्न - क्या राजनीतिक दलों/अभ्यर्थियों द्वारा सरकारी विमान/हेलीकॉप्टर (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित) प्राप्त करने के लिए कोई शर्तें हैं?

उत्तर: हां, राजनीतिक दलों/अभ्यर्थियों अथवा निजी कंपनियों आदि को सरकारी विमानों/हेलीकॉप्टरों के चार्टर की अनुमति देते समय, निम्नलिखित शर्तों का पालन किया जाना चाहिए:-

(i) एक ओर सत्ताधारी दल और दूसरे अन्य दल और दूसरी ओर निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों के बीच कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

(ii) राजनीतिक दलों या निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा भुगतान किया जाएगा और उचित रिकॉर्ड रखा जाएगा।

(iii) दरें और नियम और शर्तें सभी के लिए समान होनी चाहिए।

(iv) वास्तविक आवंटन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाना चाहिए। इस प्रयोजन के लिए, आवेदन की प्राप्ति की तारीख और समय को अधिकृत प्राधिकारी द्वारा नीचे नोट किया जाना चाहिए।

(v) असाधारण स्थिति में जब दो या दो से अधिक आवेदकों की तारीख और समय समान होता है, तो आवंटन ड्रा द्वारा तय किया जाएगा। किसी भी व्यक्ति, फर्म, दल या अभ्यर्थी को एक बार में तीन दिनों से अधिक समय तक विमान/हेलीकॉप्टर को किराए पर लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रश्न - क्या संबंधित दल या अभ्यर्थी के पोस्टर, प्लेकार्ड, बैनर, ध्वज आदि को किसी सार्वजनिक संपत्ति पर प्रदर्शित करने पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: सार्वजनिक संपत्ति पर अभ्यर्थी अपने संबंधित दल के पोस्टर, प्लेकार्ड, बैनर, ध्वज आदि प्रदर्शित कर सकते हैं जो स्थानीय कानून के प्रावधान और वहाँ लागू निषेधात्मक आदेश के अधीन हो सकते हैं।

प्रश्न - यदि स्थानीय कानून/उप-नियम, दीवार लेखन और पोस्टर चिपकाने, निजी परिसरों/संपत्तियों पर होर्डिंग्स, बैनर आदि लगाने की अनुमति देते हैं, क्या परिसर/संपत्ति के मालिक से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है?

उत्तर: हाँ, अभ्यर्थी को संपत्ति/परिसर के स्वामी से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता होती है और इस तरह की अनुमति की फोटोकॉपी (यां) 3 दिनों के भीतर रिटर्निंग ऑफिसर या उसके द्वारा निर्दिष्ट अधिकारी को प्रस्तुत की जानी चाहिए।

प्रश्न - क्या जुलूस के दौरान वाहन पर संबंधित दल या अभ्यर्थी के पोस्टर/प्लेकार्ड/बैनर/ध्वज को प्रदर्शित करने/ले जाने पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: जुलूस के दौरान किसी वाहन पर किसी दल या अभ्यर्थी द्वारा झंडों/बैनरों की अधिकतम अनुमन्य संख्या और आकार इस प्रकार है-

- दुपहिया वाहन अधिकतम आकार का एक ध्वज 1 X 1/2 फीट। किसी भी बैनर की अनुमति नहीं है। उपयुक्त आकार के एक या दो स्टिकर की अनुमति है। तीन पहिया, चार पहिया वाहन, ई-रिक्शा किसी भी बैनर की अनुमति नहीं है। केवल अधिकतम (3X2 फीट) आकार का एक ध्वज। उपयुक्त आकार के एक या दो स्टिकर की अनुमति है।
- यदि किसी राजनीतिक दल के पास किसी अन्य दल के साथ निर्वाचन पूर्व गठबंधन/सीट बंटवारे की व्यवस्था है, तो अभ्यर्थी/राजनीतिक दल का वाहन ऐसे दलों में से प्रत्येक का एक-एक झण्डा प्रदर्शित कर सकता है।

प्रश्न - निर्वाचन प्रचार के दौरान पोस्टर/बैनर के लिए प्लास्टिक शीट के उपयोग पर कोई प्रतिबंध है या नहीं?

उत्तर: पर्यावरण संरक्षण के हित में राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों को पोस्टर, बैनर आदि तैयार करने के लिए प्लास्टिक/पॉलिथीन के उपयोग से बचना चाहिए।

प्रश्न - क्या पर्चे, पोस्टर आदि की छपाई पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, अभ्यर्थी किसी ऐसे निर्वाचन पैम्फलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण अथवा प्रकाशन नहीं कर सकता

अथवा उसके मुद्रण अथवा प्रकाशन का कारण नहीं बन सकता, जिस पर उसका चेहरा, नाम अथवा पते मुद्रित अथवा प्रकाशित नहीं होते हों।

प्रश्न - क्या निर्वाचन प्रचार के दौरान अभ्यर्थी को विशेष सहायक सामग्री जैसे टोपी, मास्क, स्कार्फ आदि पहनने की अनुमति है?

उत्तर: हां, बशर्ते कि वे संबंधित अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय के हिसाब में हो। हालांकि, दल/अभ्यर्थी द्वारा साड़ी, शर्ट इत्यादि जैसे मुख्य परिधानों की आपूर्ति और वितरण की अनुमति नहीं है क्योंकि यह मतदाताओं को रिश्वत देने में जोड़ा जा सकता है।

प्रश्न - क्या सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या इसी तरह के अन्य उपकरणों के माध्यम से जनता को किसी भी निर्वाचन सामग्री को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, अभ्यर्थी निर्वाचन के समापन के लिए तय किए गए घंटे के साथ समाप्त होने के 48 घंटे की अवधि के दौरान, सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य इसी तरह के उपकरण के माध्यम से जनता को किसी भी निर्वाचन मामले अथवा प्रचार को प्रदर्शित नहीं कर सकते हैं।

प्रश्न - क्या मुद्रित "स्टेपनी कवर" या इसी प्रकार की अन्य सामग्री जिसमें दल/अभ्यर्थी का प्रतीक हो या इसका चित्रण किए बिना इसका वितरण, उल्लंघन है?

उत्तर: हाँ, ऐसे मामलों के होने पर जहां ऐसी सामग्री वितरित की गई है, जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्र के मजिस्ट्रेट के समक्ष आईपीसी की धारा 171-ख के तहत उक्त सामग्री के वितरण के विरुद्ध एक शिकायत दर्ज की जा सकती है।

प्रश्न - क्या दल या अभ्यर्थी द्वारा अस्थायी कार्यालयों की स्थापना और संचालन के लिए शर्तें/दिशानिर्देश हैं?

उत्तर: हां, ऐसे कार्यालय किसी भी अतिक्रमण के माध्यम से सार्वजनिक या निजी संपत्ति/किसी भी धार्मिक स्थानों पर, अथवा ऐसे धार्मिक स्थानों के परिसर किसी भी शैक्षणिक संस्थान/अस्पताल के समीप और किसी मौजूदा मतदान केंद्र के 200 मीटर के भीतर नहीं खोले जा सकते हैं। इसके अलावा, ऐसे कार्यालय दल का केवल एक झण्डा और बैनर को दल चिन्ह/तस्वीरों के साथ प्रदर्शित कर सकते हैं, और ऐसे कार्यालयों में उपयोग किए जाने वाले बैनर का आकार 4 फीट X 8 फीट से अधिक नहीं होना चाहिए, और यह स्थानीय कानूनों के अधीन होगा, जो यदि किसी ऐसे बैनर/होर्डिंग आदि के लिए निम्न आकार को निर्दिष्ट करते हैं तो फिर स्थानीय कानून द्वारा निर्धारित आकार का पालन किया जाएगा।

प्रश्न - क्या अभियान अवधि समाप्त होने के बाद राजनीतिक पदाधिकारियों की किसी निर्वाचन क्षेत्र में उपस्थिति पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, प्रचार की अवधि (मतदान बंद होने से पहले 48 घंटे) समाप्त होने के बाद, राजनीतिक पदाधिकारी आदि, जो निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से आए हैं और जो निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद नहीं रहना चाहिए। ऐसे पदाधिकारी को प्रचार अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्र को छोड़ देना चाहिए। यह अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता के मामले में लागू नहीं होगा, भले ही वे निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता न हों।

प्रश्न - क्या जनसभा आयोजित करने या जुलूस निकालने पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, किसी भी सार्वजनिक या निजी स्थान पर बैठक आयोजित करने और जुलूस निकालने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों से पूर्व लिखित अनुमति लेनी चाहिए।

प्रश्न - क्या पुलिस अधिकारियों से अनुमति प्राप्त किए बिना लाउडस्पीकरों का उपयोग सार्वजनिक बैठकों के लिए या जुलूसों के लिए या सामान्य प्रचार के लिए किया जा सकता है?

उत्तर: नहीं, लाउडस्पीकर का उपयोग करने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों से पूर्व लिखित अनुमति लेनी चाहिए।

प्रश्न - क्या लाउडस्पीकर का उपयोग करने के लिए कोई समय सीमा है?

उत्तर: हां, रात 10.00 बजे से सुबह 6.00 के बीच लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं किया जा सकता है।

प्रश्न - वह कौन सी समय-सीमा है जिसके बाद कोई जनसभा और जुलूस नहीं निकाला जा सकता है?

उत्तर: सार्वजनिक सभाएं सुबह 6.00 बजे से पहले और शाम 10 बजे के बाद आयोजित नहीं की जा सकती हैं। इसके अलावा, अभ्यर्थी मतदान के समापन के लिए निर्धारित घंटे के साथ 48 घंटे की अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाएं और जुलूस नहीं निकाल सकते हैं।

प्रश्न - क्या मतदाताओं को अनौपचारिक पहचान पर्ची जारी करने के लिए राजनीतिक दलों/अभ्यर्थियों के लिए कोई दिशानिर्देश हैं?

उत्तर: हां, सफेद कागज पर अनौपचारिक पहचान पर्ची में केवल मतदाता का नाम, मतदाता की क्रम संख्या, मतदाता सूची में भाग संख्या, मतदान केंद्र संख्या एवं नाम, और मतदान की तिथि शामिल होगी। इसमें अभ्यर्थी का नाम, उसकी तस्वीर और निर्वाचन चिह्न नहीं होना चाहिए।

प्रश्न - क्या कोई मंत्री/सांसद/विधायक/एमएलसी या कोई अन्य व्यक्ति जो सुरक्षा घेरे में है, की नियुक्ति निर्वाचन अभिकर्ता/पोलिंग अभिकर्ता मतगणना अभिकर्ता के रूप में करने पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, कोई अभ्यर्थी किसी मंत्री/सांसद/विधायक/एमएलसी या कोई अन्य व्यक्ति, जो सुरक्षा कवर के तहत है, को निर्वाचन/मतदान अभिकर्ता/मतगणना अभिकर्ता के रूप में नियुक्त नहीं कर सकता है, क्योंकि उसकी व्यक्तिगत सुरक्षा को इस तरह की नियुक्ति से खतरा होगा, और उसके सुरक्षाकर्मी को किसी भी परिस्थिति में मतदान केंद्रों के 100 मीटर परिधि में मतदान केंद्र और मतगणना केंद्र के परिसर के भीतर और मतगणना केंद्र के भीतर जाने की अनुमति नहीं है, जिसे "मतदान केंद्र" के रूप में वर्णित किया गया है। सुरक्षा कवर प्राप्त ऐसे किसी भी व्यक्ति को ऐसे अभ्यर्थी के अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए अपने सुरक्षा कवर को आत्मसमर्पण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रश्न - आर.पी. अधिनियम, 1951 की धारा 77 (1) के तहत लाभ उठाने वाले राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारकों (नेताओं) को परमिट जारी करने का अधिकार किसे है?

उत्तर: यदि सड़क परिवहन का उपयोग राजनीतिक स्टार प्रचारकों (नेताओं) द्वारा किया जाना है, तो इसके लिए परमिट मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा केंद्रीय रूप से जारी किया जाएगा। यदि दल ऐसे वाहन के लिए परमिट जारी करने के लिए आवेदन करता है जो किसी नेता द्वारा पूरे राज्य में निर्वाचन प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जाना है, तो मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा ऐसे वाहन के लिए अनुमति केंद्रीय रूप से जारी की जा सकती है, जिसे इस तरह के वाहन के विंडस्क्रीन पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। जिसे संबंधित नेता द्वारा उपयोग किया जाना है। यदि अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे दल नेताओं द्वारा विभिन्न वाहनों का उपयोग किया जाना है, तो संबंधित व्यक्ति के नाम के सापेक्ष परमिट जारी किया जा सकता है, जो नेता द्वारा उपयोग किए जा रहे वाहन की विंडस्क्रीन पर इसे प्रमुखता से प्रदर्शित करेगा।

प्रश्न - क्या ओपिनियन पोल या एक्जिट पोल किसी भी समय आयोजित, प्रकाशित, प्रचारित या प्रसारित किए जा सकते हैं?

उत्तर: नहीं, किसी भी तरह से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, या किसी अन्य मीडिया द्वारा किसी भी जनमत सर्वेक्षण या एक्जिट पोल के परिणाम को प्रकाशित, प्रचारित या प्रसारित नहीं किया जाएगा, जो निम्नलिखित अवधि के लिए मान्य होंगे:

(क) एक ही चरण में आयोजित निर्वाचन में मतदान समापन के निर्धारित घंटे के अनुसार समाप्त हो रहे 48 घंटों की अवधि के दौरान; तथा

(ख) एक बहुस्तरीय निर्वाचन में, और विभिन्न राज्यों में एक साथ निर्वाचनों की घोषणा के मामले में, निर्वाचन के प्रथम चरण के मतदान के लिए निर्धारित अवधि के आरंभ होने से 48 घंटे आरंभ होने की अवधि के दौरान और सभी राज्यों में सभी चरणों के मतदान समाप्त हो जाने तक।

मतदान दिवस

प्रश्न - क्या निर्वाचन बूथ स्थापित करने के लिए संबंधित सरकारी अधिकारियों या स्थानीय अधिकारियों की लिखित अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है?

उत्तर: हां, ऐसे बूथ स्थापित करने से पहले संबंधित सरकारी अधिकारियों या स्थानीय अधिकारियों से लिखित अनुमति लेना आवश्यक है। पुलिस/निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर लिखित अनुमति बूथ से संबंधित व्यक्तियों अथवा वहां उपस्थित कर्मचारियों के पास उपलब्ध होनी चाहिए।

प्रश्न - क्या मतदान केंद्र में या उसके आस-पास प्रचार पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, मतदान के दिन मतदान केंद्र के एक सौ मीटर की दूरी के भीतर प्रचार करना निषिद्ध है।

प्रश्न - क्या मतदान केंद्र या उसके पास सशस्त्र जाने पर कोई प्रतिबंध है?

उत्तर: हां, मतदान के दिन किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र के आस-पास शस्त्र अधिनियम 1959 में परिभाषित किए गए किसी भी तरह के हथियारों से लैस होकर जाने की अनुमति नहीं है।

प्रश्न - मतदान के दिन एक अभ्यर्थी कितने वाहनों के लिए हकदार है?

उत्तर:

(i) लोक सभा के निर्वाचन के लिए, अभ्यर्थी हकदार होगा:
(क) पूरे निर्वाचन क्षेत्र में अभ्यर्थी को स्वयं के उपयोग के लिए एक वाहन।
पूरे निर्वाचन क्षेत्र के लिए अभ्यर्थी के निर्वाचन अभिकर्ता के उपयोग के लिए एक वाहन।
(ख) इसके अतिरिक्त, संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा खंड में अभ्यर्थी के कार्यकर्ताओं अथवा दल के कार्यकर्ताओं के उपयोग के लिए, जैसा भी मामला हो, एक वाहन।

(ii) राज्य विधान सभा के निर्वाचन के लिए, अभ्यर्थी हकदार होगा:
(क) अभ्यर्थी के स्वयं के उपयोग के लिए एक वाहन
(ख) अभ्यर्थी के निर्वाचन अभिकर्ता के उपयोग के लिए एक वाहन
(ग) इसके अलावा, अभ्यर्थी के कार्यकर्ताओं या दल कार्यकर्ताओं के उपयोग के लिए एक वाहन।

प्रश्न - यदि मतदान के दिन अभ्यर्थी निर्वाचन क्षेत्र में अनुपस्थित रहता है, तो क्या उसके नाम पर आवंटित वाहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग किया जा सकता है?

उत्तर: नहीं, अभ्यर्थी के उपयोग के लिए आवंटित वाहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग करने की अनुमति नहीं है।

प्रश्न - क्या मतदान के दिन किसी भी प्रकार के आधिकारिक वाहन का उपयोग किया जा सकता है?

उत्तर: नहीं अभ्यर्थी या उसके अभिकर्ता या दल के कार्यकर्ता को केवल चार/तीन/दो पहिया वाहनों, अर्थात कार (सभी प्रकार के), टैक्सी, ऑटो रिक्शा, रिक्शा और दोपहिया वाहनों का उपयोग करने की अनुमति होगी। मतदान के दिन इन वाहनों में चालक सहित पांच से अधिक व्यक्तियों को ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

प्रश्न - क्या राजनीतिक दल/अभ्यर्थी मतदान केंद्र से मतदाताओं को लाने और ले-जाने के लिए परिवहन के लिए व्यवस्था कर सकते हैं?

उत्तर: नहीं, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष से परिवहन के लिए किसी भी प्रकार के वाहन द्वारा किसी भी मतदाता को मतदान केंद्र तक लाने ले जाने के लिए कोई भी व्यवस्था, एक आपराधिक कृत्य है।

प्रश्न - क्या राजनीतिक दल का कोई नेता मतदान के दिन मतदान और मतगणना की प्रक्रिया का पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए निजी फिक्स्ड-विंग विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग कर सकता है?

उत्तर: नहीं, किसी राजनीतिक दल के नेता को मतदान और मतगणना के दिन मतदान और मतगणना की प्रक्रिया की निगरानी और निगरानी के उद्देश्य से, निजी फिक्स्ड-विंग विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग करने की अनुमति नहीं है।

मध्यप्रदेश की नदियां

जल तंत्र को पोषित करती हैं प्रदेश की प्रमुख नदियां

मध्यप्रदेश में नदियों की बहुलता है। यहां छोटी-बड़ी मिलाकर लगभग 207 नदियां हैं। मध्यप्रदेश की नदियां प्रदेश ही नहीं देशभर के जल तंत्र को पोषित करती हैं। इस तरह प्रदेश का नदी क्षेत्र काफी विस्तारित है। प्रदेश में पाँच मुख्य नदी तंत्र हैं। प्रत्येक तंत्र प्रमुख नदियों के नाम पर है। इनमें गंगा, नर्मदा, गोदावरी, माही और ताप्ती कछार प्रमुख हैं। कछारों का आकार और क्षेत्रफल मुख्य रूप से विंध्य, सतपुड़ा, कैमूर और मैकल पर्वत मालाओं पर आधारित है। प्रदेश के लगभग 45% क्षेत्र में नदियां उत्तर-पूर्व की ओर, 14% क्षेत्र में दक्षिण की ओर, 18% क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व की ओर तथा 23% क्षेत्र में पश्चिम की ओर बहती हैं। प्रस्तुत है प्रदेश की प्रमुख नदियां और नदी तंत्र, पर विस्तृत जानकारी...

गंगा यमुना कछार

गंगा का कछार उत्तर-पूर्व में स्थित है, यह राज्य का सबसे बड़ा कछार है। इस सम्पूर्ण जलग्रहण क्षेत्र में यमुना नदी तंत्र 1,42,250 वर्ग किलोमीटर है। यमुना में जो अन्य नदियां मिलती हैं वे प्रयागराज में गंगा नदी में शामिल हो जाती हैं। इस कछार में पानी लाने वाली प्रमुख नदियां हैं- टोंस, केन, सोन, चम्बल, शिप्रा, कुंआरी, सिंध, बेतवा, जामुनी, धसान, केन, बाघेन और पासुनिका

गंगा यमुना कछार की प्रमुख नदियां

टोंस- टोंस नदी पुराणों में तमसा नाम से विख्यात है। तमसा का उलेख मार्कण्डेय, मत्स्य, वाल्मीकि रामायण आदि में भी हुआ है। टोंस नदी मैहर जिले के झुलेरी के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलती है। उद्गम स्थल से निकलकर यह नदी रीवा जिले में प्रवेश करती है। यहां कैमूर पहाड़ियों के बीच यह संकरी घाटियों में बहती है। इस क्षेत्र में कई जल प्रपात बनाती हुई आगे बढ़ती है। टोंस नदी की कुल लम्बाई 320 किलोमीटर है। यह मध्यप्रदेश में लगभग 238 किलोमीटर बहती है। इसका कछार क्षेत्र 1,19,742 वर्ग किलोमीटर है। इसकी प्रमुख सहायक नदियां बेहार, बबई, सोनकर, बेलाज, महानदी तथा सतना हैं।

कुंवारी सिंध- कुंवारी सिंध विदिशा जिले से निकलती है। यह नदी 461 किलोमीटर की दूरी तय कर चंबल नदी में मिल जाती है। अपनी इस यात्रा के दौरान यह 26.699 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सींचती है। इसकी महत्वपूर्ण सहायक नदियां हैं- पाहुज, पार्वती और कुंवारी, माहूर, सिंध।

बेतवा - पुराणों और अन्य साहित्यिक कृतियों में बेतवा नदी को वेत्रवती कहा गया है। बेतवा नदी प्रदेश के रायसेन जिले के दक्षिण पश्चिमी छोर पर स्थित विन्ध्य पर्वत माला की एक पहाड़ी से निकलती है। पहले यह पूर्व की ओर फिर उत्तर-पूर्व की ओर बहती है। मध्यप्रदेश में यह रायसेन और विदिशा जिलों से बहती हुई उत्तरप्रदेश के ललितपुर और झांसी जिलों की सीमा बनाती हुई मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले में पुनः प्रवेश करती है, फिर यह झांसी और जालौन जिले में बहती है। बेतवा जालौन में उई और कालपी तहसीलों की सीमा पर बहती हुई, हमीरपुर जिले में प्रवेश करती है और वहां यमुना से मिल जाती है। बेतवा का कुल जलग्रहण क्षेत्र 19,365 वर्ग किलोमीटर है। यह 98 किलोमीटर उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश की सीमा रेखा पर बहती है और 251 किलोमीटर उत्तरप्रदेश में बहती है।

वराह पुराण में कहा गया है कि भागीरथी और वेत्रवती सब नदियों में श्रेष्ठ हैं, उनके दर्शन और स्मरण मात्र से पापों से मुक्ति मिल जाती है। पद्म पुराण में भी स्वयं भगवान शिव ने वेत्रवती की पवित्रता प्रतिपादित की है। बेतवा बुन्देलखण्ड की जीवन रेखा है तथा सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों का केन्द्र भी रही है। बेतवा नदी की सहायक नदियों में प्रमुख है- धमाल, जिसका प्राचीन नाम दशाणे था। इसकी अन्य सहायक नदियां हैं वैसी और जामिनी। बेतवा के तट पर भोजपुर, विदिशा और ओरछा के ऐतिहासिक और पवित्र स्थान स्थित हैं।

जामुनी - जामुनी नदी प्रदेश के सागर जिले से उद्गमित होती है। मध्यप्रदेश में इसकी लम्बाई 87 किलोमीटर है। जलग्रहण क्षेत्र 1235 वर्ग किलोमीटर है। जमसार और राज इसकी मुख्य सहायक नदियां हैं।

धसान- धसान नदी रायसेन जिले से निकलती है। 240 किलोमीटर की दूरी तय करने के पश्चात बेतवा में मिलती है। राज्य में इसका जलग्रहण क्षेत्र 8294 वर्ग किलोमीटर है।

केन- यह जबलपुर के पास समर गांव की पहाड़ियों से निकलती है तथा यमुना में मिलने से पहले 292 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इसका जलग्रहण क्षेत्र 24,785 वर्ग किलोमीटर है। प्रमुख सहायक नदियां गुर्वे, पर्वा, सनार, मिशन, सेमेरी, उर्मिलकाली हैं।

बाघेन- बाघेन नदी बुंदेलखंड के पन्ना जिले से निकलकर यमुना में मिलती है। इस नदी के क्षेत्र में बड़ी संख्या में बाध होने के कारण इसका नाम ही बाघेन नदी कर दिया गया। मध्यप्रदेश में बाघेन नदी 49 किलोमीटर बहती है। इसके बाद वह उत्तर प्रदेश में यमुना में मिल जाती है। बाघेन का जलग्रहण क्षेत्र 1504 वर्ग किलोमीटर है। राज इसकी मुख्य सहायक नदी है।

पासुनिक- पासुनिक नदी बघेलखंड क्षेत्र के सतना जिले से निकलती है। राज्य में 35 किलोमीटर मध्यप्रदेश में बहने के पश्चात यमुना में मिल जाती है। इस नदी का बड़ा हिस्सा उत्तरप्रदेश में बहता है। इसका जलग्रहण क्षेत्र 416 वर्ग किलोमीटर है।

नर्मदा कछार- नर्मदा का कछार मध्यप्रदेश के मध्यवर्ती तथा पश्चिमी भाग में फैला हुआ है। इस कछार की सबसे महत्वपूर्ण नदी नर्मदा है।

नर्मदा कछार की प्रमुख नदियां

नर्मदा नदी- नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवन रेखा है। यह प्रदेश की सबसे बड़ी नदी है। लंबाई की दृष्टि से नर्मदा देश की पांचवीं बड़ी नदी है। नर्मदा तट पर कई सांस्कृतियों ने जन्म लिया है। यह सौंदर्य और संस्कार की नदी है। यह प्राचीन सभ्यता का केन्द्र रही है। पौराणिक आख्यानों में यह पवित्र सप्तसरिताओं में से एक है। नर्मदा नदी अमरकंटक की ऊंची विन्ध्य और सतपुड़ा श्रेणियों की घाटी में से बहती हुई अरब सागर में गिरती है। यह मध्यप्रदेश से निकलकर महाराष्ट्र और गुजरात की सीमा तय करती है। नर्मदा का उद्गम, प्रवाह और संगम तीनों विशेष हैं। समुद्र तल से 4500 फुट की ऊंचाई पर अमरकंटक की मैकल पर्वत की जिस चट्टान से नर्मदा का उद्गम होता है, उसके दूसरे किनारे से सोन (शोण) का भी उद्गम होता है। नर्मदा के बहाव क्षेत्र में कई प्रसिद्ध तीर्थ हैं। नर्मदा पहाड़ों से होकर बहती है और कई झरनों का निर्माण करती है। समुद्र में मिलने से पूर्व अपने 1312 किलोमीटर क्षेत्र में बहती है।

नर्मदा की कुल 41 सहायक नदियां हैं जिनमें से 22 दक्षिण दिशा से तथा 19 उत्तर दिशा से मिलती हैं। इन 41 नदियों में से 39 मध्यप्रदेश में साथ चलती हैं तो 2 सहायक नदियां गुजरात में हैं। मध्यप्रदेश में नर्मदा घाटी का बहाव क्षेत्र अनूपपुर, शहडोल, बालाघाट, मंडला, सिवनी, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, दमोह, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम, हरदा, रायसेन, सीहोर, खंडवा, इंदौर, देवास, खरगोन, धार, झाबुआ और बड़वानी जिलों में है। नर्मदा कछार की औसत वार्षिक वर्षा 1288 मिलीमीटर है। नर्मदा का कुल कछार क्षेत्र 98 हजार 796 वर्ग किलोमीटर है। इसमें से मध्यप्रदेश में नर्मदा का कछार क्षेत्र 85,850 वर्ग किलोमीटर है। अमरकंटक से प्रारंभ होकर नर्मदा 1312 किलोमीटर का सफर तय कर गुजरात जाकर अरब सागर में मिलती है। मध्यप्रदेश में नर्मदा का बहाव क्षेत्र लगभग 1112 किलोमीटर है। अपनी यात्रा में नर्मदा अनूपपुर, मंडला, डिंडोरी, जबलपुर, धार, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, हरदा सीहोर, देवास, खंडवा, खरगोन, बड़वानी तथा धार, झाबुआ होते हुए गुजरात राज्य में प्रवेश करती है।

केन- केन नदी मध्यप्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र की प्रमुख नदी है। कटनी जिले से इसका उद्गम हुआ है। कटनी जिले में यह केवल एक धारा के रूप में बहती है। पन्ना जिले में प्रवेश करने के बाद केन नदी विशाल और वेगवान हो जाती है। मध्यप्रदेश से निकलकर यह उत्तरप्रदेश में बांदा जिले में विल्हरका के निकट प्रवेश करती है। बांदा जिले की सीमा में करीब 160 किलोमीटर बहने के बाद चिल्ला के निकट यमुना नदी में संगम होता है। प्राचीन भारतीय साहित्य में शुक्तिमती नाम की नदी का उल्लेख है। विशेषज्ञ वर्तमान केन नदी को ही प्राचीन शुक्तिमती मानते हैं। केन नदी का एक प्राचीन नाम दिर्णावती भी था।

सोन- सोन का नाम शोण, सुवर्ण या शोणभद्र है। वाल्मीकि रामायण तथा महाभारत में शोण नदी का उल्लेख है। सोन के संबंध में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा नर्मदा और सोन से संबंधित है, किसी कारण उनका विवाह नहीं हो सका और वे भिन्न दिशाओं में बह गयीं। सोन का उद्गम अमरकंटक से नर्मदा के ठीक विपरीत दिशा में हुआ है। यह मध्यप्रदेश में 500 किलोमीटर बहती है। सोन मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश तथा बिहार राज्यों में करीब 780 किलोमीटर बहने के बाद पटना के निकट गंगा नदी में मिलती है। सोन की प्रमुख सहायक नदियां हैं जोहिला महानदी (उत्तरी), बनास, गोपद, रिहन्द उत्तरी कोईल। इसका कछार क्षेत्र 47,849 वर्ग किलोमीटर है।

चम्बल- चंबल नदी का उद्गम इंदौर जिले के महू तहसील में विन्ध्य पर्वत माला से हुआ है। श्रीमद भागवत, महाभारत, मार्कण्डेय, वायु ब्रह्माण्ड, मत्स्यपुराणों में इसे चर्मण्वती कहा गया है। महाभारत में उल्लेख है कि राजा रतिदेव द्वारा अतिथि सत्कार के लिए बलिदान की गई गायों के चर्म से बहने वाले खून से चर्मण्वती का उद्गम हुआ। यह उज्जैन और रतलाम में बहती हुई मंदसौर की दक्षिणी सीमा बनाती है, फिर राजस्थान के कोटा और बूंदी में बहती हुई पुनः मध्यप्रदेश की ओर मुड़ जाती है। यह मुरैना और भिण्ड जिलों में बहती है। चंबल की कुल लंबाई 1040 किलोमीटर है।

शेष अगले पृष्ठ पर....

प्राचीन, दार्शनिक और ऐतिहासिक महत्व का क्षेत्र

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए है। "रोज़गार और निर्माण" के "हमारा जिला" स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले से आपको परिचित करवायेंगे। इस अंक में प्रस्तुत है राजगढ़ जिले का परिचय-

एक नज़र में...

क्षेत्र	: 6154 वर्ग किलोमीटर
जनसंख्या	: 15,45,814
भाषा	: हिन्दी
गाँव	: 1728
पुरुष	: 7,90,212
महिला	: 7,55,602

राजगढ़ मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग में स्थित है। यह राजस्थान, शाजापुर, सीहोर तथा भोपाल के जिले की सीमाओं से लगा हुआ है। राजगढ़ जिले की अक्षांश 23°27'12" उत्तरी और 24°17'20" उत्तर के बीच और देशांतर 76°11'15" और 77°14' पूरब के बीच फैली है। जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्र 6154 वर्ग किलोमीटर है। जनगणना 2011 के अनुसार आबादी 15,45,814 है। यह राज्य की राजधानी भोपाल से 145 किलोमीटर दूर है।

इतिहास

राजगढ़ जिले का गठन मई, 1948 में मध्य भारत के गठन के बाद किया गया। इससे पहले वर्तमान जिले का क्षेत्र राजगढ़, नरसिंहगढ़, खिलचीपुर, देवास (वरिष्ठ) देवास (जूनियर) और इंदौर राज्यों के बीच शामिल था। राजगढ़ एक मध्यस्थ राज्य का मुख्यालय था, जहां उमठ राजपूतों का शासन था और यह परमार वंश की शाखा थी। पहले राजधानी दुपारिया थी, जो अब शाजापुर जिले में है। बाद में इसे डूंगरपुर (राजगढ़ से 19 किलोमीटर) और फिर रतनपुर (19 किलोमीटर नरसिंहगढ़ के पश्चिम) ले जाया गया। मुगल सेनाओं के बार-बार हमले और अशांति से बचने के लिए, एस्टेट ऑफ द रूलर, मोहन सिंह, ने वर्तमान क्षेत्र का अधिग्रहण किया, जिसे मूल रूप से 1640 ईस्वी में झांसीपुर के रूप में जाना जाता था। अंत में उन्होंने वर्ष 1645 में मुख्यालय को स्थानांतरित कर दिया, जिससे यह स्थान बना। झांसीपुर में एक महल है, जिसके कारण यह राजगढ़ के नाम से जाना जाता है। जिले को पांच उपखंडों और नौ तहसीलों में विभाजित किया गया है।

जिले में शामिल विकासखण्ड

विकासखण्ड-सारंगपुर

सारंगपुर विकासखण्ड मालवा के पठार के उत्तरी हिस्से में स्थित है, सारंगपुर समुद्र तल से 390 मीटर की ऊंचाई पर है। यह विकासखण्ड जिला शाजापुर तथा जिले के खिलचीपुर, नरसिंहगढ़, जीरापुर राजगढ़ तथा ब्यावरा विकासखण्ड से लगा हुआ है। सारंगपुर के दार्शनिक स्थलों में माँ बिजासन मंदिर, भैसवामाता प्रसिद्ध है, यहां नवरात्रि में दूर-दूर से श्रद्धालु आते है, यहां माघ की पूर्णिमा को मेला लगता है। सारंगपुर ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां कई प्राचीन खंडहर, महल तथा बावड़िया हैं। उत्तर में कालीसिंध नदी के किनारे भगवान कपिलेश्वर का मंदिर है जो दर्शनीय स्थल है, यहां अमावस्या तथा पूर्णिमा को श्रद्धालुजन स्नान के लिए आते हैं। इस क्षेत्र में कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें आसपास के कई लोग एकत्र होते हैं।

विकासखण्ड-नरसिंहगढ़

नरसिंहगढ़ मालवा के कश्मीर नाम से विख्यात है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से उत्तर पश्चिम में 85 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-52 (जयपुर-जबलपुर मार्ग) पर 23'' उत्तरी अक्षांश और 77'' देशान्तर पर स्थित है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 1870 फीट है। विकासखण्ड से जिला शाजापुर, सीहोर, भोपाल तथा ब्यावरा, सारंगपुर तहसील की सीमाएं लगी हुई हैं। नरसिहगढ़ के दर्शनीय स्थलों में किला, जलमंदिर, छोटे महादेव का झरना, श्याम जी मंदिर, चिड़ीखो प्रमुख हैं। यहां शिवरात्री तथा जेष्ठ पूर्णिमा पर मेले का आयोजन किया जाता है। नरसिंहगढ़ नगर में छोटा महादेव तथा बड़ा महादेव का मंदिर है। मंदिर में सावन के महीने में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। नरसिंहगढ़ तहसील की पूर्व सीमा में पार्वती नदी बहती है।

विकासखंड-जीरापुर

जीरापुर विकासखंड, जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। जीरापुर की सीमाएं राजस्थान के बकानी जिला झालावाड़, विकासखंड खिलचीपुर, सारंगपुर, सुसनेर जिला आगर से जुड़ी है। जीरापुर क्षेत्र के कुंडालिया बांध से आगामी समय में समस्त जीरापुर सिंचाई युक्त होगा। यहां की मुख्य नदी कालीसिंध है।

जीरापुर के दार्शनिक स्थल

श्री बिल्लेश्वर महादेव मंदिर

यह मंदिर लगभग 200 वर्षों से अधिक पुराना है। यहां लगभग 250 से 300 बेल के पेड हैं। प्राचीन मान्यता है कि भगवान महाकाल के मंदिर में आने पर सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

शेष अगले पृष्ठ पर....

पिछले पृष्ठ का शेष....

शिप्रा - शिप्रा पौराणिक सप्त सरिताओं में से एक है। शिप्रा नदी को क्षिप्रा के नाम से भी जाना जाता है। विन्ध्याचल के पश्चिमी भाग जो परियात्र कहलाता है। शिप्रा इसी भू-भाग के इंदौर जिले से निकलती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है। इसमें से 93 किलोमीटर यह केवल उज्जैन जिले में बहती है। खान तथा गंभीर इसकी प्रमुख सहायक नदियां हैं उज्जैन के आगे शिप्रा रतलाम और मंदसौर में बहती हुई चंबल नदी में मिल जाती है।

शिप्रा का वर्णन पुराणों, संस्कृत, जैन तथा बौद्ध साहित्य में मिलता है। स्कन्द पुराण में शिप्रा के लिये एक अलग खंड है। स्कन्द पुराण के आवन्त्य खंड में शिप्रा का उल्लेख है।

स्कंद पुराण के अनुसार शिप्रा की उत्पत्ति भगवान विष्णु के उदर से उस समय हुई जब वे वराह अवतार में थे। उसी पुराण में शिप्रा की उत्पत्ति शिव के कमण्डल से कही गयी है। जनश्रुति के अनुसार शिप्रा का अवतरण अत्रि ऋषि की घोर तपस्या का परिणाम था। शिप्रा को सर्वत्र पुण्यदायिनी, पवित्र तथा पापहारिणी माना गया है। इसके तट पर ऋषि-मुनियों के असंख्य आश्रम हैं। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि पितरों के तीर्थ के रूप में काशी से भी दस गुना अधिक पवित्र महाकाल वन क्षेत्र या उज्जयिनी है। कहा जाता है महाकाल वन में ही समुद्र मन्थन के बाद 14 रत्नों का बंटवारा किया गया था। यह भी कहा जाता है कि अमृत कलश को लेकर देवता और दानवों में जो संघर्ष हुआ उसके कारण अमृत की बूंदें छलक कर हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में गिरीं, तभी से तीन अन्य स्थानों के अलावा उज्जैन में कुंभ का मेला लगता है, जो कि सिंहस्थ कहलाता है। शिप्रा के तट पर बसा उज्जैन प्राचीनकाल से ही प्रमुख तीर्थ है।

गोदावरी कछार- गोदावरी का कछार राज्य के दक्षिणी भाग में है। गोदावरी नदी मध्यप्रदेश में नहीं बहती, केवल इसका जलग्रहण क्षेत्र मध्यप्रदेश के इस भू-भाग में है, जो बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिलों के कुछ हिस्सों में आता है। इसकी सहायक नदियां वर्धा, वैनगंगा, इंद्रावती और सावरी नदी हैं।

वर्धा- वर्धा गोदावरी की प्रमुख सहायक नदी है। मध्यप्रदेश में लगभग 58 किलोमीटर तक बहने के बाद यह नदी महाराष्ट्र में प्रवेश करती है और वैनगंगा नदी से मिल जाती है। बाद में यह दोनों नदियां प्रणहिता के नाम से आगे बढ़ती हैं और महाराष्ट्र के सिरोंछा के करीब गोदावरी नदी में समा जाती हैं।

वैनगंगा- वैनगंगा नदी सिवनी जिले से निकलती है। मध्यप्रदेश में इसकी प्रमुख छोटी सहायक नदियां पेंच, कन्हान और बाघ हैं। वैनगंगा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। पुराणों में इसे बेवा, वैया, दिदि नामों से संबोधित किया गया है। वैनगंगा सिवनी से निकलकर बालाघाट जिले में प्रवेश करती है। बालाघाट जिले में इसका कुल बहाव 98 किलोमीटर है और औसत चौड़ाई करीब 800 फुट है। बालाघाट के बाद यह महाराष्ट्र के भंडारा जिले में प्रवेश कर यह चंद्रपुर जिले से प्रवाहित होती हुई वर्धा नदी में मिल जाती है।

नर्मदा के जीव-जन्तु

वैज्ञानिकों ने नर्मदा घाटी में 2422 विभिन्न प्रजातियों को चिन्हित किया है। इसमें 665 कशेरूकीय (रीढ़ वाले), 1757 अकशेरूकीय प्राणी (बिना रीढ़ वाले) हैं। ये सभी प्राणी कुल 40 प्रकार के प्राणी समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें 155 प्रकार की मछलियां, 115 प्रकार के मेंढक, 62 प्रकार के उभयचर, 345 प्रकार के पक्षी और 88 प्रकार के स्तनधारी जीव हैं। इनमें से 200 से ज्यादा प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी हैं। इनमें मछलियां, स्तनधारी, पक्षी और तितलियां भी शामिल हैं।

ताप्ती कछार

ताप्ती के कछार में 65,145 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल है। ताप्ती नदी इस कछार की सबसे बड़ी नदी है। इस कछार की महत्वपूर्ण नदियां - ताप्ती, अम्मोरा, मोग, पूर्ना, कन्हार और कनैर हैं।

ताप्ती- ताप्ती का उद्गम बैतूल जिले के मुलताई की पहाड़ियों से हुआ है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्यों में बहती हुई यह नदी अरब सागर में गिरती है। मध्यप्रदेश में ताप्ती लगभग 322 किलोमीटर क्षेत्र में बहती है। ताप्ती के तट पर मुलताई, बुरहानपुर और सूरत जैसे ऐतिहासिक शहर स्थित हैं। इसकी सहायक नदियां हैं- पूर्वा, बाघुड़, गिरना, बोरी, पांछरा और शिवा। अन्य नदियों की तरह ताप्ती के बारे में भी महाभारत और पुराणों में अलग-अलग कथाएं हैं। महाभारत में कहा गया है कि ताप्ती सूर्य भगवान की पुत्री है। सूर्य अपने तेज से ताप उत्पन्न करते हैं इसलिए उनकी पुत्री का नाम ताप्ती हो गया। वायु पुराण में एक भिन्न कथा है। उसमें भी कहा गया है कि ताप्ती सूर्य पुत्री है। चन्द्रवंशी राजा संवरण और ताप्ती का विवाह हुआ था उनका पुत्र करू था, जिनसे कुरू वंश की उत्पत्ति हुई। ताप्ती के धार्मिक महत्व का वर्णन स्कन्द पुराण में किया गया है। उसमें कहा गया है कि ताप्ती की पवित्रता की कोई सीमा नहीं है। ताप्ती का जन्म आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को माना जाता है, इसलिए इसके जन्मदिन पर बड़ा उत्सव मनाया जाता है। उद्गम स्थल मुलताई में ताप्ती को माँ की तरह पूजा जाता है। माता ताप्ती के यहां दो मंदिर हैं, एक प्राचीन मंदिर और दूसरा नवीन मंदिर। प्राचीन और नवीन दोनों ही मंदिरों के समीप बड़े-बड़े दो कुंड हैं, इनमें श्रद्धालु स्नान करते हैं। साल में एक बार यहां अखंड सप्तमी के अवसर पर मेला लगता है, जिसमें दूर-दूर से लोग आते हैं।

माही कछार

माही कछार में धार, झाबुआ और रतलाम जिले आते हैं। माही नदी इस कछार की सबसे महत्वपूर्ण नदी है। माही का कछार राज्य का सबसे छोटा नदी तंत्र कछार है और इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 34,842 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मध्यप्रदेश में शामिल है।

माही नदी- माही नदी प्रदेश के धार जिले के सरदारपुर कस्बे से पर्वत मालाओं के बीच से निकलती है। यह राजस्थान के बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों से बहती हुई गुजरात में प्रवेश करती है, और फिर खंभात की खाड़ी में गिरती है। इस नदी की कुल लम्बाई 583 किलोमीटर है। उजास इसकी मुख्य सहायक नदी है। उजास नदी मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले से निकलती है। इस कछार की अन्य नदियां हैं- जामार, उण्डवा, बगेरी, बरमानदाली, खैरया, मदुकालय और लारकी।

प्रस्तुति - हितेश शर्मा
(लेखक, समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

पिछले पृष्ठ का शेष....

सात फेरे शिव पार्वती विवाह स्थल माचलपुर

यह प्रसिद्ध स्थल जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर जीरापुर की नगर पंचायत माचलपुर क्षेत्र में है। जो माचलपुर से 1 किलोमीटर दूर कचनारिया रोड पर बाधा बल्डी पर स्थित है। यहां पत्थरों के सात फेरे बने हुए हैं। जिनके मध्य में शिव पार्वती की प्रतिमा है। विवाहित जोड़े यहां आकर अखण्ड सौभाग्य की कामना करते हैं। इसी के निकट एक तालाब स्थित है। जिसका पानी आज भी चावल के माड़ जैसा दिखाई देता है। मान्यता है कि शिव पार्वती के विवाह के समय बनाये गये चावल के कारण ऐसा दिखाई देता है।

चोर बावड़ी माचलपुर

चोर बावड़ी विकासखण्ड जीरापुर की नगर पंचायत माचलपुर में स्थित है। यह जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूरी पर है। इस ऐतिहासिक स्थल के बारे में मान्यता है कि यह बावड़ी महारानी अहिल्या बाई होल्कर के समय में चोरों द्वारा एक ही रात में बनाई गई है। इस बावड़ी में चार कमरे हैं। यह महल के समान दिखाई देती है। जिसमें दोनों तरफ सीढ़ी है। बावड़ी के ऊपर से पूरब तथा पश्चिम दिशा में दो गुप्त सीढ़ियां है। जिनसे सीधे कमरों में जाया जा सकता है। बावड़ी में दो बड़े महलनुमा दरवाजे हैं। छतों तथा दीवारों पर आकर्षक नक्काशी है। बावड़ी दो मंजिला है, जिसमें एक मंजिल पानी में डूबी हुई है।

विकासखंड-खिलचीपुर

राजगढ़ जिले के अन्तर्गत आने वाले खिलचीपुर का इतिहास बहुत पुराना है यह रियासत ग्वालियर स्टेट के अन्तर्गत आती थी। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 52 पर स्थित यह तहसील मालवांचल के अंतिम छोर पर राजस्थान की सीमा से लगी हुई है। खिलचीपुर की मुख्य नदी पुण्य गाडगंगा नदी है, जो यहां का प्रमुख जल स्रोत है। खिलचीपुर के प्रसिद्ध प्राचीन मन्दिरों में नाहरदा मन्दिर, प्राचीन शनि मन्दिर है। यहां का प्राचीन राजमहल दर्शनीय स्थल है।

विकासखंड राजगढ़

राजगढ़ विकासखंड मालवा के पठार के उत्तरी हिस्से में स्थित है। राजगढ़ विकासखंड से राजस्थान तथा, विकासखंड ब्यावरा, खिलचीपुर, सारंगपुर की सीमाएं जुड़ती हैं। राजगढ़ क्षेत्र में मोहनपुरा बांध है। मोहनपुरा बांध से आगामी वर्षों में समस्त पठारी क्षेत्र सिंचाई युक्त हो जायेगा। यहाँ के दार्शनिक स्थलों में प्राचीन मां जालपा देवी मंदिर है। नवरात्री में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। राजगढ़ से उत्तर की पहाड़ी पर मां बटेरी माता मंदिर हैं। यहां लोग वर्ष भर दर्शन करने आते हैं। राजगढ़ के पूर्व में खोयरी, घने जंगल और ताल के बीच महादेव मंदिर है। शिवरात्री पर शहर से भोले बाबा की बारात महादेव मंदिर तक निकाली जाती है। शिव पार्वती विवाह का आयोजन भी किया जाता है। शहर के पूर्वी दक्षिण में बाबा बदखशाहनी की मजार है जहां मार्च में मेला लगता है। राजगढ़ की मुख्य नदी नेवज है, साथ ही इस क्षेत्र से अजनार नदी भी निकलती है। राजगढ़ शहर से दक्षिण में स्थापित सोलर प्लांट द्वारा सौर उर्जा से लगभग 25 मेगावॉट विद्युत का उत्पादन किया जा रहा है। राजगढ़ क्षेत्र की मुख्य बोली मालवी है।

विकासखंड ब्यावरा

इस तहसील की स्थापना मई 1948 में हुई है। ब्यावरा विकासखंड जिला मुख्यालय से 26 किलोमीटर भोपाल रोड पर स्थित है, ब्यावरा शहर जिले का मुख्य व्यावसायिक नगर तथा जिले का सबसे बड़ा नगर भी है। यह लगभग 30 किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां का रेलवे स्टेशन इन्दौर, अहमदाबाद, मथुरा, देहरादून, नई दिल्ली, रतलाम, अमृतसर आदि रेलवे लाइन से जुड़ा हुआ है। ब्यावरा क्षेत्र से नेशनल हाईवे– 03 गुजरता है। अजनार ब्यावरा की प्रमुख नदी है। जो शहर के मध्य से होकर निकलती है। ब्यावरा क्षेत्र की प्रमुख नदियों में पार्वती, नेवज, दूधी है। दूधी नदी पर कुशलपुरा डेम है। जिससे ब्यावरा शहर को पीने का पानी प्राप्त होता है। ब्यावरा के प्रमुख धार्मिक स्थल श्री अंजलीलाल मंदिर, मां वैष्णव देवी मंदिर, श्री गणेश मंदिर है। यहां घुरेल की पहाड़ी पर स्थित है प्रसिद्ध बैजनाथ मंदिरा यहां मकर संक्रांति पर मेला लगता है। ब्यावरा शहर में दो पशु मेले भी लगते हैं। यहां की मुख्य भाषा हिन्दी तथा मालवी है।

उत्पादन

गेहूं राजगढ़ जिले में रबी मौसम की मुख्य फसल है तथा सोयाबीन खरीफ मौसम की मुख्य फसल है।

हाथकरघा

राजगढ़ जिले के सारंगपुर विकासखण्ड में एक हाथकरघा बाहुल्य क्लस्टर है। जहां पड़ाना ग्राम में अधिकांश बुनकर निवास करते हैं। सारंगपुर के पड़ाना में प्रमुख रूप से कोटा मसूरिया साड़ियों का उत्पादन होता था। साथ ही पगड़ी का उत्पादन भी बहुतायत में होता है। यहां बनाई जाने वाली चादरें रंगों के संयोजन और रंगों की तीव्रता के लिए प्रसिद्ध है।

सारंगपुर क्षेत्र में बुनकरों द्वारा शिफान, प्लेन पोत, सिल्क का उत्पादन भी प्रारंभ किया गया है। जिसे बाजार में पसंद किया जा रहा है। सारंगपुर ऐतिहासिक रूप से भी भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध क्षेत्र है। इस क्षेत्र में रानी रूपमती का मकबरा भी है।

पर्यटन स्थल

श्रीनाथजी का बड़ा मंदिर राजगढ़

नेवज नदी के तट पर पहाड़ियों के बीच श्रीनाथजी का बड़ा मंदिर स्थित है। मंदिर की ऊंचाई 111 फीट है, जो अति प्राचीन और भव्य है। इस भव्य मंदिर की शिल्पकला अति सुन्दर है। नदी के तट पर स्थित होने से वर्षा ऋतु में नदी का जल स्तर बढ़ने पर मंदिर का गर्भगृह जलमग्न हो जाता है। राजगढ़ रियासत की तत्कालीन हाडी जी महारानी को स्वप्न में भव्य श्रीनाथ जी के मंदिर बनवाने की प्रेरणा स्वरूप तत्कालीन राजा श्री बलबाहदुर सिंह ने वर्ष 1887 में मंदिर का निमार्ण प्रारम्भ करवाया, मंदिर के निमार्ण में उस समय 24 वर्ष का समय लगा, निर्माण कार्य पूर्ण होने पर तत्कालीन श्री राजा बनेसिंह द्वारा वर्ष 1911 के जेष्ठ मास की दशमी ''गंगा दशहरा'' के दिन शुभ मुहूर्त में पुष्टिमार्गीय परम्परा के अनुसार प्रभु श्रीनाथ जी के अतिसुन्दर विग्रह (मूर्ति) की स्थापना की गई। प्रतिवर्ष गंगा दशमी को मन्दिर का पाटोत्सव (स्थापना दिवस) मनाया जाता है। वर्ष 1911 से मन्दिर में प्रभु की अष्टयाम सेवा दर्शन का क्रम जारी है।

उत्सव एवं त्योहार

कृष्ण जन्माष्टमी, नन्दमहोत्सव, नौकाविहार, रामनवमी, होली फूलफाग, अन्नकूट महोत्सव, श्रावणमास, हिन्डोला उत्सव आदि धूम-धाम से मनाये जाते हैं।

घूरेल पशुपतिनाथ मंदिर ब्यावरा

ऐतिहासिक महत्व के पशुपतिनाथ घूरेल मंदिर ब्यावरा और सुठालिया के बीच में स्थित है। इसकी ब्यावरा से दूरी 15 किलोमीटर है, मंदिर के पास गुफा है। यहां वर्षों से भगवान शिव की पूजा की जाती है। पशुपतिनाथ जी की विशालकाय मूर्ति को 1993 में स्थापित किया गया था। यह 7 फीट ऊंची है। यहां सावन सोमवार और मकर संक्रांति पर बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

यहां विगत कई वर्षों से हरियाली अमावस पर कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। इसमें शामिल श्रद्धालु नगर सहित क्षेत्र के कावड़िए सुठालिया स्थित शिवमंदिर पर विश्राम कर, सुबह 5 बजे घोघरा घाट स्थित पार्वती नदी से जल भरकर लाते हैं। इसके बाद करीब 16 किलोमीटर दूर घुरेल की पहाड़ी पर स्थित भगवान शंकर की प्रतिमा पर विधिवत पूजन कर पार्वती नदी के जल से अभिषेक करते हैं। कावड़िए बाबा भोलेनाथ के जयकारों के साथ नगर के प्रमुख मार्ग परलापुरा राम मंदिर, सदर बाजार शिव मंदिर, ब्यावरा रोड होते हुए घुरेल पशुपतिनाथ मंदिर पहुचते हैं। जहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाता है। इस दौरान यात्रा में शामिल लोगों का जगह-जगह फल, खीर, साबूदाने की खिचड़ी आदि से नगरवासियों द्वारा स्वागत किया जाता है।

मोहनपुरा बांध

मोहनपुरा सिंचाई परियोजना देश की ऐसी पहली ऐसी परियोजना है, जिसके तहत प्रेशर से खेतों में सिंचाई की जा रही है। यह देश की पहली लंबी पाइपलाइन है, 3800 करोड़ लागत की इस परियोजना के तहत सबसे लंबी प्रेशरयुक्त पाइप वाली अंडरग्राउंड नहर से 1 लाख 35 हजार हेक्टेयर जमीन में सिंचाई की क्षमता है। मोहनपुरा डैम राजगढ़ से 8 किलोमीटर दूर नेवज नदी पर बनाया गया है। बांध का जलग्रहण क्षेत्र 3726 वर्ग किलोमीटर है। मोहनपुरा बांध में सिंचाई, घरेलू तथा औद्योगिक उपयोग के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा, बांध से लगभग 35,500 हेक्टेयर खरीफ और 62,250 हेक्टेयर रबी मौसम में सिंचाई करना प्रस्तावित है।

शनि मंदिर खिलचीपुर

खिलचीपुर के नाहरदा स्थित परिसर में प्राचीन शनि मंदिर है। शनिचरी अमावस्या पर जिले के इस प्राचीन शनि मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

खिलचीपुर रियासत के महाराजा दीवान उग्रसेन ने पहले खिलचीपुर के गाड्गंगा के तट पर शनिदेव की प्रतिमा स्थापित की। बाद में प्रतिमा गाड्गंगा नदी से निकाल कर नदी के समीप स्थापित की गयी थी। कुछ समय बाद सन 1920 में खिलचीपुर रियासत के महाराजा बहादुर सरकार श्री दुर्जन लाल सिंह जी के द्वारा वर्तमान में जहां शनि देव विराजमान हैं वहां पूर्ण विधि विधान से स्थापना की गयी तथा शनि मंदिर का निर्माण कार्य करवाया गया। तब से हरियाली अमावस के दिन शनि मंदिर का स्थापना दिवस मनाया जाता है।

कपिलेश्वर महादेव मंदिर-सारंगपुर

कपिलेश्वर महादेव मंदिर कालीसिंध नदी के बीच में स्थित है। अपनी अलौकिकता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध यह मंदिर आस्था का केंद्र है। यह मंदिर नदी की तेज धार और हर साल आने वाली बाढ़ के बीच भी सुरक्षित रहता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व बनाए गए इस मंदिर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बाढ़ का पानी आधे शिखर तक ही पहुंच जाता है। मान्यता है कि मंदिर की इस चट्टान पर कपिल मुनि ने तपस्या की थी। उनके द्वारा ही शिवलिंग की स्थापना की गई थी। उनकी कपिला गाय के खुर (पंजों) के निशान आज भी चट्टान पर मौजूद हैं। मंदिर का जीर्णोद्धार 800 साल पूर्व देवास के महाराजा जीवाजी राव पंवार ने करवाया था। यहां कार्तिक पूर्णिमा से 7 दिवसीय मेला लगता है। यहीं श्री बालाजी व नवग्रहों के साथ शनि मंदिर भी है। सोमवती तथा शनिश्चरी अमावस्या पर श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

भैंसवामाता (बीजासन माता) मंदिर-सारंगपुर

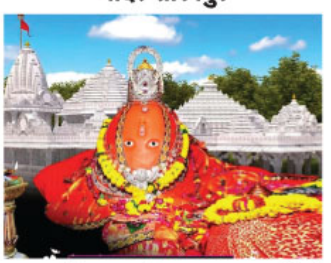

यहां भैंसवामाता (बीजासन माता) का मंदिर है बसंत पंचमी में इस मंदिर पर एक माह का पशु मेला लगता है, जिसमें दूर-दूर से लोग अपनी मन्नत पूरी करने आते हैं। मेला का समापन पूर्णिमा की रात्री में होता है। मां भैंसवामाता (बिजासन माता मंदिर) की पालकी निकाली जाती है। इसमें पहाड़ी के मुख्य मंदिर से ग्राम भैसवामाता के समस्त देवस्थानों पर होते हुए वापस मुख्य मंदिर तक नगर भ्रमण होता है। जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। नवरात्रि के चैत्र एवं अश्विन माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं और चुनरी यात्रा भी निकाली जाती है।

श्री तिरुपति बालाजी मंदिर जीरापुर

जीरापुर में बालाजी मंदिर की नींव स्वामी श्री घनश्यामचार्यजी महाराज ने 3 सितंबर 1998 में रखी थी। मंदिर के निर्माण में लगभग 2 वर्ष लगे। 29 अप्रैल से 4 मई 2000 तक प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया और व्यंकटेश भगवान बालाजी मंदिर को जनता के लिए खोल दिया गया। तब से हर दिन यहां हजारों लोग दर्शन के लिए आते हैं।

वैष्णोदेवी मंदिर सुठालिया-ब्यावरा

वैष्णोदेवी मंदिर तहसील सुठालिया के निकट मक्सूदनगढ़-लटेरी मार्ग पर स्थित है इस मंदिर में मां वैष्णोधाम गुफा का भी निर्माण किया गया है, जो वैष्णोदेवी मंदिर जम्मू कटरा का आभास कराती है, यह ब्यावरा ब्लॉक से 26 किलोमीटर दूर है।

कुण्डालिया बांध

मध्यप्रदेश के जिला राजगढ़ एवं जिला आगर-मालवा के बीच कालीसिंध नदी पर कुण्डालिया वृहद सिंचाई परियोजना के तहत कुण्डालिया बांध का निर्माण किया गया। इससे क्षेत्र की सिंचाई क्षमता कई गुना बढ़ गयी है।

अंजनीलाल मंदिर ब्यावरा

अंजनीलाल मन्दिर धाम अजनार नदी के तट पर दशहरा मैदान के पास स्थित है। श्री अंजनीलाल मन्दिर धाम के प्रवेश स्थल पर एक भव्य एवं विशाल लाल पत्थर पर नक्काशी से युक्त प्रवेश द्वार बनाया गया है। आज से करीब 45 वर्ष पूर्व भगवान श्री अंजनीलालजी एक चबूतरे पर नगर से दूर घनी झाड़ियों के बीच निर्जन क्षेत्र में विराजमान थे। लेकिन सभी के सहयोग से यह निर्जन, वीरान रहने वाला स्थल अब रमणीय स्थल बन गया है। धाम के तीन अद्भुत स्तम्भ हैं भगवान श्री राम मन्दिर, भगवान श्री अंजनीलाल मंदिर और भगवान द्वादस ज्योतिर्लिंगेश्वर महादेव मन्दिरा

श्री अंजनीलाल जी के मंदिर के ठीक सामने एक भव्य विशाल एवं दर्शनीय मंदिर का निर्माण किया गया है। जिसमें भगवान श्री राम जी, माता जानकी, श्री लक्ष्मण जी के साथ श्री अंजनीलाल जी विराजमान हैं। मंदिर की आकृति एक भव्य राजमहल के समान है जिसके बाहर और अन्दर श्वेत मकराना संगमरमर लगाया गया है। जिसमें की गई सुन्दर नक्काशी, जालियां, विशाल परदे तथा फानूस मंदिर को आकर्षक रूप प्रदान करते हैं। भगवान की प्रतिमाएं मनमोहक हैं।

उर्स

आयोजन का समय मार्च

हज़रत बाबा बदख़्शानी के नाम से मशहूर बुज़ुर्ग सूफ़ी का दरगाह शरीफ़ राजगढ़ में स्थित है। प्रतिवर्ष 10 से 12 मार्च को दरगाह शरीफ़ पर उर्स का आयोजन किया जाता है। जिसमें देश दुनिया के लोग आते हैं। उर्स के दौरान पूरी रात क़व्वालियों का कार्यक्रम आयोजित होता है। साथ ही एक मेला लगता है। यहां सभी धर्म तथा समाज के लोग आते हैं। विगत 100 वर्षों से यह स्थान सर्वधर्म सम्भाव तथा साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बना हुआ है।

प्रस्तुति- देवेन्द्र गौरे

(लेखक समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

पवन दावुलुरी

माइक्रोसॉफ्ट विंडो और सरफेस के नए प्रमुख बने

माइक्रोसॉफ्ट ने एक बार फिर अपने दो प्लेटफॉर्म विंडोज और सरफेस की टीमों का आंतरिक रूप से विलय कर दिया है। विलय के बाद भारतवंशी पवन दावुलुरी को इस टीम का प्रमुख बनाया गया है। पवन इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट में हार्डवेयर से जुड़े काम की देख-रेख करते थे। आईआईटी मद्रास से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके पवन 23 वर्ष पहले माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े थे। उन्होंने विंडोज में पैनोस पानाय की जगह ली है। पानाय पिछले वर्ष माइक्रोसॉफ्ट छोड़कर अमेजन में शामिल हो गए थे।

कंपनी रॉकेट लैब ने

जासूसी के लिए लॉन्च किए तीन सैटेलाइट

अमेरिकी कंपनी रॉकेट लैब ने जासूसी के लिए बनाए गए तीन उपग्रहों को इलेक्ट्रॉन रॉकेट से लॉन्च किया। कंपनी ने इस मिशन को एनआरओएल-123 नाम दिया है। यह रॉकेट लैब कंपनी का पांचवां मिशन था, जिसे कंपनी ने नेशनल रिकॉनिसेंस ऑफिस (एनआरओ) के लिए लॉन्च किया था। यह कंपनी अब तक 46 इलेक्ट्रॉन मिशन लॉन्च कर चुकी है। कंपनी ने इस मिशन के बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई थी।

चेन जुयुआन

चाइनीज फुटबॉल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष को मिली उम्रकैद

चीन के हुबेई प्रांत की एक अदालत ने चाइनीज फुटबॉल एसोसिएशन (सीएफए) के पूर्व अध्यक्ष चेन जुयुआन को रिश्वत लेने के एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। जुयुआन को इस वर्ष जनवरी में रिश्वत लेने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार जुयुआन ने वर्ष 2010 से 2023 के बीच सीएफए और अन्य निकायों में अपने पद का लाभ उठाते हुए अन्य लोगों से कुल 81.03 मिलियन युआन (लगभग 93.80 करोड़ रुपये) की राशि अवैध रूप से अर्जित की थी।

जैस्मीन पेरिस

बार्कले मैराथन पूरी करने वाली पहली महिला बनीं

ब्रिटेन की मैराथन धाविका जैस्मीन पेरिस ने दुनिया की सबसे कठिन अल्ट्रा मैराथन में से एक बार्कले मैराथन को पूरा कर इतिहास रच दिया है। 40 वर्षीय जैस्मीन ने यह मैराथन रेस 60 घंटे की कट-ऑफ से पहले एक मिनट 39 सेकेंड शेष रहते (59 घंटे 58 मिनट और 21 सेकेंड में) पूरी की। यह करिश्मा करने वाली जैस्मीन दुनिया की पहली धाविका बन गई हैं। जैस्मीन के अलावा इहोर वेरीज और ग्रेग हैमिल्टन भी रेस को पूरा करने में सफल रहे हैं।

केट मिडलटन

वेल्स की राजकुमारी कैंसर से हुई पीड़ित

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम की पत्नी और वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन को कैंसर हो गया है। मिडलटन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वे कीमोथेरेपी ले रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक शानदार मेडिकल टीम है, जिसने मेरी बहुत देखभाल की है। कैनसिंग्टन पैलेस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार राजकुमारी मिडलटन की इस वर्ष जनवरी में पेट की सर्जरी हुई थी, उस दौरान डॉक्टरों को लगा कि यह कैंसर नहीं है, लेकिन अब जांच में कैंसर की पुष्टि हुई है। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय भी कैंसर से पीड़ित हैं।

स्पेस शटल पुष्पक

इसरो के रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल की लैंडिंग का सफल परीक्षण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने रियूजेबल लॉन्च व्हीकल (आरएलवी) की लैंडिंग का सफल परीक्षण किया है। इस स्वदेशी स्पेस शटल को पुष्पक नाम दिया गया है। यह परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में किया गया। इसरो ने कहा कि तकनीक से रॉकेट लॉन्चिंग अब पहले से सस्ती होगी, साथ ही अंतरिक्ष में उपकरण पहुंचाने की लागत भी काफी कम आयेगी। इसरो इससे पहले भी दो बार वर्ष 2016 और 2023 में आरएलवी की सफल लैंडिंग करा चुका है। इस स्पेसक्राफ्ट की वर्ष 2030 तक पूरी तरह तैयार होने की उम्मीद है। यह स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की निचली कक्षा में 10 हजार किलोग्राम से ज्यादा वजन ले जाने में सक्षम होगा।

ग्रीस

समुद्र में मिले हजारों वर्ष पुराने जहाजों के अवशेष

ग्रीस के निकट समुद्र में प्राचीन जहाजों के अवशेष मिले हैं। ये अवशेष स्पेन, इटली, तुर्किए और अफ्रीकी देशों से माल लेकर आने-जाने वाले जहाजों के हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार जहाजों का मलबा कासोस द्वीप के आस-पास समुद्रतल में मिला है। जहाजों के अवशेष 3 हजार ईसा पूर्व (लगभग 5 हजार वर्ष) पुराने बताये जा रहे हैं। इस अवशेष में मध्ययुगीन काल और ओटोमन साम्राज्य के समय की कलाकृतियां मिली हैं। ग्रीस के संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि इन कलाकृतियों के अध्ययन से इतिहास के पहलुओं के साथ-साथ भूमध्य सागर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की भी नई जानकारियां मिली हैं।

मिशन पोओईएम-3

अंतरिक्ष में शून्य कक्षीय मलबा मिशन सफलतापूर्वक पूर्ण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने मिशन पोओईओएम के तहत शून्य कक्षीय मलबा मिशन पूरा कर लिया है। इसरो ने इस उपलब्धि को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि अब पीएसएलवी द्वारा लॉन्च रॉकेट से मलबा अंतरिक्ष में नहीं बिखरेगा। इसरो ने कहा कि उपग्रहों को अंतरिक्ष में वांछित कक्षा में पहुंचाने के बाद पीएसएलवी तीन भागों में बंट जाता है, जिसे पोओईएम-3 (पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल-3) नाम दिया गया है। इस मिशन के तहत पीओईएम-3 उपग्रह को कक्षा में पहुंचाने के बाद पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करने में सफल रहा है।

प्रबोवो सुबियांतो

इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति बनेंगे

इंडोनेशिया में प्रबोवो सुबियांतो ने राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत लिया है, वे देश के 8वें राष्ट्रपति होंगे। इंडोनेशिया के चुनाव आयोग ने 14 फरवरी को हुए चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए हैं। आयोग ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव में सुबियांतो को 58.6 प्रतिशत वोट मिले, जबकि जकार्ता के पूर्व गवर्नर अनीस बासदेवन को 24.9 प्रतिशत और सेंट्रल जावा के पूर्व गवर्नर गंजर प्रणोवो को 16.5 प्रतिशत मत मिले।

सदानंद वसंत दाते

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक नियुक्त

महाराष्ट्र एंटी टेरर स्क्वॉड (एटीएस) के प्रमुख सदानंद वसंत दाते को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। सदानंद दाते महाराष्ट्र कैडर के वर्ष 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। वह एनआईए में दिनकर गुप्ता का स्थान लेंगे, जो सेवानिवृत्त हो गए हैं। सदानंद दाते का कार्यकाल 31 दिसम्बर 2026 उनकी सेवानिवृत्ति तक रहेगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले के दौरान उन्होंने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया था।

बसीरू डियोमाये फेय

सेनेगल के अगले राष्ट्रपति बनेंगे

अफ्रीकी देश सेनेगल में सम्पन्न हुए राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के युवा नेता बसीरू डियोमाये फेय ने जीत दर्ज की है। चुनाव में जीत के बाद उन्हें देश का अगला राष्ट्रपति नामित किया गया है। चुनाव में बसीरू के निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व प्रधानमंत्री अमादौ बा ने अपनी हार स्वीकार कर ली है, अमादौ को मौजूदा राष्ट्रपति मैकी सॉल का समर्थन हासिल था। चुनाव में बसीरू को 54.28 प्रतिशत वोट मिले, जबकि अमादौ 35.79 वोट ही हासिल कर सके।

फ्रांस में

पेरिस ओलिंपिक के लिए जारी किए डाक टिकट

फ्रांस के डाक संग्रहालय ने इस वर्ष आयोजित होने वाले पेरिस ओलिंपिक और पैरालिंपिक खेलों के लिए डाक टिकट जारी किया है। डाक संग्रहालय ने यह आधिकारिक डाक टिकट ओलिंपिक आयोजन समिति और ला पोस्टे ग्रुप के सहयोग से जारी किया है। इस डाक टिकट पर एफिल टॉवर और सीन नदी जैसे प्रतिष्ठानों तथा एथेलेटिक्स ट्रैक एवं बॉल बाउंस को प्रदर्शित किया गया है। इस डाक टिकट की आठ लाख प्रतियां बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, इसकी कीमत 1.96 यूरो प्रति टिकट है।

रूमी अलखतानी

मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में पहली बार सऊदी अरब का करेंगी प्रतिनिधित्व

सऊदी अरब की 27 वर्षीय मॉडल रूमी अलखतानी इस वर्ष मैक्सिको में आयोजित होने वाले मिस यूनिवर्स कॉन्टेस्ट में सऊदी अरब का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह पहला अवसर है जब सऊदी अरब की कोई महिला इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। रूमी ने सोशल मीडिया के जरिए इस अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की। रूमी इससे पहले मिस सऊदी अरब, मिस मिडिल ईस्ट, मिस अरब वर्ल्ड पीस और मिस वुमन (सऊदी अरब) जैसे ब्यूटी पीजेंट जीत चुकी हैं।

पीआर श्रीजेश

एफआईएच एथलीट समिति के सह अध्यक्ष बने

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी समिति (एफआईएच) ने नई एथलीट समिति की घोषणा की है। समिति में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेश को सह अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्रीजेश के अलावा चिली की महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी कैमिला कारम को भी इस समिति का सह अध्यक्ष बनाया गया है। कारम कार्यकारी बोर्ड में एथलीट समिति की प्रतिनिधि और सह अध्यक्ष होंगी, जबकि श्रीजेश सह अध्यक्ष होने के साथ-साथ योजना और बैठकों का नेतृत्व करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने श्रीजेश को बधाई देते हुए कहा कि उनका अनुभव खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए काम आयेगा।

स्मृति शेष

बांग्ला अभिनेता पार्थसारथी देव का निधन

बांग्ला फिल्मों के अभिनेता पार्थसारथी देव का कोलकाता में निधन हो गया। वे 68 वर्ष के थे। पार्थसारथी काफी समय से फेफड़ों से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। वे टी.वी. सीरियलों के जाने-माने अभिनेता थे। इसके साथ ही उन्होंने रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज में भी काम किया है। उनकी हालही में रक्तबीज फिल्म रिलीज हुई थी। उन्होंने जुग जुग जियो, प्रेम आमार और बोगला मामा जैसी बेहतरीन बांग्ला फिल्मों में भी काम किया है। पार्थसारथी पश्चिम बंगाल मोशन पिक्चर्स आर्टिस्ट्स फोरम के उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का निधन

पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। शहरयार वर्ष 1990 से 1994 तक पाकिस्तान के विदेश सचिव रहे हैं। वे भारत और ब्रिटेन में पाकिस्तान के उच्चायुक्त भी रह चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2003 से 2006 और वर्ष 2014 से 2017 तक पीसीबी के अध्यक्ष का पद संभाला है। उनके पहले कार्यकाल के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध बेहतर हुए थे।

अभिनेता डेनियल बालाजी का निधन

तमिल और मलयाली फिल्मों के जाने-माने अभिनेता डेनियल बालाजी का हृदयघात से निधन हो गया। 48 वर्षीय बालाजी को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत तमिल फिल्म 'मरूधनयागम' से की थी, लेकिन यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हो पाई। बालाजी को 'वेट्टैयाडु विलैयाडु', 'पोल्लावधम' और 'वाडा चेन्नई' जैसी फिल्मों से पहचान मिली है। इसके अलावा उन्होंने टीवी शो 'चिट्ठी' में भी काम कर शोहरत हासिल की।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

दिल्ली सबऑर्डिनेट सर्विस सिलेक्शन बोर्ड

पद का नाम - पीजीटी (अंग्रेजी, संस्कृत, म्यूजिक, पेंटिंग, कम्प्यूटर साइंस) जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट सैनेटरी इंस्पेक्टर, लेबोरेटरी असिस्टेंट, स्टेनोग्राफर, कैंटीन अटेंडेंट, सेल्समैन ग्रेड 1, स्टोरकीपर, अकाउंट असिस्टेंड कम कैशियर आदि पद
पदों की संख्या - 1499
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://dsssb.delhi.gov.in/

राज्य चयन बोर्ड, ओडिशा

पद का नाम - पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पीजीटी)
पदों की संख्या - 1061
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://ssbodisha.ac.in/

राजस्थान पुलिस

पद का नाम - कॉन्स्टेबल (खिलाड़ियों के लिए)
पदों की संख्या - 56
योग्यता - एथलेटिक्स, क्रॉस कंट्री, जूडो, जिम्नास्टिक, वुशु, ताइक्वांडो, कराटे, फेन्सिंग, कुश्ती, भारोत्तोलन, बॉक्सिंग, तीरंदाजी, वाटर स्पोर्ट्स, बैडमिंटन, साइक्लिंग, स्विमिंग, घुड़सवारी, शूटिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, खो-खो और हॉकी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं। उम्र 18 से लेकर 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
अंतिम तिथि - 16 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://police.rajasthan.gov.in/new/dashboard

डॉ. राममनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

पद का नाम - नर्सिंग ऑफिसर
पदों की संख्या - 665
योग्यता - बीएससी ऑनर्स नर्सिंग या बीएससी नर्सिंग की डिग्री। बीएससी (पोस्ट सर्टिफिकेट) / पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग। स्टेट या इंडियन नर्सिंग काउंसिल में नर्स या मिडवाइफ के रूप में रजिस्ट्रेशन किया हो। जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी में डिप्लोमा किया हो और दो साल का एक्सपीरियंस हो। नर्स या मिडवाइफ के रूप में स्टेट या इंडियन नर्सिंग काउंसिल में रजिस्ट्रेशन हो। उम्र 18 से 40 वर्ष तक
अंतिम तिथि - 21 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://www.drrmlims.ac.in/

स्टाफ सिलेक्शन कमीशन

पद का नाम - जूनियर इंजीनियर (सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल)
पदों की संख्या - 966
योग्यता - पदानुसार, आयु 30 वर्ष से अधिक न हो।
अंतिम तिथि - 18 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://ssc.gov.in/

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर एग्जीक्यूटिव - केमिकल, सीनियर इंजीनियर - प्रोसेस (रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल), सीनियर मैनेजर - प्रोसेस (रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, ऑफसाइट और प्लानिंग), सीनियर मैनेजर (क्वालिटी कंट्रोल, यूटिलिटी, टेक्निकल प्लानिंग), सीनियर इंजीनियर (मैनटेंनेस, इंस्पेक्शन), सीनियर मैनेजर (फायर और सेफ्टी, इलेक्ट्रीकल आदि)
पदों की संख्या - 126
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://www.hrrl.in/

दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी

पद का नाम - असिस्टेंट प्रोफेसर (डिजाइन, एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, इकोनॉमिक्स, मैनेजमेंट, बायोटेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग)
पदों की संख्या - 158
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 14 अप्रैल 2024
वेबसाइट - http://www.dtu.ac.in/

एनएलसी इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - इंडस्ट्रियल ट्रेनी
पदों की संख्या - 239
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://www.nlcindia.in/new_website/index.htm

उत्तरप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर (इलेक्ट्रिकल, एस और टी, ऑपरेशन, आईटी, अकाउंट, आर्किटेक्ट, ह्यूमन रिसोर्स, पब्लिक रिलेशन), असिस्टेंट कंपनी सेक्रेटरी, जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल, एस और टी), स्टेशन कंट्रोलर कम ट्रेन ऑपरेटर, अकाउंट असिस्टेंट, ऑफिस असिस्टेंट, पब्लिक रिलेशन असिस्टेंट आदि पद
पदों की संख्या - 439
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://www.lmrcl.com/

स्कॉलरशिप

सीसीबी स्कॉलरशिप 2024

किनके लिए - कंबाइंड काउंसलिंग बोर्ड से संबद्ध कॉलेजों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों के लिए।
योग्यता - आवेदकों का किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज या विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जो उम्मीदवार अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या भारतीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा संबद्ध कॉलेजों द्वारा प्रस्तावित तकनीकी या व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक हैं, वे आवेदन कर सकते हैं।
क्या मिलेगा - प्रतिवर्ष 60 हजार से 2 लाख 50 हजार तक की छात्रवृत्ति।
अंतिम तिथि - 15 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://ccbnic.in/Default.aspx

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

तीज-त्योहार

भारतीय जीवन के आनंद का स्रोत तीज-त्योहार और परंपराएं

भारत में विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते हैं। इनमें मुख्यतः हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन शामिल हैं। हमारे देश में सर्वधर्म समभाव के संस्कार हैं। हर धर्म के अपने त्योहार और परंपराएं हैं। तिथियों के अनुसार उत्सव संपन्न होते हैं। यह उत्सव धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आधार और मान्यताओं से जुड़े होते हैं। किसी न किसी रूप में वर्ष भर चलने वाले उत्सव जहां जीवन को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं, वहीं अगली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराते हैं। 'रोज़गार और निर्माण' के इस अंक में हम भारत, विशेषकर मध्यप्रदेश में मनाए जाने वाले तीज-त्योहारों से आपको परिचित करवा रहे हैं।

हिन्दुओं के पर्व और त्योहार

गुड़ी पड़वा : गुड़ी पड़वा का त्योहार देशभर में मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा चैत्र शुक्ल पक्ष एकम का दिवस है। नवसंवत्सर आरंभ के इस दिन भारतीय नववर्ष की शुरुआत होती है और नये वर्ष का स्वागत किया जाता है। इस दिन से नवरात्र शुरू होते हैं। नवरात्र में नौ दिन तक देवी पूजा होती है।

गणगौर : गणगौर का व्रत चैत्र शुक्ल तृतीया को रखा जाता है। आदि पुरुष शिवजी यानी गण तथा आदि नारी शक्ति पार्वती जी यानी गौरी की आराधना स्वरूप इस पर्व का आयोजन किया जाता है। महिलाएं शिव-पार्वती की प्रतिमाएं बनाती हैं तथा पूजा करती हैं।

रामनवमी : रामनवमी भगवान श्री रामचन्द्रजी का जन्म दिवस है। इस दिन भगवान श्रीराम की विशिष्ट पूजन-आरती होती है। यह चैत्र नवरात्र की नवमी का दिन है। अतः इस अवसर पर श्रद्धालुओं के द्वारा व्रत रखा जाता है।

आखातीज : वैशाख शुक्ल तृतीया की तिथि अक्षय तृतीया कहलाती है। यह पर्व विवाह के लिए सर्वोत्तम समय माना जाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विवाह संपन्न होते हैं।

रक्षाबंधन : श्रावण मास की पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है। रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई के हाथ पर राखी बांधती हैं। यह भाई द्वारा अपनी बहन की रक्षा के संकल्प का दिन है।

नागपंचमी : श्रावण मास की शुक्ल पंचमी को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन नाग की पूजा की जाती है।

हरतालिका तीज : भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की तीज को हरतालिका तीज का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन महिलाएँ निर्जला व्रत रखती हैं। सभी सौभाग्यवती महिलाएं इस व्रत को करती हैं।

जन्माष्टमी : भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष रोहिणी नक्षत्र को जन्माष्टमी मनाई जाती है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिवस के रूप में जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। कृष्ण मंदिर में साज-सज्जा की जाती है। श्रीकृष्ण के बाल रूप का श्रृंगार किया जाता है। रात को 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का प्रकटोत्सव मनाया जाता है।

शरद पूर्णिमा : आश्विन माह की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा पर्व मनाया जाता है। इस दिन से कार्तिक स्नान शुरू होता है। शरद पूर्णिमा के दिन खीर बनाकर चन्द्रमा को भोग लगाने की परंपरा है।

नवरात्रि : मध्यप्रदेश में पितृ अमावस्या के बाद एकम से नवरात्र प्रारंभ होते हैं। यह मातृ शक्ति की पूजा का पर्व है। नवरात्रि में लोग नौ दिन तक व्रत रखते हैं।

दशहरा : दशहरा को विजयादशमी भी कहते हैं। दशहरे के दिन भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी, इसीलिए इसे विजयादशमी कहते हैं। इस दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है। लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं और गले मिलते हैं। इस दिन अस्त्र-शस्त्र की पूजा की जाती है। लोग नीलकंठ पक्षी का दर्शन भी करते हैं।

धनतेरस : कार्तिक मास की त्रयोदशी को धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन घर के द्वार पर दीपक जलाकर रखा जाता है। लोग नया बर्तन अथवा सोने-चांदी के सिक्के खरीदना शुभ मानते हैं। इस दिन यमराज और स्वास्थ्य के देवता धन्वन्तरी की पूजा की जाती है।

दीपावली : दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। यह हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। इसे मनाये जाने के पीछे कथा है कि इस दिन भगवान श्रीराम रावण को परास्त कर अयोध्या वापस लौटे थे और उनका राज्याभिषेक हुआ था। इसी खुशी में अयोध्या को दीपमालाओं से सजाया गया था। दीपावली पर घरों के साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी दीप जलाये जाते हैं। इस दिन धन-धान्य की देवी महालक्ष्मी और सिद्धिदाता श्रीगणेश की पूजा होती है। यह त्योहार लगभग पूरे देश में मनाया जाता है।

गोवर्धन पूजा : दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा होती है। यह पूजा गोवर्धन पर्वत और गौधन से संबंधित है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं गोबर से मानव, पर्वत और बैलों की आकृतियां बनाती हैं। इस दिन पशुपालक अपने पशुओं की पूजा करते हैं।

भाईदूज : भाईदूज पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है। एक चैत्र मास में होली के उपरांत तथा दूसरा कार्तिक मास में दीपावली के बाद। इस दिन बहनें अपने भाई को श्रीफल व मिठाई देने के साथ तिलक करती हैं।

मकर संक्रान्ति : मकर संक्रांति पौष मास की शुक्ल पक्ष की द्वादशी को आती है। यह पर्व अधिकांशतः जनवरी माह की 14 तारीख को आता है। इस दिन सूर्य उत्तरायण हो जाता है। संक्रांति पर पवित्र नदियों तथा जलाशयों में स्नान किया जाता है। तिल के लड्डू, मूंग की दाल और चावल की कच्ची खिचड़ी दान देने का महत्व है। संक्रांति के दिन गुल्ली-डण्डा खेलने तथा पतंग आदि उड़ाने की भी परम्परा है।

वसंत पंचमी : माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को वसंतोत्सव के रूप में मनाया जाता है। वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

शिवरात्रि : फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को भगवान शिव की आराधना का पर्व मनाया जाता है। इसे महाशिवरात्रि भी कहते हैं। इसी दिन शिव-पार्वती का विवाह हुआ था। इस मौके पर लोग शिवालयों में जाकर बेलपत्र-धतूरा आदि अर्पित कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं।

होली : रंगों का त्योहार होली, फाल्गुन मास में पूर्णिमा को मनाया जाता है। सभी वर्गों के लोग इसे उत्साह से मनाते हैं। होली पर्व की पूर्व संध्या पर होलिका दहन किया जाता है। इसके पीछे कथा है कि हिरण्याकश्यप ने भक्त प्रहलाद को जलाकर मार डालना चाहा, लेकिन वे अग्नि से सकुशल वापस आ गए। होलिका दहन के दूसरे दिन रंग-गुलाल लगाकर पर्व के रूप में होली का उत्सव मनाया जाता है।

मुस्लिम पर्व और त्योहार

मुस्लिम धर्म में शब-ए- बरात, रमजान, (ईद-उल-फित्र), ईद-उल-जुहा (बकरीद) तथा बारावफात विशेष उल्लास से मनाये जाते हैं। इमाम हुसैन की शहादत की यादगार में करुण रुदन के साथ 10 दिन तक मुहर्रम मनाया जाता है। मुस्लिम धर्म के अनुयायी हृदय द्रावक मर्सियों के साथ बड़े-बड़े जुलूस में ताजिये निकालते हैं।

जैन धर्म के पर्व और त्योहार

महावीर जयन्ती, पर्यूषण पर्व और दीवाली जैन धर्म के महत्वपूर्ण पर्व और त्योहार हैं। महावीर जयंती के अवसर पर मार्च अथवा अप्रैल में पड़ने वाली तिथि पर जैन धर्म के लोगों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इनमें मुख्यतः भगवान महावीर की पूजा-अर्चना की जाती है। पर्यूषण पर्व इस धर्म को मानने वालों का महत्वपूर्ण पर्व है। लगभग आठ दिन तक अगस्त और सितम्बर माह के दौरान आयोजित होने वाले इस पर्व के दौरान लोग उपवास और पूजन करते हैं। जैन धर्म को मानने वालों का दीवाली महत्वपूर्ण त्योहार है। इस दिन भगवान महावीर को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। यह त्योहार अक्टूबर और नवम्बर माह के दौरान मनाया जाता है।

बौद्ध धर्म के पर्व

बुद्ध पूर्णिमा, बौद्ध धर्म के अनुयायी हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का आयोजन मुख्यतः महाराष्ट्र की सीमा से लगे मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा इन्दौर और भोपाल जिलों में किया जाता है। इस पर्व में अन्य धर्मावलम्बी भी उत्साह के साथ शामिल होते हैं।

ईसाई धर्म के पर्व और त्योहार

भगवान यीशु की याद में ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस का आयोजन हर साल दिसंबर माह में मुख्य रूप से करते हैं। इस अवसर पर चर्च को रंगबिरंगी रोशनी वाली लाइटों से सजाते हैं। ईसाई धर्म को मानने वालों के अन्य त्योहारों में गुड फ्राइडे, ईस्टर और नववर्ष दिवस भी शामिल हैं।

सिख धर्म के पर्व और त्योहार

सिख धर्म के अनुयायी गुरुनानक जयंती, लोहड़ी और वैशाखी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। गुरुनानक के जन्म दिवस के मौके पर प्रभात फेरियां निकलती हैं। गुरुद्वारों में धार्मिक आयोजनों के साथ रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। लोहड़ी जनवरी को मनायी जाती है। वैशाखी का त्योहार खालसा के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस त्योहार का उत्साह इसलिए भी दोगुना हो जाता है क्योंकि इस मौके पर गेहूं की फसल तैयार हो जाती है। इसके साथ ही प्रकाश उत्सव दीवाली पर बंदी छोड़ दिवस और गुरु तेगबहादुर का शहीद दिवस भी मनाया जाता है।

लेखक, शशांक मणि पाण्डे
(लेखक समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. गुप्तकालीन शब्द 'अग्रहार' से आप क्या समझते हैं?
अ. अनाज
ब. भूमि अनुदान
स. सेना
द. कर्ज
उत्तर- ब. भूमि अनुदान
व्याख्या- अग्रहार गुप्तकालीन कर मुक्त भूमि अनुदान था, जो कि ब्राह्मणों को दान में मिलता था।

2. 'सुपिया अभिलेख' में किस राजवंश की वंशावली का वर्णन मिलता है?
अ. सातवाहन
ब. शुंग
स. मौर्य
द. गुप्त
उत्तर- द. गुप्त
व्याख्या- मध्यप्रदेश के रीवा से प्राप्त इस अभिलेख में घटोत्कच के समय से गुप्तों की वंशावली मिलती है। इसी अभिलेख में गुप्त वंश को 'घटोत्कच वंश' कहा गया है।

3. 'गवरी' लोक नाट्य का संबंध मुख्यतः किस जनजाति से है?
अ. मुड़िया
ब. गोंड
स. भील
द. सहरिया
उत्तर- स. भील
व्याख्या- भील जनजाति का प्राचीन लोकनाट्य जिसे 'मेरूनाट्य' भी कहा जाता है, रक्षाबंधन के दूसरे दिन से 40 दिन तक चलता है।

4. मसाण्या गीत का संबंध किस क्षेत्र से है?
अ. बुंदेलखंड
ब. निमाड़
स. मालवा
द. बघेलखंड
उत्तर- ब. निमाड़
व्याख्या- क्षेत्र - सम्पूर्ण निमाड़ अंचल
अवसर - मृत्यु पर
गायन शैली - सामूहिक
विषय वस्त - आत्मा की अमरता

5. 'तिरला का युद्ध' किस वर्ष हआ था?
अ. 1728 ब. 1707
स. 1731 द. 1708
उत्तर- अ. 1728
व्याख्या- मुगल सूबेदार दया बहादुर और मराठा मल्हारराव होल्कर के मध्य हुआ। मुगलों की निर्णायक हार और मालवा पर मराठा शासन।

6. निम्न में से किस बुंदेला शासक ने अपनी राजधानी गढ़कुंडार से ओरछा स्थानांतरित की थी?
अ. रूद्र प्रताप बुंदेला
ब. भारती चन्द्र
स. मधुकर शाह
द. राम शाह
उत्तर- ब. भारती चन्द्र
व्याख्या- ओरछा में कई इमारतें जैसे रामराजा मंदिर, रानी महल आदि बनवाए। कवि केशवदास को संरक्षण दिया। हुमायूं व शेरशाह के बीच अस्थिरता का लाभ उठाकर संपूर्ण बुंदेलखण्ड को अपने शासन के अधीन किया।

7. सोहावल नरसंहार का संबंध किस राज्य से है?
अ. महाराष्ट्र
ब. उत्तरप्रदेश
स. मध्यप्रदेश
द. झारखंड
उत्तर- स. मध्यप्रदेश
व्याख्या- मध्यप्रदेश के सतना जिले से संबंधित। जुलाई 1938 को लालबुद्ध प्रताप के नेतृत्व में आमसभा का आयोजन। जिस पर ब्रिटिश सैनिकों द्वारा गोलीबारी।
अन्य नाम - माजन गोलीकांड
अन्य सदस्य - रामश्रय गौतम, मंधीर पांडे

8. बुंदेली लोक साहित्यकार 'जगनिक' को किस शासक द्वारा आश्रय दिया गया था?
अ. परमार्दिदेव
ब. मदन वर्मा
स. त्रेलोक्य वर्मा
द. विद्याधर
उत्तर- अ. परमार्दिदेव
व्याख्या- बुंदेली लोक साहित्यकार, रचनाएं आल्हाखण्ड, परमाल रासो

9. भारत की स्वतंत्रता के समय इंदौर रियासत किस होल्कर वंशीय राजा के अंतर्गत थी?
अ. तुकोजी राव होल्कर- II
ब. यशवंत राव होल्कर- II
स. खांडेराव होल्कर- II
द. यशवंत राव होल्कर- II
उत्तर- ब. यशवंत राव होल्कर- II
व्याख्या- होल्कर वंश के अंतिम राजा। मणिक बाग पैलेस का निर्माण।

10. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

साहित्यकार	रचनाएं
अ. अनिल माधव दवे	- अमृतस्य नर्मदा
ब. अमृतलाल वेगड़	- तीरे तीरे नर्मदा
स. माधवराव सप्रे	- दास बोध
द. नरेश मेहता	- यह पथ बन्धु था

उत्तर- अ. अनिल माधव - अमृतस्य दवे - नर्मदा

11. जोधइया बाई का संबंध किस जनजाति से है?
अ. गोंड ब. भील
स. बैगा द. सहरिया
उत्तर- स. बैगा जनजाति
व्याख्या- संबंध उमरिया जिला आदिवासी चित्रकार, पद्मश्री (2023), नारी शक्ति पुरस्कार (2022)

12. मध्यप्रदेश के किस किले में शेषशायी तालाब में भगवान विष्णु की लेटी हुई प्रतिमा स्थित है?
अ. हिंगलाजगढ़ किला
ब. बांधवगढ़ का किला
स. चंदेरी का किला
द. क्योटी का किला
उत्तर- ब. बांधवगढ़ का किला
व्याख्या- उमरिया जिले में अवस्थित बांधवगढ़ के शिलालेख संस्कृत भाषा में प्राप्त हुए।

13. निम्न ऐतिहासिक इमारतों में से कौन सा मांडू में अवस्थित नहीं है?
अ. अशरफी महल
ब. हिंडोला महल
स. दाई का महल
द. इत्रदार महल
उत्तर- द. इत्रदार महल
व्याख्या- इत्रदार महल रायसेन दुर्ग में अवस्थित है। हिंडोला महल की दीवारें 77 डिग्री झुकी हुई हैं।

14. नर्मदा नदी के तट पर अवस्थित 'जोग का किला' कहां है?
अ. जबलपुर
ब. हरदा
स. खंडवा
द. महेश्वर
उत्तर- ब. हरदा (हंडिया)
व्याख्या- प्राचीन रिद्धनाथ मंदिर, मुल्ला दो प्याजा की मजार भी यहीं स्थित है। आईने अकबरी में इस स्थान को मालवा सूबे की सरकार कहा गया है।

15. परमार राजा उदयादित्य के द्वारा स्थापित जैन मंदिर जो कि खजुराहो के मंदिरों के समकालीन है, यह मंदिर कहा अवस्थित है?
अ. बैतूल
ब. दतिया
स. ऊन
द. बड़वानी
उत्तर- स. ऊन
व्याख्या- ऊन (खरगोन) जैन श्रावकों में 'ऊन' पावागिरी नाम से प्रसिद्ध है। 12 मंदिरों का समूह इसे कई अनुयायी निर्वाण स्थल भी मानते हैं। इस स्थान पर शांतिनाथ व ग्वालेश्वर मंदिर भी अवस्थित है।

16. भदौरिया राजाओं द्वारा निर्मित किला जिसे देवगिरि दुर्ग भी कहा जाता है, वह है?
अ. गोहद का किला
ब. अटेर का किला
स. सबलगढ़ का किला
द. कन्हरगढ़ का किला
उत्तर- ब. अटेर का किला

17. मध्यप्रदेश में स्थित किस मंदिर को कैलाश नाथ मंदिर एलोरा का प्रतीक माना जाता है?
अ. कंदरिया महादेव मंदिर
ब. धर्मराजेश्वर मंदिर
स. चतुर्भुज मंदिर
द. गोला मठ मंदिर
उत्तर- ब. धर्मराजेश्वर मंदिर
व्याख्या- मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले की गरोठ तहसील में एकात्म शैली में बना। इसका निर्माण शिखर से आरंभ होकर तल पर समाप्त हुआ।

18. निम्न पर्यटन स्थलों में से कौन सा स्थल चित्रकूट में अवस्थित है?
अ. कामदगिरि
ब. अनुसुइया आश्रम
स. भरतकूप
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी

19. बटेश्वर मंदिर समूह किस जिले में अवस्थित हैं?
अ. मुरैना
ब. ग्वालियर
स. भिंड
द. शिवपुरी
उत्तर- अ. मुरैना
व्याख्या- किले में पहाड़गढ़ से कुछ दूरी पर 86 गुफाएं अवस्थित हैं, जिन्हें प्रागैतिहासिक काल का माना गया है।

20. 10वीं एवं 11वीं शती के दौरान चन्देल राजाओं द्वारा निर्मित खजुराहो के मंदिर किस शैली में निर्मित है?
अ. नागर
ब. द्रविड़
स. बेसर
द. वल्लभी
उत्तर- अ. नागर शैली
व्याख्या- नागर शैली में निर्मित मंदिर लक्ष्मण मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर, इस काल के सभी नागर मंदिरों में आमलक और कलश प्रमुख घटक हैं।

21. निम्न में से किस महल को मालवा के सुल्तान महमूद खिलजी ने कालपी के युद्ध में सुल्तान महमूद सरकी को हराने के उपलक्ष्य में बनवाया था?
अ. हवा महल
ब. बादल महल
स. मांउका महल
द. कौशल महल
उत्तर- द. कौशल महल
व्याख्या- महमूद खिलजी द्वारा निर्मित (1445) चंदेरी में अवस्थित।

22. सतखंडा महल किस वास्तुकला शैली में निर्मित है?
अ. राजपूत
ब. मुगल वास्तुकला
स. दक्षिण भारतीय
द. इंडो - सौरसेनिक
उत्तर- अ. राजपूत शैली
व्याख्या- वीरसिंह बुंदेला द्वारा निर्मित भूलभुलैया का आभास देता है, सात मंजिला इमारत दतिया में अवस्थित है।

23. निम्न में से किस दुर्ग की अंतिम गोंड शासिका रानी कमलापति थीं?
अ. रामगढ़ दुर्ग
ब. गढ़मंडला दुर्ग
स. गिन्नौरगढ़ दुर्ग
द. नरसिंहगढ़ दुर्ग
उत्तर- स. गिन्नौरगढ़ दुर्ग
व्याख्या- 13वीं शताब्दी में राजा उदय वर्धन द्वारा निर्मित यह किला देलावड़ी में है।

24. निम्न में से कौन सा महल मांडू के सुल्तान के द्वारा क्षिप्रा नदी के बीच बनवाया गया है?
अ. हिंडोला महल
ब. जहाल महल
स. कालियादेह महल
द. अठाना महल
उत्तर- स. कालियादेह महल
व्याख्या- उज्जैन में निर्माण, निर्माण 1458 सम्भवतः विशेषता फारसी वास्तुकला।

25. निम्न में से कौन सा मेला सिवनी में शिवरात्रि पर आयोजित किया जाता है?
अ. रामपायली
ब. शंकरबान
स. गोटमार
द. मठघोघरा
उत्तर- द. मठघोघरा
व्याख्या- स्थान सिवनी समय शिवरात्रि पर 15 दिन हेतु।

26. तानसेन संगीत समारोह निम्न में से किस गांव में आयोजित किया जाता है?
अ. भितरवार
ब. बेहट
स. रायचौरा
द. पवाया
उत्तर- ब. बेहट
व्याख्या- समय - हर साल दिसम्बर माह में, स्थान - बेहट (ग्वालियर), विशेष- उस्ताद अलाउद्दीन खान संगीत एवं कला अकादमी और संस्कृति विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

27. मध्यप्रदेश में तुलसी अकादमी की स्थापना कहां की गई है?
अ. भोपाल
ब. चित्रकुट
स. ओरछा
द. उज्जैन
उत्तर- अ. भोपाल
व्याख्या- उद्देश्य तुलसी साहित्य का अंवेषण, प्रचार-प्रसार एवं सरंक्षण करने हेतु। स्थापना वर्ष 1987।

28. रानी दुर्गावती संग्रहालय मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
अ. मंडला
ब. छिंदवाड़ा
स. नरसिंहपुर
द. जबलपुर
उत्तर- द. जबलपुर
व्याख्या- स्थापना वर्ष 1976, विशेषता कल्चुरी और गोंड राज्य की पुरा समग्री।

29. 'महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेन्टर' कहां अवस्थित है?
अ. खजुराहो
ब. छतरपुर
स. पन्ना
द. सतना
उत्तर- अ. खजुराहो
व्याख्या- मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर भोपाल में है।

30. मध्यप्रदेश का टीकमगढ़ नगर मुख्यतः किस धातु शिल्प के लिए प्रसिद्ध है?
अ. पीतल की मूर्तियों के लिए
ब. कांसे की बटलोही
स. चांदी की छवियों
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. पीतल की मूर्तियों के लिए
व्याख्या- इस प्रकार की बेल मेटल की मूर्तियों दमोह में भी बनाई जाती हैं। कांसे की बटलोही सतना के उचेहरा में।

31. मध्यप्रदेश के कौन से स्वतंत्रता सेनानी हरिशंकर ब्रह्मचारी के नाम से कुछ समय तक

(शेष अगले पृष्ठ पर)

मतदान अधिकार के साथ कर्तव्य भी है

''लोकतंत्र जनता द्वारा, जनता के लिए जनता का शासन है।''

लोकतंत्र की यह सार्वभौमिक परिभाषा संपूर्ण विश्व में लोकतांत्रिक और लोक कल्याणकारी शासन पद्धति का आधार है। यह छोटी सी परिभाषा अपने आप में संपूर्ण लोकतंत्र को समेटे हुए है, जिसके मूल में 'जनता' है। अर्थात जनता द्वारा किए जाने वाला शासन, जनता के हित के लिए किया जाने वाला शासन और जनता का शासन ही लोकतंत्र है। लोकतंत्र वर्तमान लोक कल्याणकारी राज्य में सबसे श्रेष्ठ शासन पद्धति है, जो सार्वभौमिक मताधिकार पर आधारित है।

सार्वभौमिक मताधिकार लोकतंत्र की प्राणवायु है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है। हमारे देश में जनता निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मतदान के माध्यम से जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन करती है और चुने हुए जनप्रतिनिधि विधायिका और कार्यपालिका के माध्यम से जनहित के कार्यों का संपादन करते हैं। आजादी के बाद से ही भारत की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था इसी सार्वभौमिक मताधिकार के आधार पर निरंतर गतिशील है।

भारत विश्व का विशालतम लोकतांत्रिक राष्ट्र है। जिस समय भारत स्वतंत्र हुआ था, समकालीन समय में विश्व के अनेक राष्ट्र स्वतंत्र हुए थे और सभी ने लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को अपनाया था, किन्तु आज उन राष्ट्रों में से कई राष्ट्रों का लोकतंत्र खत्म हो चुका है, और कई राष्ट्रों में खत्म होने की कगार पर है। किन्तु भारत का लोकतंत्र आजादी के बाद से आज तक लगातार सशक्त होता रहा है। भारतवर्ष के लोकतंत्र के सशक्तिकरण के मूल में सार्वभौमिक मताधिकार ही है।

लोकतंत्र का लक्ष्य मानव जाति का उन्नयन है। लोकतंत्र की उदार परम्परा में स्वतंत्रता, समानता, अधिकार, धर्म निरपेक्षता और न्याय जैसी अवधारणाओं का प्रमुख स्थान रहा है। भारत के संविधान में भी इन आदर्शों को प्रमुखता के साथ स्वीकार किया गया है। लोकतंत्र के इन मूल आदर्शों की स्थापना वास्तविक रूप में सार्वभौमिक मताधिकार के माध्यम से ही संभव है। भारतवर्ष में सभी नागरिकों को धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र आदि भेदभाव के बिना समान एवं स्वतंत्र रूप से मतदान का अधिकार प्राप्त है, और कदाचित यही हमारे लोकतंत्र का सुंदरतम स्वरूप है।

वास्तव में राजनीतिक क्रियाकलाप में जन सहभागिता लोकतंत्र का मूल तत्व है। लोकतंत्र में जन सहभागिता का सबसे सशक्त माध्यम सार्वभौमिक मताधिकार ही है, जिसके द्वारा समाज में वंचित वर्ग का सशक्तिकरण होता है और समानता तथा न्याय संगत रूप से नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं का प्रबंध किया जाता है।

लोकतंत्र सच्चे अर्थ में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता की ही पद्धति है। सच्चे लोकतंत्र का निर्माण तभी संभव है जब सभी नागरिक राजनैतिक दृष्टि से सक्रिय हों और सामुदायिक समस्याओं में निरंतर अभिरुचि बनाए रहें। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता इसलिए भी आवश्यक है, ताकि समाज की प्रमुख संस्थाओं का पर्याप्त विनिमय हो और राजनैतिक दलों में अधिक खुलापन और उत्तरदायित्व की भावना हो। इस प्रकार लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है कि देश का प्रत्येक नागरिक सार्वभौमिक मताधिकार के प्रति पूर्ण रूप से सजग हो और आम चुनावों में अनिवार्य मतदान के माध्यम से लोकतंत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे।

अपने मत का प्रयोग करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। किसी भी स्थिति में, किसी भी नागरिक को मत देने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग निरंतर नागरिकों को मताधिकार के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का कार्य करता है। इसके लिए निर्वाचन प्रक्रियाओं में अनेकानेक सुधार किए गए हैं और निरंतर किए जा रहे हैं, क्योंकि अधिकतम मतदान के द्वारा ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक कल्याणकारी, अधिक सशक्त और अधिक जनोन्मुखी बनाया जा सकता है।

भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली पर दृष्टि डालें तो हम पाते हैं कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कुछ सालों तक हमारे देश में चुनावों को उत्सव की तरह लिया जाता था। जनता अधिकतम मतदान के माध्यम से चुनावों में बढ़चढ़ कर भाग लेती थी, किन्तु बाद के वर्षों में देश के आम चुनावों में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखी गई। मतदान के प्रतिशत में अस गिरावट का कारण चाहे राजनैतिक नैतिकता में कमी हो या इसका कोई दूसरा कारण हो, किन्तु लोकतंत्र के लिए यह अशुभ संकेत ही है। वर्तमान परिवेश में भारत निर्वाचन आयोग के अथक प्रयासों से आम चुनावों में मतदान के प्रतिशत में वृद्धि परिलक्षित हो रही है, किन्तु अभी लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप अधिकतम मतदान के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ लोकतांत्रिक शासन प्रणाली की स्थापना का प्रसंग पूर्ण होना कदाचित शेष है।

आम चुनावों में निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्य करने के अनुभव बताते हैं कि शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत हमेशा अधिक रहता है। यह सामान्य तौर पर माना जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों की आबादी अधिक शिक्षित और समझदार होती है। तो क्या यह माना जाना चाहिए कि पढ़े लिखे लोगों में मतदान के प्रति अधिक रुचि नहीं होती है, या फिर ये लोकतांत्रिक पद्धति में अपनी सहभागिता करना ही नहीं चाहते हैं। शहरों में मतदान के प्रति अपेक्षाकृत कम रुचि होना निश्चित रूप से चिंता का विषय है। इस विषय पर सभी नागरिकों के साथ-साथ सभी राजनैतिक दलों को भी चिंतन करना चाहिए।

भारत की सार्वभौमिक और लोकतांत्रिक प्रणाली में मतदान को अधिकार के रूप में परिभाषित किया गया है। अधिकारों का सर्वदा वैधानिक आधार होता है। इसी वैधानिकता के कारण किसी भी नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। भारतवर्ष में लोकतंत्र को अधिक सशक्त और अधिक जनकल्याणकारी बनाने के लिए यह आवश्यक है, भारत का प्रत्येक नागरिक मतदान को अधिकार के साथ-साथ अपने सबसे प्रमुख कर्तव्य के रूप में स्वीकार और आत्मसात करे।

यह बिल्कुल सामान्य समझ की बात है कि अधिकतम सार्वभौमिक मताधिकार के माध्यम से ही भारत में लोकतंत्र को अधिक सशक्त और जनोन्मुखी बनाया जा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि भारत का प्रत्येक वयस्क नागरिक आम चुनावों में अपने मत का प्रयोग अवश्य करे। स्मरण रहे कि मतदान हमारा अधिकार ही नहीं कर्तव्य भी है।

- डॉ. जीवन एस. रजक
(लेखक, संयुक्त कलेक्टर, एवं दर्शनशास्त्र मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासक पुस्तक के लेखक हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष

अज्ञातवास में रहे?
अ. चंद्रशेखर आजाद
ब. भगतसिंह
स. गुरूबक्श सिंह
द. शेख रमजान

उत्तर- अ. चंद्रशेखर आजाद

व्याख्या- काकोरी रेल कांड के पश्चात आजाद 1.5 वर्ष तक हरिशंकर ब्रह्मचारी नाम से ओरछा में रहे। सातार नदी के किनारे कुटिया बना कर।

32. खजुराहो के मंदिर के संबंध में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है?
अ. यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में 1986 में शामिल किया गया।
ब. मंदिरों का निर्माण पंचायतन शैली में किया गया है।
स. निर्माण शैली में अमालेक व कलश का प्रयोग कही नहीं किया गया।
द. यहां तीन धार्मिक आस्था के मंदिर हैं हिंदु, जैन, देवी पूजा (तांत्रिक)।

उत्तर- स. निर्माण शैली में अमालेक व कलश का प्रयोग कही नहीं किया गया।

व्याख्या- 10वीं-11वीं शताब्दी में चंदेल शासकों द्वारा निर्मित मंदिर निर्माण की नागर शैली, मंदिर समूह को तीन समूहों में बांटा गया है, (1) पश्चिम समूह कंदरिया महादेव, चित्रगुप्त, वराह मंडप आदि (2) पूर्वी समूह पार्श्वनाथ, शांतिनाथ, वामन, जवारी, आदि (3) दक्षिणी समूह चतुर्भुज, बीजामंडल, दुलादेव आदि अन्य मंदिर चौसठ योगिनी मंदिर।

33. स्वतंत्रता सेनानी श्री बादल भोई का जन्म मध्यप्रदेश के किस स्थान पर हुआ था?
अ. बालाघाट
ब. बैतूल
स. छिंदवाड़ा
द. सिवनी

उत्तर- स. छिंदवाड़ा

व्याख्या- जन्म छिंदवाड़ा (डूंगरिया तीतरा) जंगल सत्याग्रह में भाग लिया, सम्मान में संग्रहालय का नाम श्री बादल भोई राज्य जनजातीय संहग्रालय छिंदवाड़ा।

34. नमक सत्याग्रह 1930 के समय सिवनी में किसके द्वारा सत्याग्रह का नेतृत्व किया गया?
अ. दुर्गाशंकर मेहता
ब. सेठ गोविंद
स. द्वारका प्रसाद मिश्र
द. गंजनसिंह

उत्तर- अ. दुर्गाशंकर मेहता

व्याख्या- नमक सत्याग्रह 1930 में जबलपुर से सेठ गोविन्द और द्वारका प्रसाद मिश्र और सिवनी से दुर्गाशंकर मेहता।

35. निम्न में से किस बघेल शासक ने 'पवाई रूल्स' लागू किया था?
अ. वेंकट रमन सिंह
ब. गुलाब सिंह
स. मार्तण्ड सिंह
द. रघुराज सिंह

उत्तर- ब. गुलाब सिंह

व्याख्या- महाराजा गुलाब सिंह ने 'पवाई रूल्स (वन उपज पर रीवा दरबार का अधिकार) लागू किया। इनके समयकाल में प्रजामंडल की स्थापना की गई।

36. ककनमठ मंदिर का निर्माण किस वंश के शासकों ने करवाया?
अ. कल्चुरी ब. परमार
स. कच्छवाह द. वाकाटक

उत्तर- स. कच्छवाह

व्याख्या- ककनमठ मंदिर मुरैना के सिहोनिया में भगवान शिव को समर्पित है।

37. 'सरना पूजा' निम्न में से किस जनजाति का प्रमुख त्योहार है?
अ. उरांव
ब. पनिका
स. भारिया
द. बिंझवार

उत्तर- अ. उरांव

व्याख्या- सरना पूजा उरांव जनजाति द्वारा चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर।

38. 'नंदना ब्लॉक प्रिंट' मध्यप्रदेश के किस जिले से संबंधित है?
अ. झाबुआ
ब. नीमच
स. मंदसौर
द. बैतुल

उत्तर- ब. नीमच

व्याख्या- नीमच जिले के तारापुर गांव में प्रचलित भील जनजाति के मध्य लोकप्रिय है।

39. मुड़िया जनजाति के युवागृह को क्या कहा जाता है?
अ. घोंटुल
ब. रंग-बंग
स. घुमकुरिया
द. गीतिओंरा

उत्तर- अ. घोटुल

40. निम्न में से किस रचना का संबंध भवभूति से नहीं है?
अ. मालती माधव
ब. उत्तर रामचरित
स. महावीर चरित
द. कर्पूरमंजरी

उत्तर- द. कर्पूरमंजरी

व्याख्या- भवभूति भारतीय मिल्टन वास्तविक नाम 'श्रीकंठ', कर्पुरमंजरी राजशेखर द्वारा रचित है।

41. उत्तर भारत में स्थित एकमात्र द्रविड़ शैली का मंदिर कौनसा है?
अ. पंढरपुर मंदिर
ब. चूड़धार मंदिर
स. तेली का मंदिर
द. भूमरा शिव मंदिर

उत्तर- स. तेली का मंदिर

42. 'रतौना' नामक उत्सव किसके द्वारा मनाया जाता है?
अ. बैगा जनजाति
ब. गोंड जनजाति
स. कोरकू
द. सम्पूर्ण म.प्र.

उत्तर- अ. बैगा जनजाति

व्याख्या- मधुमक्खी की पूजा की जाती है।

43. ताम्रकालीन स्थल खेड़ीनामा किस जिले में अवस्थित है?
अ. सागर
ब. नर्मदापुरम्
स. उज्जैन
द. विदिशा

उत्तर- ब. नर्मदापुरम्

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए

संख्यात्मक अभियोग्यता परीक्षण

1. x तथा y की वर्तमान आयु का योग 47 वर्ष है। 5 वर्ष पश्चात उनकी आयु 8:11 के अनुपात में होगी। x की वर्तमान आयु (वर्षों में) कितनी है -
(अ) 20 (ब) 19
(स) 24 (द) 30

उत्तर- (ब) 19 वर्ष।

हल- प्रश्नानुसार माना कि x और y की वर्तमान आयु A तथा B है।
इस तरह A+B = 47...(1) समीकरण और
$\frac{(A+5)}{(B+5)}=\frac{8}{11}$
11A + 55 = 8B + 40
11A - 8B = -15...(2) समीकरण
इन समीकरणों को हल करने पर y की आयु 28 वर्ष और x की 19 वर्ष आती है।

2. एक कक्षा का औसत भार 52 किग्रा. है। एक 118 किग्रा. भार वाला छात्र कक्षा में नया आता है। अब भार (औसत) बढ़कर 58 किग्रा. हो जाता है तो बताइये कक्षा में कुल कितने छात्र हैं -
(अ) 10 (ब) 15
(स) 19 (द) 20

उत्तर- (अ) 10

हल- $52x + 118 = 58\ (x + 1)$
$52x + 118 = 58x + 58$
$52x - 58x = 58 - 118$
$6x = 60$
$x = 60/6 = 10$
अतः कुल छात्र 10 है।

3. एक कार्य को A अकेला 100 घंटों में तथा B अकेला 150 घंटो में कर सकता है। A, B तथा C मिलकर उसी काम को 30 घंटे में कर सकते हैं। C अकेला उस कार्य को कितने घंटों में कर सकता है -
(अ) 60 (ब) 58
(स) 55 (द) 65

उत्तर- (अ) 60 घंटों में।

हल- प्रश्नानुसार C के एक घंटे का कार्य होगा
$\frac{1}{30}-(\frac{1}{100}+\frac{1}{150})$
$=\frac{1}{30}-\frac{5}{300}=\frac{1}{60}$
अगर C अकेला उस कार्य को करेगा तो उसे 60 घंटे लगेंगे।

4. यदि A:B = 3:1 तथा A:C = 7:4 है तो (A+B) : (B+C) क्या होगा -
(अ) 29:30 (ब) 28:19
(स) 19:25 (द) 25:4

उत्तर- (ब)

हल- प्रश्नानुसार A : B = 3 : 1, A : C = 7 : 4 है तो A : B : C होगा
21 : 7 : 12 अतः (A+B) : (B+C) होगा
(21+7) : (7+12) = 28 : 19

5. किसी वस्तु को 30 रुपये में खरीदा जाता है तथा उसे 36 रु. में बेचा जाता है तो लाभ का प्रतिशत होगा -
(अ) 20 (ब) 25
(स) 35 (द) 40

उत्तर- (अ) 20

हल- प्रश्नानुसार लाभ का प्रतिशत निकालने का सूत्र होगा
$=\frac{\text{लाभ}}{\text{क्रय मूल्य}}\times 100$
$=\frac{6}{30}\times\frac{100}{1}=20$ प्रतिशत

6. यदि A, B से 60 प्रतिशत कम है, B, C से 50 प्रतिशत अधिक है। C, D से 20 प्रतिशत अधिक है। यदि D, 1500 है तो A का मान कितना होगा -
(अ) 1080 (ब) 1100
(स) 980 (द) 1200

उत्तर- (अ) 1080

हल- प्रश्नानुसार D = 1500
$C=1500+\frac{1500\times 20}{100}=1800$
$B=1800+\frac{1800\times 50}{100}=2700$
$A=2700-\frac{2700\times 60}{100}=2700-1620$
A = 1080

7. यदि एक कक्षा में 45% पुरुष छात्र हैं। यदि पुरुष छात्रों की संख्या 6750 है, तो कक्षा में छात्रायें कितनी हैं -
(अ) 8000 (ब) 6750
(स) 8250 (द) 12000

उत्तर- (स) 8250

हल- प्रश्नानुसार, माना कि कुल छात्र संख्या 100 है, जिसमें से 45 पुरुष छात्र हैं, तो शेष 55 महिला छात्रायें हैं -
∵ 45 पुरुष छात्र हैं तो छात्रायें 55 हैं
∴ 1 पुरुष छात्र है तो छात्राओं की संख्या $\frac{55}{45}$
∴ 6750 पुरुष छात्र हैं तो
छात्राएं होंगी $\frac{55}{45}\times\frac{6750}{1}=8250$

8. ममता के पिता रमन की एक बहन है कोमल, जिसके बेटे, लोकेश की बहन का नाम दीपा है। रमन की मां का दीपा के पति से क्या संबंध है -
(अ) सास (ब) बहू
(स) ननद (द) मां

उत्तर- (अ) सास

हल- दीपा का पति दामाद हुआ और रमन की मां सास।

9. एक लड़की का परिचय देते हुये, विपिन ने कहा "वह मेरे पिता की बहन की मां के बेटे की बेटी है।" विपिन का उस महिला से क्या संबंध है -
(अ) भाई (ब) पिता
(स) भतीजा (द) दामाद

उत्तर- (अ) भाई

10. A किसी कार्य को 8 दिनों में पूरा करता है जबकि B उसी काम को 10 दिनों में पूरा कर सकता है, A और B मिलकर उस काम को कितने दिनों में पूरा कर सकते हैं -
(अ) 9/40 (ब) 40/9
(स) 9 (द) 10

उत्तर- (ब) 40/9 दिनों में।

हल- प्रश्नानुसार अभीष्ट समय =
$=\frac{8\times 10}{8+10}=\frac{80}{18}$ या $4\frac{4}{9}$ या 40/9 दिन

11. दो नल A और B एक टैंक को एक साथ 6 घंटों में भर देते हैं। नल A, B से 5 घंटे तेज टैंक को भरता है। A नल कितनी देर में (घंटों में) टैंक को भरेगा -
(अ) 8 घंटे (ब) 10 घंटे
(स) 12 घंटे (द) 14 घंटे

उत्तर- (ब) 10 घंटों में।

हल- माना कि A नल x घंटे में टैंक को भरता है। तो B को अकेले समय लगेगा $(x + 5)$ घंटे।
तब $\frac{1}{x}+\frac{1}{x+5}=\frac{1}{6}$
$\frac{x+5+x}{x(x+5)}=\frac{1}{6}$
$6\ (2x + 5) = x^2 + 5x$
समीकरण हल करने पर प्राप्त होगा x=10

12. रेखा 4 किमी प्रतिघंटा की दर से बगीचे में घूमने जाती है और 3 किमी प्रतिघंटा की दर से पुनः घर लौटती है। यदि उसे 5.95 घंटा लगता है तो घर और बगीचे के बीच कितनी दूरी है -
(अ) 10.2 किमी (ब) 12 किमी
(स) 7 किमी (द) 9 किमी

उत्तर- (अ) 10.2 किमी

हल- माना कि घर और बगीचे की दूरी x किमी है
प्रश्नानुसार $\frac{x}{4}+\frac{x}{3}=5.95$
$\frac{3x+4x}{12}=5.95$ इसे हल करने पर
x = 10.2 किमी आयेगा।

13. एक कार्यक्रम में दर्शकों में 1/8वें दर्शक 10वीं के छात्र हैं, 2/5 वें दर्शक 11वीं के छात्र हैं तथा शेष 12वीं कक्षा के छात्र हैं। यदि 12वीं कक्षा के छात्रों की संख्या 380 है तो कार्यक्रम में कुल दर्शकों की संख्या होगी -
(अ) 600 (ब) 800
(स) 500 (द) 700

उत्तर- (ब) 800

हल- माना कि कुल दर्शकों की संख्या x है तो प्रश्नानुसार
$x-\frac{x}{8}-\frac{2x}{5}=380$
$\frac{40x-5x-16x}{40}=380$
$40x - 21x = 380 \times 40$
$x = 20 \times 40 = 800$

14. रानी 90 मी. लंबे पूल में तैरती है। एक छोर से दूसरे छोर तक जाने तथा वापिस आना, वह दो मिनिट में, दो बार में 360 मी. की दूरी तय कर लेती है। रानी की तैरने की औसत गति है -
(अ) 3 मी./से. (ब) 5 मी./से.
(स) 4 मी./से. (द) 6 मी./से.

उत्तर- (अ) 3 मी./से.

हल- औसत चाल ज्ञात करने के सूत्र में संख्या भरने पर प्रश्नानुसार समीकरण होगा $\frac{360}{2\times 60}$ = 3 मी./से.

15. 3 वर्ष में 5000 रुपये पर चक्रवृद्धि ब्याज कितना होगा, यदि पहले वर्ष ब्याज दर 4 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 3 प्रतिशत व तीसरे वर्ष 2 प्रतिशत है -
(अ) 453 रुपये
(ब) 463.12 रुपये
(स) 418.62 रुपये
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (ब) 463.12 रुपये।

हल- सूत्रानुसार समीकरण होगा
$=5000\times\frac{104}{100}\times\frac{103}{100}\times\frac{102}{100}-5000$
= 5463.12 - 5000 = 463.12 रु. ब्याज

16. अमित, रोहित का परिचय उसके पिता की पत्नी के इकलौते भाई के पुत्र के रूप में कराता है। अमित और रोहित का क्या संबंध है -
(अ) ममेरे भाई (ब) पिता पुत्र
(स) चाचा भतीजा (द) दादा पोते

उत्तर- (अ) ममेरे भाई

17. A और B विवाहित युगल हैं। x और y भाई हैं x, A का भाई है। y, B से किस प्रकार से संबंधित है -
(अ) देवर/साला (ब) भाई
(स) दामाद (द) पुत्र

उत्तर- (अ) देवर/साला

हल- प्रश्न से यह ज्ञात नहीं होता है कि A पुरुष है या स्त्री। इसीलिये अगर x, A का भाई है तो Y भी A का भाई है और वह B अगर स्त्री है तो उसका देवर तथा पुरुष है तो साला होगा।

18. A और B के बीच चार बस मार्ग हैं। B और C के बीच तीन बस मार्ग हैं। एक व्यक्ति A से C, B से होते हुये कई तरीकों से आ जा सकता है। यदि वह एक बस मार्ग को एक से अधिक बार प्रयोग नहीं करना चाहता है तो वह कितने तरीकों से आना जाना कर सकता है -
(अ) 74 (ब) 72
(स) 78 (द) 80

उत्तर- (ब) 72

हल- प्रश्नानुसार
A से B के मार्गों की संख्या = 4
B से C के मार्गों की संख्या = 3
C से B के मार्गों की संख्या =
(3 - 1) = 2
B से A के मार्गों की संख्या =
(4 - 1) = 3 अभीष्ट मार्गों की संख्या
4 x 3 x 2 x 3 = 72

19. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 9 x 3 = 3, 27 x 3 = 9, 15 x 3 = 5 है तो 60 x 5 कितना होगा -
(अ) 60 (ब) 9
(स) 5 (द) 12

उत्तर- (द)

हल- प्रश्नानुसार x चिन्ह के स्थान पर भागित का उपयोग करना है।

20. एक थैले में कुल 20 गेंद हैं, जिनमें से 5 हरी गेंद हैं। अगर 2 गेंदों को बिना रिप्लेसमेंट के निकाला जाये, तो पहली गेंद लाल और दूसरी गेंद हरी होने की प्रायिकता है 2/19। बैग में लाल और नीली गेंदों की संख्या के बीच का अंतर है -
(अ) 2 (ब) 1
(स) 3 (द) 5

उत्तर- (ब)

हल- माना कि लाल गेंदों की संख्या x है और नीली गेंदों की संख्या y है।
तो प्रश्नानुसार समीकरण होगा
$\frac{x}{20}\times\frac{5}{19}=\frac{2}{19}$
$x=\frac{2\times 20\times 19}{19\times 5}=8$
अतः x या लाल गेंदों की संख्या है 8
नीली गेंदों की संख्या होगी 20 - 5 - 8 = 7
नीली और लाल गेंदों की संख्या में अंतर होगा = 8 -7 = 1

21. 5 घंटे प्रतिदिन कार्य करने पर रौनक एक कार्य को 24 दिनों में पूर्ण करता है। यदि वह कार्य 8 दिनों में पूरा किया जाना है तो रौनक को प्रतिदिन कितना कार्य करना होगा -
(अ) 15 घंटे (ब) 12 घंटे
(स) 18 घंटे (द) 20 घंटे

उत्तर- (अ)

हल- प्रश्नानुसार रौनक को उस कार्य को करने में 24 x 5 = 120 घंटे लगते है। 8 दिनों में कार्य करने के लिये उसे 120/8 = 15 घंटे लगेंगे।

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

बिजली चोरी की सूचना देने वालों को मिला 2 लाख रुपये का पारितोषिक

भोपाल, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की गुप्त सूचना देने वालों को अब तक 2 लाख रुपये का पारितोषिक दिया गया है। योजना में वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में लगभग 55 प्रकरणों में सूचना प्राप्त होने के बाद 27 प्रकरणों में अवैध बिजली की चोरी पाये जाने पर, बिल की राशि 20 लाख रुपये की शत-प्रतिशत वसूली की गई थी। इस पर लगभग 2 लाख रुपये की पारितोषिक की राशि संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक खाते में सीधे जमा की गई। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी की प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है। योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा. संधा., शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाइल पर दे सकता है। हाल ही में कंपनी की वेबसाइट **portal.mpcz.in** पर ऑनलाइन सूचना देने की व्यवस्था की गई है।

पंजीकरण कराना है आवश्यक

योजना के अंतर्गत सूचनाकर्ता के संबंध में जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखते हुए, कंपनी मुख्यालय से प्रोत्साहन की राशि सीधे संबंधित सूचनाकर्ता के बैंक के खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस योजना में क्षेत्रीय, वृत्त स्तर के अधिकारियों को जो शिकायतें प्राप्त होती हैं, उन शिकायतों पर तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के लिये कंपनी मुख्यालय के द्वारा सतत रूप से निगरानी की जाती है। फर्म, एजेंसी, संगठन भी सूचनाकर्ता हो सकते हैं, जिन्हें कंपनी मुख्यालय में पदस्थ नोडल अधिकारी के माध्यम से पंजीकरण कराना आवश्यक है।

पोर्टल अथवा उपाय ऐप पर देनी होगी सूचना

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए इनाम योजना में सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। सूचना के आधार पर राशि वसूली होने पर सफल सूचनाकर्ता को 10 प्रतिशत राशि का भुगतान किया जाएगा। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। सूचनाकर्ता को प्रोत्साहन राशि कंपनी मुख्यालय द्वारा सीधे सूचनाकर्ता के बैंक खाते में जमा की जाएगी। प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली करने वाले विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी ढाई प्रतिशत राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। वर्तमान में इस व्यवस्था को पूर्ण रूप से ऑनलाइन किया गया है तथा कंपनी वेबसाइट **portal.mpcz.in** पर जाकर informer scheme लिंक पर क्लिक करके, सूचनाकर्ता के द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है।

खेल चर्चा

मीराबाई चानू ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालिफाई

फुकेट, भारत की दिग्गज महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। मीराबाई ने थाइलैंड में आयोजित आईडब्ल्यूएफ विश्वकप में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारवर्ग स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर ओलंपिक में जगह पक्की की। चोट के कारण छह महीने बाद वापसी कर रहीं मीराबाई ने इस प्रतियोगिता में कुल 184 किलोग्राम (81 और 103 किलोग्राम) वजन उठाया। यह पेरिस ओलंपिक के लिए आखिरी और अनिवार्य क्वालिफायर टूर्नामेंट था। अपनी स्पर्धा पूरी होने के साथ ही मीराबाई ने पेरिस ओलंपिक के लिए तय मानदंड पूरे कर लिए हैं। उल्लेखनीय है कि मीराबाई चानू टोक्यो ओलंपिक-2020 में रजत पदक जीत चुकी हैं।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने जीता मियामी ओपन

एटीपी मास्टर्स खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने बोपन्ना

मियामी, भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने मियामी ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। बोपन्ना ने मियामी ओपन में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैथ्यू एब्डेन के साथ मिलकर पुरुष युगल वर्ग का खिताब जीता है। इस खिताबी जीत के साथ 44 वर्षीय बोपन्ना एटीपी मास्टर्स-1000 खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं।

मियामी ओपन में पुरुष युगल वर्ग के फाइनल में बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का सामना क्रोएशिया के इवान डोडिक और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी से हुआ। फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा। डोडिक और क्राजिसेक की जोड़ी ने बोपन्ना और एब्डेन को कड़ी टक्कर दी और 7-6 (7-3) से पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने पलटवार कर 6-3 से जीत दर्ज की। तीसरे सेट में भी दोनों के बीच कांटे का मुकाबला हुआ, जिसमें बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी बेहतर साबित हुई और 10-6 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

- बोपन्ना ने छठवीं बार एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट में पुरुष युगल खिताब जीता है।
- सभी नौ एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं रोहन बोपन्ना ।
- बोपन्ना से पहले यह उपलब्धि लिएंडर पेस हासिल कर चुके हैं।
- बोपन्ना ने पुरुष युगल वर्ग में अब तक 26 एटीपी खिताब जीते हैं।

टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब अमेरिका की डेनियल कोलिंस ने जीता। कोलिंस ने टूर्नामेंट के फाइनल में कजाखिस्तान की इलिना रिबाकिना को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से मात दी। ये कोलिंस के टेनिस कैरियर का तीसरा खिताब है।

पुरुष एकल वर्ग में सिनर बने चैम्पियन

मियामी ओपन में इटली के जेनिक सिनर ने पुरुष एकल वर्ग का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के फाइनल में सिनर ने बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-3, 6-1 से हराया।

खेल मंत्रालय ने बजरंग की वित्तीय सहायता की मंजूर

नई दिल्ली, खेल मंत्रालय ने पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर हो चुके पहलवान बजरंग पूनिया के वित्तीय सहायता प्रदान करने के अनुरोध को मंजूरी प्रदान की है। इसके अलावा मंत्रालय ने बजरंग के कंडीशनिंग कोच काजी किरण मुस्तफा का कार्यकाल मई 2024 तक बढ़ा दिया है। खेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मिशन ओलंपिक सेल ने बजरंग पूनिया की वित्तीय सहायता के साथ टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला के ओलंपिक से पहले चीनी ताइपे में अभ्यास करने और जूडो खिलाड़ी तुलिका मान के तुर्किए में एक प्रतियोगिता में भाग लेने और वित्तीय सहायता करने के आग्रह को स्वीकृत किया है।

उरुग्वे के फुटबॉल क्लब कोलोन से जुड़े बिजय छेत्री

चेन्नई, भारतीय फुटबॉलर बिजय छेत्री अब उरुग्वे के फुटबॉल क्लब कोलोन एफसी की ओर से खेलते हुए नजर आयेंगे। इंडियन सुपर लीग में चेन्नइन एफसी के लिए खेलने वाले बिजय वर्ष 2024 के अंत तक लोन पर कोलोन एफसी क्लब के लिए खेलेंगे। इस तरह बिजय किसी लेटिन अमेरिकी क्लब से अनुबंध करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बन गए हैं। बिजय छेत्री ने अपने कैरियर की शुरुआत वर्ष 2016 में शिलांग लाजोंग क्लब के साथ की थी।

पंकज आडवाणी ने जीता सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक खिताब

नई दिल्ली, भारत के स्टार खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने बिलियर्ड्स में अपनी बादशाहत बरकरार रखते हुए अखिल भारतीय सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक खिताब जीत लिया है। पंकज ने इंग्लैंड के डेविड कौजियर को 1836-743 से हराकर यह टूर्नामेंट जीता।

फाइनल मुकाबले में पंकज बेहतरीन लय में नजर आये, हालांकि मुकाबले के शुरुआती दो घंटे के सत्र के बाद पंकज के पास 593-570 की मामूली बढ़त थी। इसके बाद पंकज ने 10 बार के विश्व चैम्पियन कौजियर के खिलाफ 801 और 460 के दो बड़े ब्रेक बनाए और मुकाबले को बड़े अंतर से जीतने में सफल रहे। पंकज ने इस मुकाबले से पहले सेमीफाइनल में सिंगापुर के पीटर गिलक्रिस्ट को 1040-595 से हराया था।

तेजस्विन ने अमेरिका में जीता ऊंची कूद का खिताब

केन्सास, भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका में आयोजित शॉकर स्प्रिंग इनविटेशनल टूर्नामेंट में ऊंची कूद स्पर्धा का खिताब जीता है। यह इस सत्र में तेजस्विन का पहला खिताब है। तेजस्विन ने ऊंची कूद स्पर्धा में 2.17 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया, वहीं ब्रेडी पालेन (2.17) दूसरे और जाचरी बील (2.05) तीसरे स्थान पर रहे।

नामीबिया में महिला क्रिकेटरों को मिला अनुबंध

विंडहोक, नामीबिया क्रिकेट बोर्ड ने महिला क्रिकेटरों को वार्षिक अनुबंध देने की घोषणा की है। बोर्ड ने कहा कि इस वर्ष 10 महिला क्रिकेटरों को कॉन्ट्रेक्ट दिया जाएगा, इनमें कायलीन ग्रीन, सुने विटमैन, अर्रास्टा डायरगार्ड, एडेले वान जाइल, बियांका मैनुएल, आइरीन वान जाइल, विल्का मवाटाइल, मेकेले मवाटाइल, नाओमी बेंजामिन और साइमा तुहादेलेनी शामिल हैं। बोर्ड के सीईओ जोहान मुलर ने कहा कि पहली बार हम महिला क्रिकेट को पेशेवर बनाने में सक्षम हुए हैं।

महिला एशिया कप-2024 का कार्यक्रम हुआ जारी

बेरूत, एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने इस वर्ष श्रीलंका में आयोजित होने वाले एसीसी महिला एशिया कप का कार्यक्रम जारी कर दिया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 जुलाई को होगी और फाइनल 28 जुलाई को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मैच दांबूला में खेले जाएंगे।

महिला एशिया कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी, इन टीमों को 4-4 टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान को एक साथ रखा गया है, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों को भारत-पाकिस्तान के बीच एक बार फिर भिड़ंत देखने को मिलेगी। इस ग्रुप में नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात को भी रखा गया है, जबकि ग्रुप-बी में मेजबान श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाइलैंड को जगह मिली है। दोनों ग्रुपों की शीर्ष दो-दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

टूर्नामेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय टीम 21 जुलाई को पाकिस्तान और 23 जुलाई को नेपाल के खिलाफ मैदान में उतरेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भारत ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर महिला एशिया कप का खिताब जीता था।

- अब तक आठ बार आयोजित हुआ है महिला एशिया कप।
- भारत सबसे ज्यादा सात बार बना है एशियन चैम्पियन।
- वर्ष 2018 में बांग्लादेश ने जीता था महिला एशिया कप का खिताब।
- वर्ष 2012 से यह टूर्नामेंट ट्वेंटी-20 प्रारूप में हो रहा है आयोजित।

बाबर बने सीमित ओवर प्रारूप में पाकिस्तान के कप्तान

कराची, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बाबर आजम को एक बार फिर राष्ट्रीय टीम का कप्तान नियुक्त किया है। बाबर सीमित ओवर प्रारूपों (वन-डे और ट्वेंटी-20) में टीम की कमान संभालेंगे। आईसीसी वन-डे विश्वकप-2023 में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बाबर ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद पीसीबी ने गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को ट्वेंटी-20 और शान मसूद को टेस्ट टीम का कप्तान बनाया था। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि चयन समिति की सिफारिश के बाद बाबर आजम को वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम का कप्तान बनाया गया है, वहीं टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ही रहेंगे।

हॉकी इंडिया अवॉर्ड

हार्दिक सिंह बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने हॉकी इंडिया अवॉर्ड में अपना दबदबा बनाते हुए वर्ष 2023 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार जीता है। हार्दिक ने पीआर श्रीजेश, हरमनप्रीत सिंह और मनप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़कर यह पुरस्कार हासिल किया है। इसके अलावा हॉकी इंडिया ने हार्दिक को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीतपाल सिंह पुरस्कार भी प्रदान किया।

हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला टीम की दिग्गज खिलाड़ी सलीमा टेटे को महिला वर्ग में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना है। सलीमा ने वर्ष 2023 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सलीमा के अलावा दीपिका सोरेंग को सर्वश्रेष्ठ महिला नवोदित खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया।

- अशोक कुमार को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार।
- पीआर श्रीजेश को मिला सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार।
- हरमनप्रीत सिंह को मिला सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर पुरस्कार।
- सर्वश्रेष्ठ युवा स्ट्राइकर का पुरस्कार अभिषेक को मिला।
- अरजीत सिंह हुंदल बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष नवोदित खिलाड़ी।

मध्यप्रदेश के विवेक हुए सम्मानित

हॉकी इंडिया ने मध्यप्रदेश के हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद को 100 अंतर्राष्ट्रीय मैच पूरा होने पर सम्मानित किया। हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स के दौरान विवेक को ट्रॉफी और एक लाख रुपये की राशि प्रदान की। हॉकी इंडिया ने विवेक के साथ ही हार्दिक सिंह, नीलकांत शर्मा, सुमित, कृष्ण बहादुर पाठक, उदिता, सलीमा टेटे और गुरजंट सिंह को भी 100-100 अंतर्राष्ट्रीय मैच पूरे होने पर सम्मानित किया। इसके अलावा हरमनप्रीत सिंह को 200 मैच, महिला गोलकीपर सविता पूनिया को 250 मैच और पुरुष गोलकीपर पीआर श्रीजेश को 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच पूरे होने पर सम्मानित किया।

स्पेन मास्टर्स

लोह कीन येव ने जीता खिताब

मैड्रिड, सिंगापुर के युवा शटलर लोह कीन येव ने स्पेन मास्टर्स खिताब अपने नाम किया है। येव ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराकर इस खिताब पर कब्जा जमाया।

दोनों खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक रहा। येव ने पहले गेम में बेहतरीन प्रदर्शन किया और पोपोव को आसानी से 21-11 से मात दी। दूसरे गेम में पोपोव ने शानदार पलटवार कर येव को जबरदस्त टक्कर दी। पोपोव ने यह गेम 21-15 से जीत कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद तीसरे और निर्णायक गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन अंत में येव 22-20 से मुकाबला जीतने में सफल रहे।

- लोह कीन येव ने पहली बार जीता है स्पेन मास्टर्स खिताब।
- येव वर्ष 2021 में विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 का हुआ समापन

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने एफएओ मुख्यालय, रोम, इटली में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (आईवाईएम) 2023 का समापन समारोह आयोजित किया। उच्च-स्तरीय कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अपर सचिव श्रीमती मनिंदर कौर द्विवेदी सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से सम्मानित व्यक्ति शामिल हुए। श्रीमती मनिंदर कौर द्विवेदी ने मोटे अनाज को बढ़ावा देने और अपनाने में विभिन्न स्टार्ट-अप, उद्योगों, एफपीओ सहित भारत के संपन्न मोटे अनाज से जुड़े इकोसिस्टम के महत्व पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रस्ताव के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मार्च 2021 में अपने 75वें सत्र में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया था। साल भर चलने वाले उत्सव ने मोटे अनाज के उपभोग के पोषण और स्वास्थ्य लाभों, प्रतिकूल तथा बदलती जलवायु परिस्थितियों में खेती के लिए मोटे अनाज की उपयुक्तता एवं उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए स्थायी बाजार के अवसर पैदा करने के लाभों के बारे में सफलतापूर्वक जागरूकता बढ़ाई।

सीडीएफ के तहत

पहले भारतीय मूल के व्यक्ति का हुआ कैंसर का इलाज

ब्रिटेन की राज्य वित्त पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा द्वारा स्थापित कैंसर ड्रग्स फंड की मदद से भारतीय मूल के व्यक्ति को कैंसर का इलाज मिला। कैंसर से पीड़ित भारतीय मूल के किशोर युवान ठक्कर ने कहा कि अब वह उन चीजों का आनंद ले पा रहे हैं, जो उन्हें पसंद हैं। गौरतलब है कि इस व्यवस्था ने हजारों रोगियों के लिए नवीन उपचारों को सुलभ बनाया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ने कैंसर ड्रग्स फंड (सीडीएफ) की मदद से नवीनतम और सबसे नवीन उपचारों तक शीघ्र पहुंच से 1 लाख रोगियों को लाभान्वित करने का रिकॉर्ड बनाया है। युवान ठक्कर ने कहा कि सीएआर टी थेरेपी मिलने के बाद से मेरा जीवन पूरी तरह से बदल गया है। मुझे बीमारी के लिए मुझे कई बार अस्पताल के चक्कर लगाने पड़े, मैं स्कूल भी नहीं जा पाता था। इस थेरेपी ने मेरी जिंदगी बदल दी है। अब मैं दोस्तों से मिलता हूं, उनके साथ खेल सकता हूं और मैं अपने परिवार के साथ छुट्टियों पर जा सकता हूं।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विशिष्ट विभूतियों को मरणोपरांत भारत रत्न से किया सम्मानित

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में विशिष्ट विभूतियों को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया। पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी.वी. नरसिम्हा राव को भारत रत्न दिया गया। उनके सुपुत्र, श्री पी.वी. प्रभाकर राव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को दिया गया भारत रत्न उनके पौत्र श्री जयंत चौधरी ने ग्रहण किया, वहीं डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को दिया गया भारत रत्न उनकी सुपुत्री डॉ. नित्या राव ने ग्रहण किया। इसी तरह श्री कर्पूरी ठाकुर को दिया गया भारत रत्न उनके सुपुत्र श्री रामनाथ ठाकुर ने ग्रहण किया।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान का 70वां संस्थापक दिवस समारोह

भ्रष्टाचार अब अवसर, रोज़गार या अनुबंध का मार्ग नहीं, जेल जाने का रास्ता है - उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईआईपीए के 70वें संस्थापक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए

भारत एक मजबूत न्यायिक प्रणाली वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र है जिससे कोई भी व्यक्ति या समूह समझौता नहीं कर सकता है। यह बात उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 70वें संस्थापक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र अद्वितीय है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत में "कानून के समक्ष समानता एक नया मानदंड है" और कानून उन लोगों को जवाबदेह बना रहा है जो खुद को इससे परे समझते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही कानून अपना काम करता है, वे सड़कों पर उतर आते हैं, ऊंची आवाज में बहस करते हैं और मानवाधिकारों के जरिए सबसे खराब प्रकृति के दोषी को छिपाते हैं। यह हमारी नाक के नीचे हो रहा है। उन्होंने भारतीय न्यायिक प्रणाली को मजबूत, जन-समर्थक और स्वतंत्र बताया और कहा कि जब कानून लागू है तो किसी व्यक्ति या संस्था या संगठन के सड़कों पर उतरने का क्या औचित्य है?

हमें इससे ऊपर उठना होगा

उपराष्ट्रपति ने कहा कि न्यायपालिका वह संस्था है जो आधी रात को बैठती है, छुट्टी के दिन बैठती है और राहत प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि अपनी सभ्यता, अर्थव्यवस्था, जनसंख्या के आकार, लोकतांत्रिक कामकाज के आधार पर भारत को वैश्विक कक्ष में होना चाहिए जहां निर्णय लिए जाते हैं। यूएनएससी सीट के लिए भारत के मामले पर उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संस्था तब तक सुरक्षात्मक और प्रभावी नहीं हो सकती जब तक कि आपके पास भारत जैसे देश का प्रतिनिधित्व न हो, जिसके पास प्रत्येक स्तर पर संवैधानिक रूप से संरचित लोकतंत्र वाला दुनिया का एकमात्र देश होने की अनूठी स्थिति है।

कानून का उल्लंघन ठीक नहीं

उपराष्ट्रपति ने सभागार में उपस्थित लोगों से सवाल करते हुए पूछा कि क्या लोग शिकायत के अंदाज में योजना बना सकते हैं, जो कानून के शासन से दूर जाने की एक खतरनाक प्रवृत्ति है? कानून के उल्लंघन में शामिल कोई व्यक्ति पीड़ित कार्ड कैसे खेल सकता है? उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार अब फायदेमंद नहीं है, भ्रष्टाचार अब अवसर, रोज़गार या अनुबंध का मार्ग नहीं है। यह जेल जाने का रास्ता है। सिस्टम इसे सुरक्षित कर रहा है।

नेपाल-भारत अंतर्राष्ट्रीय संस्कृति सम्मेलन

संस्कृत ग्रंथों पर शोध एवं प्रकाशन के लिए बनेंगे अध्ययन केंद्र

भारत और नेपाल के विद्वानों ने संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। दोनों देशों के विद्वान हर साल अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन आयोजित करेंगे। संस्कृत ग्रंथों, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में पाई जाने वाली पांडुलिपियों पर शोध व प्रकाशन की व्यवस्था करने के लिए एक अध्ययन केंद्र स्थापित किया जाएगा। काठमांडू में तीन दिवसीय नेपाल-भारत अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन के समापन के अवसर पर पांच सूत्रीय प्रस्ताव अपनाया गया। प्रस्ताव के अनुसार, नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान नेपाल, दोनों देशों के संस्कृत अध्ययन केंद्र के प्रधान कार्यालय के रूप में कार्य करेगा। यह केंद्र संयुक्त अनुसंधान करेगा तथा नेपाल एवं भारत के संस्कृत ग्रंथों के प्रकाशन की व्यवस्था करेगा।

संरक्षित हैं पांच लाख पांडुलिपियां

नेपाल के पुरातत्व विभाग में लगभग पांच लाख अप्रकाशित संस्कृत पांडुलिपियां संरक्षित हैं। नीति अनुसंधान की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार भारत में नेपाली संस्कृत छात्रों की भाषा सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने इसरो के कार्यों को सराहा

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के महानिदेशक जोसफ ऐशबैकर ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तारीफ की। पेरिस में ईएसए की 323वीं परिषद की बैठक की मेजबानी करते हुए ऐशबैकर ने इसरो की प्रशंसा की। इस बैठक में इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान ऐशबैकर ने कहा कि अंतरिक्ष और विशेषकर चंद्रमा पर भारत को मिली उपलब्धियां हैरान करने वाली हैं। यूरोपियन वैज्ञानिकों ने इस पर भी प्रकाश डाला कि संबंधों की मजबूती और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ सहयोग के महत्व को कम नहीं आंका जा सकता।

जोसफ ऐशबैकर ने कहा कि भारत अंतरिक्ष में जो हासिल कर रहा है, खासकर चंद्रमा के क्षेत्र में, वह हैरान करने वाला है। अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने और सहयोग को गहरा करने के रणनीतिक महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

टाइगर ट्रायम्फ 2024 का समापन

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय त्रि-सेवा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास, टाइगर ट्रायम्फ 2024 का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इसका आयोजन अमेरिकी नौसेना के सैन एंटोनियो श्रेणी की परिवहन गोदी-समरसेट पर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) संचालन शुरू करने में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं को साझा करना है। इस दौरान समुद्री यात्रा से पूर्व विचार-विमर्श, विषय-वस्तु विशेषज्ञों के बीच विचारों का आदान-प्रदान, खेल कार्यक्रम, जहाज बोर्डिंग अभ्यास और क्रॉस डेक शामिल थे।

भारतीय नौसेना की भाग लेने वाली इकाइयों में एक लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक, लैंडिंग शिप टैंक जिसमें उनके अभिन्न लैंडिंग क्राफ्ट और हेलीकॉप्टर शामिल थे। गाइडेड मिसाइल युद्ध-पोत और लंबी दूरी तक मार करने वाले समुद्री टोही विमानों की विभिन्न इकाइयों ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व मशीनीकृत बलों सहित एक इन्फैंट्री बटालियन समूह द्वारा किया गया। भारतीय वायु सेना ने एक मध्यम लिफ्ट विमान, परिवहन हेलीकॉप्टर और त्वरित कार्रवाई चिकित्सा दल भी तैनात किया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो गूगल से साभार)

भारत निर्वाचन आयोग का सी-विजिल ऐप मतदाताओं में लोकप्रिय

भारत निर्वाचन आयोग का सी-विजिल ऐप लोगों के हाथ में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को चिह्नित करने का एक प्रभावी उपकरण बन गया है। आम चुनाव 2024 की घोषणा के बाद से अब तक 79,000 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। प्राप्त 99 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का समाधान कर दिया गया है और इनमें से लगभग 89 प्रतिशत शिकायतों का समाधान 100 मिनट के भीतर किया गया है। गति और पारदर्शिता सी-विजिल ऐप का मुख्य आधार है। प्राप्त 58,500 से अधिक शिकायतें (कुल शिकायतों का 73 प्रतिशत) अवैध होर्डिंग्स और बैनरों के खिलाफ हैं। प्राप्त 1400 से अधिक शिकायतें पैसे, उपहार वितरण से संबंधित थीं। लगभग तीन प्रतिशत शिकायतें (2454) संपत्ति के विरूपण से संबंधित हैं। आग्नेयास्त्रों के प्रदर्शन और धमकी से संबंधित प्राप्त 535 शिकायतों में से 529 का समाधान पहले ही किया जा चुका है। दी गई 1000 शिकायतें निषिद्ध अवधि के बाद प्रचार करने से संबंधित थीं, जिनमें अनुमत समय के बाद भी स्पीकर का उपयोग शामिल था।

गुमनाम भी कर सकते हैं शिकायतें

एक साथ काम करने वाले कारकों की त्रिमूर्ति सी-विजिल को सफल बनाती है। उपयोगकर्ता वास्तविक समय में ऑडियो, फोटो या वीडियो को संकलित करते हैं और कार्रवाई के लिए "100 मिनट" की उलटी गिनती सुनिश्चित की जाती है। जैसे ही उपयोगकर्ता उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए सी-विजिल में अपना कैमरा चालू करता है, ऐप स्वचालित रूप से एक जियो-टैगिंग सुविधा को सक्षम कर देता है। इसका मतलब यह है कि उड़नदस्ते रिपोर्ट किए गए उल्लंघन का सटीक स्थान जान सकते हैं।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।